RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 197
नई दिल्ली, शुक्रवार, 22 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

क्रिस इवांस ने की रॉबर्ट डाउनी की प्रशंसा
विविध-12

www.dailypioneer.com

किराया फिक्स-बेफिक्र उड़ान भरेंगे इंडिया वाले

● फ्लाइट के घंटों के आधार पर बनाए 7 स्लैब, थर्मल स्क्रीनिंग के लिए यात्रियों को दो घंटे पहले पहुंचना होगा एयरपोर्ट

देशव्यापी लॉक डाउन के चलते इंदिरा गांधी हवाईअड्डे पर खड़े विमान — फाइल फोटो

न्यूनतम दो हजार, अधिकतम 18,600 रुपये होगा किराया

नई दिल्ली। घरेलू हवाई यात्रा किराया की उच्चतम सीमा नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी के घोषणा करने के कुछ ही घंटों बाद विमानन नियामक डीजीसीए ने टिकटों की दर की सात श्रेणियां जारी की, जिनमें किराये की निम्न और उच्च (शेष पेज 9)

नियमों में बंटा होगा सफर

- विमान में नहीं मिलेगा भोजन, बीच की सीट भी होगी बुक।
- प्रत्येक यात्री केवल एक बैग चेक-इन में ले जा सकेगा।
- कोविड-19 से संक्रमित नहीं कर पाएंगे यात्रा।
- उड़ान से दो घंटे पहले हवाई अड्डे पहुंचना होगा।
- सामाजिक दूरी के नियमों का कड़ाई से पालन होगा।
- एयरपोर्ट के सार्वजनिक परिवहन, टैक्सी और निजी वाहनों का इस्तेमाल कर सकेंगे।
- बैगेज टैग/आईटेंडीफिकेशन नंबर डाउनलोड कर प्रिंट को बैग पर चिपकाना होगा
- चेक-इन काउंटर न होने से यात्रियों को वेब-चेक-इन कराना होगा।
- जरूरतमंदों को सेनेटाइज व्हील चेयर मिलेगी, अखबार, मैगजीन नहीं मिलेंगे।
- बोर्डिंग पास तभी जब यात्री यह डिक्लरेशन देंगे कि वे कंटेनमेंट जोन में नहीं रहते।
- यात्रियों के लिए मास्क और सेनेटाइजर का इंतजाम एयरलाइन को करना होगा।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन के बीच 25 मई से शुरू हो रही घरेलू उड़ानों और किराये को लेकर सरकार ने तस्वीर साफ कर दी है। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप पुरी ने गुरुवार को बताया कि उड़ान शुरू होने के दिन से अगले तीन महीने तक के लिए किराए फिक्स कर दिए गए हैं। ताकि, एयरलाइन मनमानी नहीं कर सकें। दिल्ली-मुंबई का 90-120 मिनट की उड़ान का न्यूनतम किराया 3,500 रुपये तथा अधिकतम किराया 10 हजार रुपए होगा।

नागर विमानन मंत्रालय और एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इस संदर्भ में विस्तृत दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। इसमें यात्रियों को सलाह दी गई है कि वृद्धजन, गर्भवती महिलाएं और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रहे यात्री तब तक हवाई यात्रा से बचें, जब तक कोरोना वायरस का प्रकोप कम नहीं हो जाता। साथ ही कंटेनमेंट (निरूद्ध) क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को यात्रा की इजाजत नहीं दी जाएगी। हवाई यात्रा के किरायों की सीमाएं उड़ान की अवधियों के आधार पर सात बैंड (भागों) में बांटी गयी है और ये 24 अगस्त तक प्रभाव में रहेंगे। मंत्री ने बताया कि पहले बैंड में वो उड़ानें होंगी जिनकी उड़ान अवधि 40 मिनट से कम है। इनकी किराये की विशेष निम्न और उच्च सीमाएं होंगी। उन्होंने कहा कि किराये की उच्च सीमा के दूसरे, तीसरे,चौथे और पांचवें बैंड में क्रमश: 40-60 मिनट, 60-90 मिनट, 90-120 मिनट और 120-150 मिनट की अवधि वाली उड़ानें होंगी। पुरी ने कहा कि छठे और सातवें बैंड में 150-180 मिनट और 180-210 मिनट अवधि वाली उड़ानें होंगी। संवाददाता सम्मेलन में मौजूद विमानन सचिव पीएस खरोला ने कहा कि 40 प्रतिशत सीटें उड़ानों के लिए निर्धारित हवाई किराये की निम्नतम और अधिकतम सीमाओं के बीच वाले मूल्य पर बुक करनी होंगी। मंत्री ने कहा कि वह अभी इस बारे में टिप्पणी नहीं कर सकते कि उड़ान परिचालन पूरी तरह कब बहाल होगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी यात्री के फोन में किसी कारण से आरोग्य सेतु ऐप नहीं होगा तो उसे एक स्व-घोषणा पत्र भरकर देना होगा। ऐसे यात्री को विमान में चढ़ने से नहीं रोका जाएगा। पुरी ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण विदेशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिहाज से चलाये जा रहे वंदे भारत मिशन में निजी विमानन कंपनियां भी शामिल होंगी। पुरी ने बताया शुरुआत में एक तिहाई उड़ाने ही संचालित की जाएंगी। एक बार शुरुआत करने के बाद 4-5 दिन देखेंगे, हालात सही लगे तो 10-15 फीसदी और बढ़ा देंगे। दो (शेष पेज 9)

अल्ट्रा वॉयलट स्कैनर व ई-बोर्डिंग पास मशीनों संग एयरपोर्ट तैयार

● कोरोना से बचाव के लिए आईजीआई हवाई अड्डे पर किए जा रहे तमाम इंतजाम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आईजीआई एयरपोर्ट पर बनाई गई डिस्इंफेक्टेंट टनल। सभी यात्रियों को इस टनल से गुजरना होगा।

राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से घरेलू उड़ानों के संचालन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनदर दिल्ली एयरपोर्ट की संचालक संस्था दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल)ने एक खाका तैयार है। इस खाके में एयरपोर्ट के उन की पहचान की गई (शेष पेज 9)

'कॉमन सर्विस सेंटरों' पर होगी ट्रेन के टिकटों की बुकिंग

नई दिल्ली। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि देशभर के करीब 1.7 लाख 'कॉमन सर्विस सेंटरों' पर ट्रेन टिकटों की बुकिंग शुक्रवार से बहाल हो जाएगी जिससे ऐसे दूरस्थ स्थानों पर भी सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी जहां कम्प्यूटरों और इंटरनेट की उपलब्धता बहुत कम है या नहीं है। 'कॉमन सर्विस सेंटर' ग्रामीण और दूरस्थ स्थानों पर सरकार की ई-सेवाओं को उपलब्ध कराने वाले केंद्र हैं। ये सेंटर उन स्थानों पर होते हैं जहां कम्प्यूटरों और इंटरनेट की उपलब्धता बहुत कम है या नहीं है। मंत्री ने यह भी कहा कि अगले दो से तीन (शेष पेज 9)

गुजर गया तूफान, पीछे छोड़ गया भारी तबाही के निशान

कोलकाता में तूफान के कारण उखड़े पेड़ ने एक कार को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया

● दर्द से कराह रहा पश्चिम बंगाल, 72 से ज्यादा की मौत, ओडिशा में भी बर्बादी का मंजर

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता/भुवनेश्वर

पश्चिम बंगाल में प्रचंड चक्रवात अम्फान से 72 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। राज्य के दो जिलों में भीषण तबाही हुई है। तूफान से हजारों लोग बेघर हो गए हैं, कई पुल नष्ट हो गए हैं। निचले इलाके जलमग्न हैं। कोलकाता और राज्य के कई अन्य हिस्सों में तबाही के निशान स्पष्ट दिख रहे हैं।

इसी तरह ओडिशा में भी तूफान से हुई बर्बादी का मंजर डरा रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मृतकों के परिजनों को ढाई-ढाई लाख रुपये मदद का ऐलान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि चक्रवात से प्रभावित लोगों की मदद के लिए कोई कोर कसर बाकीनहीं छोड़ी जाएगी। पश्चिम बंगाल में सौ साल बाद आए इस भीषण (शेष पेज 9)

प्रधानमंत्री का दौरा आज, लेंगे तबाही का जायजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अम्फान तूफान ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भयानक तबाही मचाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को तूफान प्रभावित इलाकों का एरियल सर्वे करेंगे। साथ ही वह समीक्षा बैठक भी करेंगे। इस बैठक में राहत और बचाव कार्य को लेकर चर्चा होगी। अम्फान तूफान की वजह से ओडिशा और पष्चिम बंगाल में (शेष पेज 9)

चीन ने भारतीय सैनिकों की गश्त में डाला अड़ंगा

ड्रैगन को दिल्ली का कड़ा जवाब

● भारत की सेना देश की संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध: विदेश मंत्रालय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव बढ़ाने के भारत पर लगाए चीन के आरोप के अगले ही दिन गुरुवार को, नई दिल्ली ने कहा कि वास्तविकता इसके बिल्कुल उलट है। सच सामने रखते विदेश मंत्रालय ने बताया कि दरअसल वह चीन के सैनिक हैं जिन्होंने भारतीय सेना की पेट्रोलिंग टीम की ड्यूटी में बाधा डाली। तीखे शब्दों में पलटवार करते मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारतीय सैनिकों की तरफ से किसी भी अतिरिक्त गतिविधि को अंजाम नहीं दिया गया। भारतीय सैन्य टुकड़ियों की सारी गतिविधियां भारतीय सीमा के अंदर हो रही हैं। भारतीय सेना के जवान सीमा सुरक्षा के लिए निश्चित प्रक्रियाओं का कठोरता से पालन करते हैं। चीन के सैनिकों ने सुरक्षा बलों की ओर से की जा रही गश्त में अड़ंगा डालने की कोशिश की। नई दिल्ली का कड़ा रुख ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी पर कायम तनाव के बीच आया है जहां गलवान नदी पर ताजा टकराव के हालात बन रहे हैं। चीन की सेना ने वहां अतिरिक्त सैन्य बल के साथ 80 से 90 तंबू गाड़ दिए हैं। चीन का दावा है कि भारत एलएसी के करीब सड़क बना रहा है और चीन की गतिविधियों को बाधित कर रहा है जबकि भारत ने इसे पूरी तरह नकार दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय सैनिकों ने पश्चिमी सेक्टर (शेष पेज 9)

उप्र कांग्रेस अध्यक्ष लल्लू भेजे गए जेल

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद बृहस्पतिवार को उन्हें अस्थाई जेल से जिला कारागार (स्थाई जेल) भेज दिया गया। जेल प्रशासन का कहना है कि अजय कुमार लल्लू जेल की क्वेरंटाइन बैरक में रहेंगे। वह किसी से मुलाकात नहीं कर पाएंगे क्योंकि कोरोना से बचाव के चलते करीब दो महीने से जेलों में मुलाकात पर प्रतिबंध है। उल्लेखनीय है कि बीते मंगलवार को उत्तर प्रदेश-राजस्थान बॉर्डर पर कांग्रेस की बसों को प्रवेश नहीं मिलने के कारण धरना प्रदर्शन कर रहे अजय कुमार उर्फ लल्लू सहित कुछ नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन पर लॉकडाउन के उल्लंघन की धारा और महामारी एक्ट लगाया गया था। बुधवार को उन्हें आगरा में न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया गया था जहां 20-20 हजार रुपए के निजी मुचलके पर 16 जुलाई तक के लिए अंतरिम जमानत मिल गई थी लेकिन कोर्ट से बाहर निकलते ही पहले से मौजूद लखनऊ पुलिस ने उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया।

58 हजार बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट सखी तैनात करेगी योगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं को रोजगार का बड़ा मौका देते हुए राज्य भर में 58 हजार बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट सखी की तैनाती करेगी, जो बैंकिंग सुविधाओं में मदद करेंगीं। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को ऐलान किया कि उनकी सरकार बैंकिंग सुविधाओं की मदद के लिए प्रदेश भर में 58 हजार बैंकिग कॉरस्पोंडेंट सखी तैनात करेगी।

योगी ने बताया कि बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट सखी गांव में ही लोगों को बैंक से पैसे का भुगतान कराने की सुविधा मुहैया कराने का काम करेंगी। उन्होंने बताया कि हर ग्राम पंचायत में बैंकिग कॉरस्पोंडेंट सखी तैनात करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योगी के अनुसार हर बैंकिग कॉरस्पोंडेंट सखी को पहले छह महीने तक चार हजार रुपए प्रतिमाह और छह महीने पश्चात चार हजार रूपए एवं बैंक का कमीशन प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि कॉरस्पोंडेंट सखी बैंकिंग के लेन-देन में जितने लोगों की मदद करेंगी, उतना ज्यादा कमीशन मिलेगा।

उपकरण के लिए भी 58 हज़ार रुपए उन्हें दिए जाएंगे। योगी ने बृहस्पतिवार को ही 35 हजार 938 परिवारों को 218.49 करोड़ रुपए का कोष प्रदान किया है। यह कोष ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी की ओर से इस कोष के जरिए मास्क समेत सिलाई, कढाई, पत्तल, मसाले जैसे उत्पादों के लिए काम कर रही महिलाओं को मदद मिलेगी।

अलर्ट: प्रवासी मजदूरों के साथ कोरोना वायरस गांव की ओर

● बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में तेजी से बढ़े मामले

राजेश कुमार। नई दिल्ली

जयपुर से अपने घरों को जाने के लिए बसों में बैठने जाते प्रवासी मजदूर

हजारों प्रवासी श्रमिकों के लौटने के साथ ही कोरोना वायरस तेजी से गांवों में पैर पसार रहा है।

बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में मामले सामने आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गांव अब तक कोरोना के कहर से बचे हुए थे। उत्तर प्रदेश के मामले को ही लें तो यहां के अधिक ग्रामीण आबादी वाले जिलों में कोरोना मामलों में तेजी से उछाल आया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में आए कुल 5175 मामलों में से 1330 ग्रामीण आबादी वाले इन जिलों से सामने आए हैं।

आंकड़ों के अनुसार संत कबीर नगर में (46), बस्ती (104), बांदा (21), गोंडा (36), बहराइच (63), बाराबंकी (79), हापुड़ (87), जालौन (41), (शेष पेज 9)

बाजार

संसेक्स	30,932	↑ 114
निफ्टी	9,106	↑ 39
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में दो इनामी नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो इनामी नक्सलियों को मार गिराया है। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने बताया कि जिले के गीदम थाना क्षेत्र के अंतर्गत नीलगुड़ा गांव के जंगल में डीआरजी के दल ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस को क्षेत्र में माओवादियों के प्लाटून नंबर 16 के कमांडर मल्लेश समेत लगभग 20 नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिली थी। इसके बाद डीआरजी के दल को रवाना किया गया था। डीआरजी का दल जब नीलगुड़ा गांव के जंगल में पहुंचा तब नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

देश में 24 घंटे में कोरोना के 5,609 नए मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 5,609 नए मामले सामने आए और कुल मामलों की संख्या बढ़कर 1,12,359 तक पहुंच गई, जबकि संक्रमण के कारण मरने वाले लोगों की संख्या 3,435 हो गई।

पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के संक्रमण से 132 लोगों की मौत हो गई। देश में अभी 63,624 लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि 45,299 लोग ठीक हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इस प्रकार, अब तक लगभग 40.32 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारत में कोविड-19 के कारण मृत्युदर 3.06 है जबकि वैश्विक मृत्युदर 6.65 है।

मंत्रालय ने इसके लिए समय पर मामलों की पहचान और उचित क्लीनिकल प्रबंधन को श्रेय दिया। मंत्रालय ने कहा कि मृत्यु के मामलों के विश्लेषण से पता चलता है कि संक्रमण से मरने वालों में 64 प्रतिशत पुरुष और 36 प्रतिशत महिलाएं हैं। मृतकों को आयु के आधार पर बांटते हुए मंत्रालय ने बताया कि मौत के 0.5 प्रतिशत मामले 15 साल से कम आयु के बच्चों के हैं, 2.5 प्रतिशत मामले 15 से 30 साल की उम्र के बीच के, 11.4 प्रतिशत मामले 30 से 45 साल के बीच के, 35.1 प्रतिशत मामले 45-60 आयुवर्ग के और 50.5 प्रतिशत मामले 60 साल से अधिक उम्र के लोगों के हैं।

कोरोना को पस्त कर फटाफट स्वस्थ हो रहे जवान

● बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईटीबीपी में अधिकांश मरीज हुए ठीक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चिकित्सालय से स्वस्थ होकर बाहर निकलते बीएसएफ जवान

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में कोरोना फैलने से जैसी चिंता बढ़ी थी, वहां से उसी तेजी से राहत की भी खबर आ रही है। बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईटीबीपी के कोविड-19 से प्रभावित जवानों की सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है।

बीएसएफ में कुल 363 मरीजों में से 274 ठीक हो चुके हैं जबकि अभी 87 पॉजिटिव केस हैं। इसी तरह सीआरपीएफ में कोरोनो वायरस के 335 केस आए थे। इनमें से 212 कर्मी स्वस्थ हो रहे हैं और 121 पॉजिटिव हैं। हालांकि, गुरुवार को सीआरपीएफ के एक जवान की मौत कोरोना वायरस की चपेट में आने से हो गई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में 363 कोविड-19 रोगियों में से दो कर्मियों की मौत हो चुकी है। बीएसएफमें पिछले दो दिनों में एक भी केस सामने नहीं आया है। सीआरपीएफमें आए 335 केस में से दो एएसआई की मौत हुई है। इस बल में नौ नए केस भी सामने आए हैं जिन्हें हरियाणा के झज्जर एम्स में भर्ती कराया गया है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) में कोरोना के कुल 186 मरीज थे।

इनमें से 67 अब तक ठीक हो चुके हैं और अभी भी 119 का इलाज चल रहा है। बल के प्रवक्ता ने बताया कि आईटीबीपी में संक्रमण के सभी मामले दिल्ली से हैं और जिनका इलाज चल रहा है, उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। राहत की बात यह है कि इस बल में पिछले चार दिन से नया केस नहीं आया है। सीआइएसएफ में महामारी से तीन और बीएसएफ और सीआरपीएफमें दो-दो जवानों की जान गई। इस तरह अर्धसैनिक बलों में घातक बीमारी से मरने वालों की संख्या सात तक पहुंच गई है।

सीआरपीएफ एएसआई की कोरोना संक्रमण से मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 50 वर्षीय एक सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) की कोरोना वायरस संक्रमण के कारण यहां के एक अस्पताल में मौत हो गई। देश के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बल सीआरपीएफ में कोविड-19 संक्रमण के कारण हुई यह दूसरी मौत है, जबकि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) में कोरोना वायरस संक्रमण से यह सातवीं मौत है। इस बीच, सीआरपीएफ में बृहस्पतिवार को संक्रमण के नौ नए मामले सामने आए और बल के 121 कर्मियों का अभी इलाज चल रहा है। सीआरपीएफ के प्रवक्ता ने बताया कि बिहार के रहने वाले एएसआई ने दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में बुधवार को आखिरी सांस (शेष पेज 9)

अब प्रदेश के अन्य जिलों में जाने के लिए पास की जरूरत नहीं होगी

दूसरे राज्यों में जाने के लिए बनवाना होगा पास

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

कोविड-19 के तीसरे चरण तक प्रदेश के अन्य किसी जिलों में जाने के लिए पास बनवाने की आवश्यकता पड़ती थी, परन्तु अब हरियाणा सरकार के आदेशानुसार प्रदेश के अन्य जिले में जाने के लिए किसी पास की जरूरत नहीं पड़ेगी।

वह बिना पास के प्रदेश के दूसरे जिलों में आवश्यक कार्य के लिए जा सकता है, यदि उन्हें दूसरे राज्यों में जाना है तो उसके लिए भ्रमण पास बनवाने की जरूरत पड़ेगी कोविड-19 में जो भी सरकार के निर्देश है, जिला व प्रदेश के लोगों को मानना होगा। मास्क का प्रयोग जरूरी है और सोशल डिस्टेंसिंग का हर समय ध्यान रखना होगा।

उपायुक्त ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार सायं 7 बजे से सुबह 7 बजे तक आवाजाही बंद रहेगी। कोई भी बाजारों व सड़कों पर भीड़ न करें, अनावश्यक घर से बाहर न निकलें। गाड़ी में तीन से ज्यादा व ऑटों में दो से ज्यादा सवारी की अनुमति नहीं होगी, यदि कोई इन आदेशों की अवहेलना करेगा तो पुलिस द्वारा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी जिलावासियों से अपील की कि वह इस कोरोना महामारी पर अंकुश लगाने के लिए सजग होकर कार्य करे व जिला प्रशासन का सहयोग करें।

लॉकडाउन : देश में घरेलू हिंसा बढ़ी हरियाणा में घटी

महिला उत्पीड़न की घटनाओं में आई कमी

पिछले साल के मुकाबले कम दर्ज हुए केस

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

एक तरफ जहां लॉकडाउन के दौरान पूरे देश में घरेलू हिंसा व महिला उत्पीड़न की घटनाओं में अचानक वृद्धि हुई है वहीं हरियाणा में हालात इसके एकदम उलट हैं। हरियाणा में लॉकडाउन के दौरान महिला उत्पीड़न व घरेलू हिंसा की घटनाओं में कमी आई है।

हरियाणा पुलिस के पास आई शिकायतों को अगर गौर से देखा जाए तो हरियाणा की स्थिति पड़ोसी राज्यों के मुकाबले एकदम उलट है।

हरियाणा में 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के बाद 23 मार्च से चरणबद्ध लॉकडाउन शुरू हो गया था। लॉकडाउन में हर तरफ से ऐसी खबरें आई जिसमें कहा गया कि घरेलू हिंसा, महिलाओं के साथ मारपीट व उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं। हरियाणा में इस तरह की खबरें तो आई लेकिन पुलिस के पास आने वाली शिकायतों की अगर पिछले साल के साथ तुलना की जाए तो यह आंकड़ा कम है। हरियाणा पुलिस द्वारा महिलाओं के लिए हेल्पलाइन नंबर 1091 चलाया गया है।

इस हेल्पलाइन नंबर पर 25 मार्च से 13 मई तक घरेलू हिंसा से संबंधित कुल 5935 शिकायतें आई। इनमें ज्यादातर पति व ससुर के विरुद्ध थी। जिसमें महिलाओं ने मारपीट करने, अभद्र व्यवहार करने आदि जैसे आरोप लगाए थे। इसके अलावा कई केस घरेलू बातों को लेकर नौकझौंक बढ़ने के संबंध में थे।

पुलिस ने ज्यादातर मामलों को कांउसलिंग के माध्यम से सुलझाया। इसके बावजूद 26 केसों में एफआईआर दर्ज की गई। दूसरी तरफ पिछले साल इसी अवधि के दौरान पुलिस के पास कुल 6060 शिकायतें आई थी। जिनमें से 74 को एफआईआर के लिए भेजा गया।

175 केसों में एफआईआर दर्ज

हरियाणा में लॉकडाउन की अवधि के दौरान महिलाओं से छेड़छाड़, दुष्कर्म, अभद्रता आदि की कुल 12060 कॉल आई हैं। जिनमें से 175 केसों में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके उलट पिछले साल इसी अवधि के दौरान 12 हजार 986 शिकायतें पुलिस के पास आई थी। जिनमें से 587 में एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी किए गए थे। हरियाणा पुलिस में एसपी क्राइम अंगेस्ट वूमैन कमलदीप गोयल के अनुसार अन्य राज्यों के मुकाबले हरियाणा में लॉकडाउन की अवधि के दौरान महिलाओं के खिलाफ होने वाली उत्पीड़न की घटनाओं में कमी आना बेहद सकारात्मक व सुखद पहलू है। देश के कई राज्यों से लॉकडाउन के दौरान महिला उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ने की खबरें आ रही हैं लेकिन हरियाणा इस मामले में अन्य राज्यों से अलग रहा है।

संक्षिप्त समाचार

फिट रहने और इम्युनिटी बढ़ाने के लिए योग जरूरी : कर्णदेव कांबोज

इंद्री। लॉकडाउन के दौरान राजनीति, खेल और फिल्म जगत से जुड़े लोग फिटनेस चेलेंज दे रहे है। हरियाणा सरकार के पूर्व खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री कर्णदेव कांबोज भी पीछे नहीं है। उन्होंने खेत में सैर के दौरान कठिन से कठिन योगासन कर सभी को आश्चर्यचकित किया है और दूसरे राजनेताओं के लिए चेलेंज प्रस्तुत किया है। पूर्व मंत्री के अनुसार खुद को फिट रखने और इम्युनिटी बढ़ाने के लिए अच्छे खानपान के साथ योगासन व प्राणायाम बहुत जरूरी है। खुद को फिट रखने के लिए बीते कई वर्षों से वो लगातार योगासन व प्राणायाम करते हैं। उनकी प्रतिभा को देखकर योग गुरु बाबा रामदेव ने पंचकुला में आयोजित शिविर के दौरान उन्हें स्टेज पर योगासन करने के लिए आमंत्रित किया था। पूर्व मंत्री कर्णदेव कांबोज ने बताया कि उनका योग से गहरा लगाव है। केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर ने हम फिट तो इंडिया फिट कैंपेन की शुरुआत की थी। क्रिकेट स्टार विराट कोहली ने भी सोशल मीडिया के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिटनेस चेलेंज दिया था जिसे उन्होंने खुशी-खुशी स्वीकार कर पूरा किया था। इसके पश्चात बाबा रामदेव, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, जयंत सिंहा, किरण रिजिजू, मीनाक्षी लेखी और मनोज तिवारी ने भी इस अभियान में भागेदारी की थी। पूर्व मंत्री कांबोज ने शीर्षासन, मयूरासन, हलासन, पश्चिमी उत्तानपादसन सहित कई योगासन किए।

आतंकवाद विरोधी दिवस पर बच्चों को दिया देशभक्ति का संदेश

सोनीपत। आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर बच्चों को देश के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करने और आतंकवाद व हिंसा का डटकर विरोध करने का संकल्प दिलाते हुए मिशन रोड स्थित मैथोडिस्ट सीनियर सैकेंडरी स्कूल की प्रिंसीपल रीना मनी व शिक्षिका अनिता रानी ने कहा कि मानवजाति के सभी वर्गो के बीच शांति, सामाजिक सदभाव तथा सुझबुझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पंहुचाने वाली व विघटनकारी शक्तियों से लडना चाहिए। वे आज मोबाइल के माध्यम से विद्यार्थियों को एंटी टेररिज्म डे के बारे में जानकारी दे रही थी। उन्होंने कहा कि हर साल 21 मई को मनाए जाने वाले आतंकवाद विरोधी दिवस का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति जगाना और विद्यार्थियों के अंदर देशभक्ति का जज्बा पैदा करना होता है। आतंकवाद विरोधी दिवस मनाना युवाओं को आतंकवाद और हिंसा के पथ से दूर रखना, लोगों को जागरुक करना, एकता को बढ़ावा देना, युवाओं में देशभक्ति जगाना और आम लोगों की पीड़ा को उजागर करना है। उन्होंने बच्चों को एंटी टेररिज्म डे के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी। प्रिंसीपल रीना मनी व शिक्षिका अनिता रानी ने कहा कि भारतवासी देश की अहिंसा और सहनशीलता की परंपरा में विश्वास रखते हैं और आतंकवाद का हमेशा डटकर विरोध करेंगे। मानव जीवन को खतरा पहुंचाने वाली विघटनकारी शक्तियों से सदैव मुकाबला करेंगे।

बुजुर्गों की सेवा करना है भगवान की अराधना के सामान : दून

कैथल। आईजी हरदीप दून ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा करना भगवान की सच्ची अराधना के समान होती है, जो आशीर्वाद बुजुर्ग दिल से देते हैं, उन्हें भगवान भी नहीं मोड़ सकता। सनातन धर्म मंदिर संस्था वृद्ध आश्रम व बाल उपवन में जो बुजुर्गों व बच्चों का ध्यान रख रही है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम है। बाल उपवन आश्रम में बच्चों को रहने, खाने व पढ़ने आदि की समुचित व्यवस्था है। आईजी हरदीप दून कमेटी चौक स्थित वृद्ध आश्रम व बाल उपवन में वहां रह रहे लोगों मिलने दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जो भी संस्था इस तरह के सामाजिक सरोकार का कार्य नि:स्वार्थ भावना से करती है, उसका फल उसे जरूर मिलता है। जिला कैथल की सभी सामाजिक संस्थाएं इस तरह के कार्यों में मानव सेवा के लिए तत्पर होकर कार्य कर रही है, जोकि एक सामाजिक सौहार्द का बहुत बड़ा उदाहरण है। इस वृद्ध आश्रम व बाल उपवन आश्रम में बच्चे व वृद्धों को घर से बढ़कर सुविधाएं मुहैया हो रही है। इस मौके पर आईजी हरदीप दून ने बुजुर्गों से बातचीत करते हुए उनका कुशलक्षेम जाना और बच्चों को जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रविभूषण गर्ग, श्याम सुंदर बंसल, अरविंद खुरानिया, राणा बंसल, अंजु जिंदल, रामजी शौरेवाला, धर्मवीर, कुलदीप, अमृता आदि मौजूद रहे।

लूट मामले में दो वर्ष से भूमिगत चल रहा मोस्टवांटेड कुरुक्षेत्र से काबू

कैथल। पुलिस द्वारा धरपकड़ के लिए विशेष मुहिम चलाई जा रही है। अभियान के तहत थाना सिविल लाइन पुलिस ने कुरुक्षेत्र में दबिश देकर लूट के मामले में वांछित गांव गढ़ी जिला कैथल निवासी मोस्टवांटिड़ 28 वर्षीय भगौड़े आरोपी विनोद उर्फ सुशा निवासी गढ़ी थाना सदर कैथल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के आधा दर्जन अन्य साथी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। करीब दो वर्ष पूर्व के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से न्यायालय ने भगोड़ा घोषित करार दिया था। वीरवार को आरोपी न्कायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि एक गुप्त सुचना मिलने पर मामले की जांच कर रहे थाना सिविल लाईन के एएसआई महीपाल ने अपने साथ एसआई रामलाल और एचसी सुरेश कुमार को साथ लेकर लाडवा रोड कुरुक्षेत्र पर दबिश दी थी। जहां से उसे काबू कर लिया।

अनाज मंडी में इस समय भी लोडिंग के इंतजार में 22 हजार कट्टे

पूंडरी। अनाज मंडी में गेहूं की आवक अब बंद हो चुकी है, लेकिन अब भी मंडी में गेहूं के ढेर लगे हुए दिखाई देते हैं। जो किसी किसान के न होकर आढ़तियों द्वारा बारिश में खराब हो चुके गेहूं कट्टों में से छंटाई कराने के लिए लगाई गई ढेरियां है। बारिश में हजारों कट्टे पूरी तरह भीग चुके थे, अब हालात ये है कि गेहूं कट्टे के ऊपरी हिस्से में अच्छे हैं और निचले हिस्से में कई दिनों तक पानी भरा रहने से डैमेज हो चुके हैं। कट्टे में से जब गेहूं निकालते हैं तो उसमें से आधी साफ और आधी खराब निकल रही है और वो भी इतनी खराब कि जिसमें बदबू आती है और काली पड़कर ढले बन चुके हैं। जिससे खराब गेहूं निकालकर आढ़ती उसकी जगह साफ गेहूं खरीद करके बिल के अनुसार गट्टों की गिनती पूरी कर रहे हैं। आढ़ती सुशील कुमार, राकेश कुमार, विनोद, सुरेश कुमार, प्रदीप व नीरज ने बताया कि इस बार गेहूं कट्टों का देरी से उठान होने व बेमौसमी बारिश होने से गेहूं की ये हालत हुई है। जिसका खामयाजा आढ़तियों को भुगतना पड़ रहा है और मंडी आढ़तियों को दो से तीन करोड़ रुपये का नुकसान होगा। आढ़ती अब अपने स्तर पर अतिरिक्त मजदूरी देकर गेहूं को पलटवाने और साफ कराने में लगे हुए हैं। एजेंसियों अब ऐसा गेहूं लेने से इंकार कर चुकी है, ऐसी स्थिति में गेहूं लोडिंग कराकर भेजते हैं तो वापस आने का डर रहता है और वापिस आने पर किराया भी गल पड़ने का भय रहता है।

टिड्डी दल के खतरे को देख सक्रिय हुए हिसार के कृषि अधिकारी

हिसार। पड़ोसी राज्य राजस्थान के कई क्षेत्रों में आए टिड्डी दल के खतरे को देखते हुए हिसार का कृषि विभाग भी सक्रिय हो गया है। विभाग ने टिड्डी दल के संभावित खतरे को देखते हुए अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी तय कर दी है। इसके लिए डॉ. अरुण कुमार को नोडल अधिकारी बनाया है। साथ ही जिला के किसानों से कहा गया है कि कहीं भी टिड्डी दल दिखाई पड़े या इससे संबंधित कोई जानकारी नोडल अधिकारी डॉ. अरुण सिंह के मोबाइल नंबर 9215809009 पर ली या दी जा सकती है। कृषि अधिकारियों का कहना है कि टिड्डी झुंड के रूप में चलता है और मादा टिड्डी नरम मिट्टी में छेद करके 5 से 15 सेंटीमीटर गहरी उचित नमी में 60 से 80 अंडे देती है। अंडे चावल के दाने के समान 7 से 9 मीमी लंबे और पीले रंग के होते हैं। अंडों से शिशु निकलते हैं उन्हें होपर या फुदका कहा जाता है जो कि सबसे ज्यादा नुकसान करता है। इनका रंग पीला, गुलाबी एवं काली धारियों युक्त होता है। उन्होंने बताया कि टिड्डी के उड़ने की क्षमता 13 से 15 किलोमीटर प्रति घंटा होती है और इसका झुंड 200 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है।

शिक्षा मंत्री के दरबार में पहुंचे टीजीटी इंग्लिश अध्यापक

हाईकोर्ट के डबल बैंच में विचाराधीन केस में सरकार नहीं कर रही पैरवी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में टीजीटी इंग्लिश अध्यापकों का एक प्रतिनिधिमंडल भर्ती को रद्द न किए जाने की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुज्जर से मिला। गुज्जर ने प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक में सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

टीजीटी इंग्लिश अध्यापक नेता रमेश दूहन की अध्यक्षता में सुरजीत, अजय सिंगल, दिनेश दहिया, विवेक, सुल्तान सिंह, ईश्वर छोक्कर, प्रिंस अग्रवाल, हिना अग्रवाल, पम्मी नगला समेत कई प्रतिनिधियों ने शिक्षा मंत्री के साथ हुई बैठक में कहा कि यह भर्ती 2015 में विज्ञापित हुई थी। 20 दिसंबर 2015 को टीजीटी इंग्लिश मेवात काडर की लिखित परीक्षा आयोजित हुई। उसके बाद 7 फरवरी 2016 को शेष हरियाणा कॉडर के लिए लिखित परीक्षा आयोजित हुई। सितंबर 2016 में परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद 13 सितंबर को इंटरव्यू आयोजित किया गया। अंतिम परिणाम घोषित होने से पहले ही भर्ती कोर्ट में फंस गई। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने भर्ती में शामिल सफल उम्मीदवारों व सरकार के पक्ष में फैसला दिया। उसके बाद भर्ती डबल बेंच में चेलेंज की गई, जहां पर सरकार की नाकामी के कारण मामला आज तक लंबित है। जब-जब सुनवाई हुई तब-तब सरकार की ओर से कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया। इस तरह से इस मौके पर आकर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा भर्ती को निरस्त करने के पहलूओं पर कानूनी राय मांगना उम्मीदवारों के भविष्य के साथ कुठाराघात है।

बैठक के दौरान शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुज्जर ने इस मामले में अनभिज्ञता जाहिर करते हुए पल्ला झाड़ लिया। उम्मीदवारों की सरकार से यह मांग है कि कोर्ट में विचाराधीन मामले के चलते भर्ती रद्द न की जाए व कोर्ट में मजबूत पैरवी करवा कर भर्ती को जल्द पूरा करवाया जाए।

भाई ने ही भाई को उतारा था मौत के घाट

कैथल। थाना पूंडरी पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर मिस्टी सॉल्व करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसका वारदात में प्रयुक्त गंडासी की बरामदगी के लिए एक दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है।

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि थाना प्रबंधक पूंडरी इस्पेक्टर नरेंद्र कुमार द्वारा जांच के दौरान अपनी टीम में चौकी पुंडरी प्रभारी एसआई भागीरथ को शामिल करके रात के समय गांव म्यौली में दबिश देकर मामले में करीब 65 वर्षीय आरोपी सतपाल वासी कैथली गेट पुंडरी को गिरफ्तार कर लिया। जो छिपने के लिए अपनी किसी रिश्तेदारी में जाने की फिराक में था। काबू किया आरोपी मृतक का बड़ा भाई बताया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कबूला कि उसका भाई सुरेश आवार किस्म का था, जो उनको डरा धमका कर उनकी जमीन ठेका पर ले लेता, परंतु विगत दो वर्ष से ठेका के पैसे भी अदा नहीं कर रहा था। आरोपी ने कबूला कि उसकी धमकियों से तंग आकर उसने 19 मई को सुरेश पर गंडासी से हमला करके उसे मौत के घाट उतार दिया।

रोजगार चलाने के लिए कम ब्याज दर पर ऋण देगी सरकार

गरीबों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एक नई पहल की है

करनाल। कोरोना की मार से हुई आर्थिक कमजोरी से उपर उठने के लिए हरियाणा सरकार ने प्रदेश के मजदूरों को दी बड़ी सौगात, अब स्वरोजगार चलाने के लिए कम ब्याज पर 50 हजार रुपये व 15 हजार रुपये तक का ऋण हरियाणा सरकार देगी, मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने की घोषणा, प्रदेश में प्रवासी मजदूरों को घबराने की जरूरत नहीं, हरियाणा में भी उन्हें घर से बेहतर मिलेगा सम्मान, घरौंडा के विधायक हरविन्द्र सिंह कल्याण ने कहा कि कोविड-19 में गरीबी की मार झेल रहे प्रदेश के लोगों को आर्थिक मजबूती देने को मुख्यमंत्री ने पिछले तीन माह में करीब 15 लाख 9 हजार परिवारों को 636 करोड़ रूपये की आर्थिक मदद की है।

गरीब जिसका इन दिनों छोटा रोजगार चोपट हो गया है, उस रोजगार को खड़ा करने के नाते 15 हजार रुपये तक का लोन बिना किसी गारंटी के देने का निर्णय लिया है। इतना ही नहीं हरियाणा सरकार ने 3 लाख लोगों को बैंक के माध्यम से रोजगार चलाने के लिए ऋण मुहैया करवाने का निर्णय लिया है। यह गरीब परिवारों के लिए एक बड़ी सौगात होगी। विधायक ने वीरवार को जारी ब्यान में कहा कि लॉक डाउन के कारण पिछले दो माह से रोजगार काफी चोपट हो गए थे, समाज में गरीब व्यक्ति जिनका छोटा रोजगार था, वह चोपट हो गया। इन गरीबों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एक नई पहल की है। इस पहल में इन गरीबों को स्वरोजगार चलाने के लिए 50 हजार रुपये तक का ऋण कम ब्याज पर बैंकों द्वारा दिलाया जाएगा। वहीं ऐसे गरीब व्यक्ति जो रेहड़ी व फड़ी लगाकर अपने परिवार का गुजारा कर रहे है, उन गरीबों के लिए भी सरकार ने 15 हजार रूपये बैंक की डीआरए स्कीम के तहत ऋण मुहैया करवाने का निर्णय लिया है।

उपायुक्त ने पिपली रोड पर चल रहे अवैध निर्माण का किया औचक निरीक्षण

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने कहा कि रिहायशी और कर्मिशियल क्षेत्र में अवैध निर्माण कार्य करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस जिले में किसी को भी अवैध निर्माण कार्य नहीं करने दिया जाएगा। जो भी व्यक्ति आदेशों की उल्लघंना करेगा, उसके खिलाफ नियमानुसार एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। वे वीरवार को पिपली रोड़ पर चल रहे अवैध निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण करने के उपरांत अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने मिली सूचना के आधार पर पिपली रोड़ पर स्थिति कलेर पेट्रोल पम्प के पीछे रतगल गांव की जगह पर 12 कैनाल और उसके साथ लगती जमीन पर अवैध रुप से काटे जा रहे प्लांटों और अवैध निर्माण कार्यों की जांच की, इतना ही नहीं उपायुक्त ने अवैध निर्माण कार्यों को मौके पर ही रोकने के आदेश दिए और डीटीपी को नियमानुसार तुरंत कार्रवाई के निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि जहां तहसील कार्यालय में अब बिना नप कार्यालय की एनओसी के रजिस्टरी नहीं होगी, वहीं शहर में किसी तरह का भी रिहायशी और कर्मिशियल अवैध निर्माण कार्य नहीं करने दिया जाएगा। इसके लिए डीटीपी के अधिकारी और नप अधिकारी अपने विभाग द्वारा निर्धारित सीमाओं के अंदर तुरंत कार्रवाई करना सुनिश्चित करे और नियमित रुप से शहर का विजिट करे ताकि अवैध निर्माण कार्यों को रुकवाया जा सके। इस मामले में जो भी अधिकारी लापरवाही बरतेगा, उसके खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

युवाओं के प्रेरणा स्रोत थे राजीव गांधी : जैन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

भारत रत्न राजीव गांधी की 39 पुण्यतिथि के अवसर पर हरियाणा कांग्रेस के चंडीगढ़ स्थित मुख्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन करके पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

सोशल डिस्टेंसिंग के अनुसार आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रोहित जैन ने कहा कि देश के युवाओं के प्रेरणास्रोत राजीव गांधी ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। जैन ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के जनक देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने की उत्कट अभिलाषा से राजीव गांधी को वह गौरव हासिल हुआ जिसकी परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को देश के निर्माण में पूर्ण रूप से भागेदारी देने के लिए मतदान की आयु को 21 वर्ष से कम करके 18 वर्ष किया गया। जैन ने बताया कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैजला के निर्देशों पर गुरुवार को पार्टी के सभी जिला मुख्यालयों व अन्य स्थानों पर कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रमों का आयोजन किया। कांग्रेस मीडिया संयोजक निलय सैनी, बालमुकंद शर्मा, कार्यालय प्रभारी नीरज कुमार, तलविंदर सिंह समेत कई नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि भेंट की।

राजीव गांधी को अर्पित किए श्रद्धासुमन

कुरुक्षेत्र हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन गर्ग ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित और नमन किया। ब्लॉक समिति मैंबर ममता शर्मा व कांग्रेसी नेता सतपाल शर्मा ने निकटवर्ती गांव ज्योतिसर में पूर्व प्रधानमंत्री को नमन किया, जबकि अंकित गुप्ता एडवोकेट ने साथियों सहित नई अनाजमंडी कार्यालय में स्व. राजीव गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पुण्यतिथि पर गर्ग ने देश में फैली हुई कोरोना रूपी भयंकर वैश्विक महामारी में सेवा कर रहे सेक्टर-13 में सफाई कर्मी प्रधान गोल्डी सहित 5 पुरुष कर्मचारियों और 2 महिला कर्मचारियों तथा टिप्पर चालकों को सम्मानित किया।

बीपीएस मेडिकल कॉलेज की तीन नर्सों की रिपोर्ट आई कोरोना पॉजिटिव

सोनीपत। गुरुवार को बीपीएस मेडिकल कॉलेज खानपुर कलां की तीन नर्सों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। तीन नये मामलों के साथ सोनीपत जिला में कोविड-19 के मामलों का आंकड़ा बढ़कर 150 पर पहुंच गया है। उपायुक्त श्यामलाल पूनिया ने यह जानकारी जिला स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर दी। उपायुक्त पूनिया ने कहा कि सोनीपत में एक बार फिर से कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि बीपीएस मेडिकल कालेज खानपुर कलां की तीन नर्स कोरोना संक्रमित पाई गई है। इनमें एक नर्स कालूपुर की है। उन्होंने कहा कि सोनीपत में कोरोना वायरस के कुल मामले 150 हैं, जिनमें से 102 मरीजों ने रिकवरी भी कर ली है।

सरकार की अनदेखी के चलते विश्व प्रसिद्ध फल्गु तीर्थ खो रहा अपना महत्व

हर अमावस्या पर आते है हजारों तीर्थ यात्री

पायनियर समाचार सेवा। पूंडरी

फल्गु तीर्थ में घास काटते हुए ग्रामीण।

आज अमावस्या पर जो तीर्थ यात्री या श्रद्धालु फल्गु तीर्थ पर आएंगे वे सरकार व प्रशासन को ही कोसते जाएंगे। लॉकडाउन के चलते बेसक यात्री बाहर से न आएं, लेकिन गांव व आसपास के श्रद्धालु जरूर आएंगे।

तीर्थ का आलम ये है कि तीर्थ में पूरी तरह से सूखा पड़ा है, तीर्थ के एक कोने में पारटीशंन बनाकर कुछ पानी पहले का भरा हुआ है, जो पूरी तरह सड़ चुका है और बदबू मारती है। तीर्थ के बीच में सूखकर उसमें घास उग चुकी है, जिसमें आवारा पशु और ग्रामीण घास काटते नजर आते हैं। तीर्थ पर गंदगी फैली रहती है, घाटों के पत्थर टूट रहे हैं। देश-विदेश में लाखों लोगों की आस्था का केंद्र विश्व प्रसिद्ध फल्गु तीर्थ सरकार की उदासिनता के चलते अपनी धार्मिक महत्वता खोता जा रहा है। आज अमावस्या के दिन जो श्रद्धालु आएंगे उन्हें पानी न होने के कारण उदास होकर लौटना पड़ेगा।

ग्रामीण पूर्व सरपंच कुलदीप राणा, सुखबीर राणा, बजेंद्र सिंह, राजपाल, शिशपाल राणा, बबलू शर्मा, राजकुमार शर्मा, प्रदीप शर्मा, रोशन लाल व बृजेश कुमार ने बताया कि सरकार की बजाए ग्राम सरपंच भी कोई ध्यान नहीं दे रहा है, जबकि तीर्थ पर पानी के लिए ट्यूबवेल लगे हुए हैं, तब भी पानी नहीं भराया जा रहा है। तीर्थ के अंदर एक मूर्ति रखने के लिए फांडेशन तैयार की जा रही है, जिसका कार्य भी दो वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है, जो पंचायत द्वारा करवाया जाना है।

तीर्थ का पौराणिक महत्व

फरल में स्थित फल्गु तीर्थ का प्राचीन और पौराणिक इतिहास है। तीर्थ का उल्लेख वामन पुराण, गरुड़ पुराण व महाभारत के वन पर्व में भी आता है। बिहार में स्थित गया जी के बाद सबसे अधिक पींड दान करवाने का महत्व पूरे भारतवर्ष में फल्गु तीर्थ पर है। आश्वनि मास में श्राद्ध पक्ष में आने वाली सोमवती अमावस्या के मौके पर तीर्थ पर 16 श्राद्धों के दौरान काफी बड़ा मेला लगता है। जहां देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु भाग लेते है। गांव के बुजुर्ग बताते है कि तीर्थ पर खड़ा प्राचीन वट वृक्ष जो द्वापर युग पांडवों के समय का है इस बात का साक्षी है कि यहां पर युद्ध के बाद पांडव भी अपने पूर्वजों, सगे-संबंधियों की मुक्ति के लिए पिंडदान करवाने के लिए आये थे।

वट सावित्री अमावस्या व शनि जयंती आज मनाई जाएगी : शास्त्री

कुरुक्षेत्र। श्री भगवान नृसिंह परमार्थ ट्रस्ट व वैदिक ज्योतिष अनुसंधान केंद्र शाहाबाद के अध्यक्ष आचार्य लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री ने बताया कि 22 अप्रैल को ज्येष्ठ अमावस्य है। पुरणों में कहा गया है कि सूर्य के पुत्र शनि महाराज का जन्म भी इसी अमावस्या तिथि को हुआ था। इसी अमावस्या तिथि को सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राणा बचाए थे। इसलिए इस दिन सुहागन महिलाएं अपने सुहाब की लंबी उम्र के लिए वट सावित्री का व्रत भी रखती है।

उन्होंने बताया कि उत्तर भारत के प्रमुख त्योहार करवा चौथ की तर्ज पर 22 मई को वट सावित्री अमावस्या और शनि जयंती एक साथ मनाई जाएगी। यह एक 972 साल बाद दुर्लभ संयोग बन रहा है। बृष राशि मे चार ग्रह सूर्य, चंद्र, बुद्ध, शुक्र का इकट्ठा होना भारत की अर्थ व्यवस्था में सुधार, विश्व में भारत की प्रसिद्धि ओर विश्व गुरु की ओर अग्रसर के योग बन रहे हैं।

अब तक महेंद्रगढ़ जिले में 21 कोरोना पॉजिटिव

जिले में 14 कंटेनमेंट जोन घोषित

पायनियर समाचार सेवा। नारनौल

सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार ने बताया कि जिला में गुरुवार को कोरोना पॉजिटिव के 10 नए केस आए हैं। इन सभी को पटीकरा में बनाए गए कोविड-19 के स्पेशल वार्ड में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही अब तक जिला में कुल 21 कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।

गुरुवार को जिले के गांव बजाड गुजरवास महासर में 4 केस पाए गए हैं। ये सभी अटेली सीएचसी के नीचे आते हैं। इसके अलावा जिले के गांव बायल नांगल सोडा रावता की ढाणी भोजावास नंगल नुनिया खातोली जाट में 6 केस पाए गए हैं। यह सभी नांगल चौधरी सीएचसी के अंदर आते हैं। गत दिवस भी नारनौल शहर के किला रोड एक कोरोना पॉजिटिव पाया गया था।

इन सभी क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव के बाद जिला प्रशासन ने कंटेनमेंट जोन घोषित किया है तथा इसके आसपास के क्षेत्र को बफर जोन घोषित किया गया है। इस प्रकार जिले में अब कुल 14 कंटेनमेंट में बफर जोन घोषित किए गए हैं। इन सभी पर पुलिस ने नाके लगा दिए हैं। कंटेनमेंट जोन में किसी भी व्यक्ति के आने व जाने पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। अब जिला में कुल 21 कोरोना पोजिटिव मरीज है। इनमें से चार की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब जिले में कोविड-19 के 17 एक्टिव केस हैं। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के लिए अब तक जिले से 2563 सैंपल भेजे गए हैं। जिले में अब तक 8348 लोगों को उनके घरों में एकांतवास में रखा गया है।

सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में लोगों की स्क्रीनिंग के लिए 10 मोबाइल टीमें लगी हुई हैं। आज इन मोबइल टीम ने 761 लोगों की स्क्रीनिंग की है। इनमें से 621 मरीजों को सामान्य बीमारी मिली है। जिले में 21 मई तक 55580 नागरिकों की स्क्रीनिंग की गई है। इनमें से 32706 मरीजों में सामान्य बीमारी पाई गई है।

टूटा रिकॉर्ड- एक दिन में 571 कोरोना केस

राजधानी में संक्रमितों की संख्या लगभग 12 हजार, 194 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में लगातार तीसरे दिन 500 से अधिक कोरोना वायरस के मामले सामने आए हैं। गत 20 मई रात 12 बजे तक 571 नए केस सामने आए। एक दिन में कोरोना संक्रमण के मामलों का ये अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

इसके साथ राजधानी में मरीजों की संख्या 11 हजार 659 हो गई है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, दिल्ली में पिछले चौबीस घंटों में 375 मरीज ठीक भी हुए हैं।

अब तक कुल 5567 लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। इस दौरान एक भी मौत नहीं हुई है लेकिन डेथ समरी के आधार पर 18 मौतों को जोड़ा गया। जिसके बाद 194 लोगों की कोरोना से जान जा चुकी है। यहां कोरोना के एक्टिव 5898 मरीज है। इससे पहले, 20 मई को एक ही दिन में सर्वाधिक 534 नए मामले सामने आए थे। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार की ओर से लॉकडाउन 4.0 के तहत काफी छूट दी गई हैं। दिल्ली में लगातार बढ़ते कोरोना वायरस के मामले सरकार की चिंता को बढ़ा सकते हैं।बुधवार को नारायणा पुलिस स्टेशन के एसएचओ कोरोना संक्रमित पाए गए थे। दरअसल, उनका बेटा कुछ दिन पहले बीमार हुआ था।

टेस्ट में उनका बेटा कोरोना संक्रमित पाया गया। अब एसएचओ नारायणा का भी कोरोना टेस्ट कराया गया जिसमें वो संक्रमित पाए गए। अब तक 5 थानों के एसएचओ कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।

मरने वालों में 26 फीसदी से ज्यादा 50-59 साल के

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के कारण जान गंवाने वालों में से 26 प्रतिशत से अधिक लोग 50- 59 साल के थे। आधिकारिक आंकड़ों से यह पता चला है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में कोरोना वायरस से हुई मौत का आंकड़ा 194 तक पहुंच गया है। कुल मृतकों में से 92 मरीज 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के थे, जो कुल मृतकों का 52 प्रतिशत से अधिक है।

मंडोली जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट पॉजिटिव

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली की मंडोली जेल के उपाधीक्षक कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए हैं। जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, उपाधीक्षक 11 मई से छुट्टी पर थे क्योंकि उन्हें बुखार था। उन्होंने गंगा राम अस्पताल में कोविड-19 की खुद जांच कराई और बुधवार को उनकी रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई। उपाधीक्षक सराय रोहिल्ला में रहते हैं। उनके संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा रही है। इससे पहले, रोहिणी जेल के सहायक अधीक्षक को कोविड-19 से संक्रमित पाया गया था, जिसके कुछ दिन पहले जेल के 15 कैदियों और एक कर्मी को संक्रमित पाया गया था। इसके बाद से अधिकारी ज्यादा सतर्कता बरत रहे हैं।

दिल्ली सरकार सख्त : लगातार दो दिन ऑफिस से गायब रहे तो मांगेगी जवाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना के साथ काम करने को लेकर दिल्ली सरकार सख्त हो गई है। लगातार दो दिन कार्यालीय से गैरहाजिर रहने वाले कर्मचारियों को स्पष्टीकरण देना होगा। केजरीवाल सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने उन कर्मचारियों से लिखित जवाब मांगने का फैसला लिया है जो लगातार दो दिन कार्यालय नहीं आएंगे।

उप सचिव प्रोमिला मित्रा ने एक आधिकारिक आदेश जारी किया जिसमें उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दिशानिर्देश के अनुसार सरकारी कार्यालयों को पूरी क्षमता के साथ काम करने की अनुमति है। मित्रा ने कहा कि जीएडी के सभी शाखा प्रमुखों को इसके मद्देनजर निर्देश दिया गया है कि कार्यालय में कर्मचारियों की रोजाना उपस्थिति का रिकॉर्ड रखें। विभाग ने बताया कि लगातार दो दिन कार्यालय नहीं आने वाले कर्मचारियों से जवाब मांगा जाना चाहिए। इस सप्ताह की शुरू में मुख्यमंत्री ने कहा था कि सरकारी और निजी कार्यालय पूरी क्षमता के साथ खोले जा सकते हैं। हालांकि उन्होंने कर्मचारियों को घर से ही काम करने की सलाह दी थी।

अभी जारी रहेगा शराब पर सेस

शराब के दाम अभी कम होने के आसार नहीं हैं। शराब पर 70 फीसदी कोरोना सेस वापस लेने के प्रस्ताव को दिल्ली कैबिनेट ने टाल दिया है। हालांकि इस सबंध में कोई औपचारिक अधिसूचना नहीं जारी की गई थी। लॉकडाउन 3 के दौरान शराब की बिक्री शुरू हुई थी।

गत 4 मई को शराब की दुकानों पर ऐसी भीड़ उमड़ी की सोशल डिस्टेंसिंग की खूब धज्जियां उड़ीं। पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ा। इसके बाद केजरीवाल सरकार ने 5 मई से शराब पर 70 फीसदी कोरोना सेस लगाने का फैसला किया।

शराब पर कोरोना चार्ज लगाए जाने के बाद भी ठेकों पर कई दिनों तक भीड़ देखी गई। इस बीच हाईकोर्ट ने शराब की दुकानों को बंद करने से इनकार कर दिया था।

ऑड-ईवन के आधार पर खुले ग्रेटर नोएडा के सभी बाजार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

वाणिज्य कर विभाग व व्यापार संगठनों से वार्ता के बाद बृहस्पतिवार से ग्रेटर नोएडा व देहात क्षेत्र के बाजार खुल गये। बाजार खुलते ही चहल पहल शुरू हो गई।

हालांकि ग्रेटर नोएडा शहर में बाजार व वाणिज्यिक प्रतिष्ठान एकांतर अल्टरनेट आधार पर खोले जाएंगे। सभी सेक्टरों के व्यापार संगठनों ने दुकानदारों के साथ मिलकर दुकानों पर एक व दो नम्बर डाले। जगत फार्म मार्केट में एक नम्बर की दुकानें सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को खुलेंगी। वहीं दो नम्बर वाली दुकानें मंगलवार, बृहस्पतिवार व शनिवार को ही खुलेंगी। रविवार को साप्ताहिक बंदी रहेगी। यह व्यवस्था 31 मई तक लागू होगी। यह जानकारी जगत फार्म के व्यापारी मुकुल गोयल ने दी है। उधर देहात क्षेत्र के दादरी, बिलासपुर, जहांगीरपुर, जेवर, दनकौर ग्रामीण क्षेत्रों की समस्त दुकानें प्रतिदिन खोली जाएगी।

उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष होंगी न्यायमूर्ति संगीता

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति संगीता धींगरा सहगल को दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निबटान आयोग का अध्यक्ष होंगी। आयोग की अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उन्होंने न्यायाधीश के पद से इस्तीफा दे दिया है। वह जल्द ही नया पदभार संभालेंगी।

न्यायमूर्ति जून में सेवानिवृत्त होने वाली थीं। कानून एवं न्याय मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार न्यायमूर्ति सहगल ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से त्याग पत्र दे दिया है। 28 जनवरी को जारी आदेश के अनुसार न्यायमूर्ति सहगल की नियुक्त पांच साल अथवा 67 वर्ष की आयु होने, इनमें से जो भी पहले हो, तक के लिए है।

'होटल, रेस्त्रां, स्विमिंग पूल' के लाइसेंस की वैधता बढ़ाएं

- उपराज्यपाल बैजल ने केजरीवाल को लिखा पत्र, पैनल गठित करने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने एवं कोविड-19 से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित राहत उपायों के मद्देनजर होटल, रेस्त्रां, स्विमिंग पूल समेत विभिन्न लाइसेंसों की वैधता स्वत: बढ़ाने का निर्देश दिया है।

साथ ही नई तकनीक का इस्तेमाल कर अधिकतम सार्वजनिक सेवाओं को ऑनलाईन किया करने को कहा ताकि लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़े।

एलजी ने दिल्ली विकास प्राधिकरण, तीनों नगर निगमों एवं दिल्ली सरकार को पत्र लिखकर यह बात कही। उपराज्यपाल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस कठिन समय में दिलली वालों की सहायता और कारोबार बढ़ाने के लिए समीक्षा एवं सुझाव तथा प्रवासी मजदूरों के हितों की रक्षा पर विशेष ध्यान देने के लिए एक समिति गठित करने को कहा। एलजी बैजल ने गृह विभाग को विभिन्न श्रेणियों के होटलों, रेस्टोरेंट, गेस्ट-हाउस, स्वीमिंग पूल आदि के लाइसेंस जिनकी अवधि 1.3.2020 के बाद समाप्त हो चुकी है के वित्तीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्वत: नवीनीकरण की संभावनाओं को तलाशने को कहा। डीडीए को नई नीतियों और प्रोत्साहनों के माध्यम से दिल्ली वालों के व्यवसाय और शहर के बुनियादी ढांचे में स्थायी संरचनात्मक सुधार लाने को भी कहा। साथ ही डीडीए को निवेश को आकर्षित करने और सेक्टोरल रिवाइवल पर ध्यान केंद्रित कर राजधानी में व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए योजना बनाने को कहा। एलजी ने डीडीए के उपाध्यक्ष से कहा कि कन्वेंस डीड, भूमि पट्टा, एनओसी, ले-आउट/कंप्लीसन प्लान आदि लंबित सभी प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा किया जाए। जनता में विश्वास के लिए, डीडीए की चल रही सभी और लंबित परियोजनाओं को जल्द पूरा किया जाए।

मजदूरों के पलायन से संकट में उद्योग : कैट

नई दिल्ली। बड़ी संख्या में मजदूरों के पलायन से व्यापार एवं उद्योग बड़े संकट में पड़ गया है। दुकानें एवं उद्योग खुलने के बाद भी कारोबार सुचारू रूप से हो नहीं चल पा रहा है।

कंफेडरशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने मजदूरों के पलायन के लिए केंद्र के साथ विभिन्न राज्य सरकारों को भी जिम्मेदार ठहराया है। कैट के नेताओं ने कहा है की अगर केंद्र और राज्य सरकारें शुरू में ही बातचीत कर इस मामले की गंभीरता को समझते तो मजदूरों का पलायन नहीं होता। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया व राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान खोले हैं किन्तु कारोबार आंशिक रूप शुरू हो पाया।

गौतमबुद्ध नगर में कोरोना की ट्रिपल सेंचुरी

- जिले में संक्रमण के 8 नए मामले सामने आए

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर जिले में गुरुवार को कोरोनावायरस से संक्रमित 9 लोग और सामने आए हैं। इसके बाद जिले में संक्रमित लोगों की संख्या 300 का आंकड़ा पार कर गई है। अब जिले में कुल संख्या 302 हो चुकी है।

नए मामलों में दो चीनी मोबाइल कंपनी ओप्पो के कर्मचारी भी शामिल हैं। सभी मरीजों को नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कोविड.19 अस्पतालों में भर्ती कर दिया गया है। गौतमबुद्ध नगर के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ सुनील दोहरे ने बताया कि गुरुवार को कोरोना वायरस से संक्रमित 9 लोग और घोषित किए गए हैं।

इनमें एक 36 वर्षीय पुरुष शामिल है, जो नोएडा के सेक्टर-81 का रहने वाला है। उसने एक प्राइवेट लैब में जांच करवाई थी, जो पॉजिटिव आई है। नोएडा फेस l2 में नगला गांव पॉजिटिव निकला। उसे नोएडा के सुपर स्पेशलिटी चाइल्ड पीजीआई में भर्ती कर दिया गया है।

डॉ सुनील दोहरे ने बताया कि नोएडा सेक्टर-11 झुंडपुरा गांव में एक सीनियर सिटीजन भी कोरोनावायरस से पॉजिटिव पाए गए हैं। ग्रेटर नोएडा में कासना कस्बे का रहने वाला एक 20 वर्षीय युवक कोरोना वायरस से संक्रमित हो गया है। सर्विलांस ऑफिसर ने बताया कि हबीबपुर गांव का रहने वाला एक युवक भी कोरोनावायरस से संक्रमित हो गया है।

मकान मालिक ने किराया नहीं देने पर की पिटाई

नोएडा। कोतवाली बीटा-2 क्षेत्र के सेक्टर अल्फा-2 में अगले महीने किराया देने की बात कहने पर मकान मालिक ने किरायेदार का सामान फेंककर मकान खाली कराने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी मारपीट करने लगे।

पुलिस के मुताबिक सेक्टर वंदना अपने परिवार के साथ रहती है। उसके पति देवेंद्र सिंह एक सिक्योरिटी कंपनी में नौकरी करते हैं। वंदना का कहना है कि मकान मालिक राकेश शर्मा को किराया दे दिया था और इस महीने का भी एक हजार रुपये एडवांस दे रखा था। इसके बावजूद पूरी रकम को लेकर मारपीट की गई।

नोएडा-दिल्ली के बीच बॉर्डर रहेंगे सील: पुलिस कमिश्नर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर के पुलिस कमिश्नर आलोक कुमार सिंह ने बयान जारी किया है कि नोएडा और दिल्ली के बीच की सीमाएं अभी सील ही रहेंगी।

बॉर्डर खोलने के बारे में सोशल मीडिया पर आ रही जानकारी ठीक नहीं है। दरअसल, गुरुवार की दोपहर नोएडा और दिल्ली के बीच बॉर्डर से पुलिस हटा ली गई थी। लोग सामान्य रूप से आवागमन कर रहे थे। नोएडा.दिल्ली बॉर्डर खोलने के बारे में नोएडा पुलिस के अधिकारियों ने भी पुष्टि की थी। लोकडाउन-4 के लिए गृह मंत्रालय की ओर से जारी निर्देशों में के तहत नोएडा और दिल्ली के बीच आवागमन निर्बाध रूप से किया जा सकता है।

जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने संक्रमण का हवाला देते हुए बॉर्डर को सील रखने का आदेश जारी किया था। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर मार्गदर्शन भी मांगा था। डीएम की ओर से यह पत्र भेजे हुए कई दिन व्यतीत हो चुके हैं। लेकिन अभी तक शासन स्तर से कोई मार्गदर्शन नहीं दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दते कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी व अन्य।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न राजीव गांधी की 29वीं पुण्यतिथि पर उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाकर उन्हें प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धाजंलि दी गई। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि राजीव गांधी भरत में कंप्यूटर, तकनीकी और संचार क्रांति के जनक थे। उनके आधुनिक दृष्टिकोण से ही भारत को प्रगति और विकास की राह मिली और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिले। गरीबों के कल्याण और उत्थान के लिए काम किया और उन्होंने देश की अखंडता और एकता के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। कुमार ने कहा कि लॉकडाउन के बाद से ही प्रदेश कांग्रेस राजधानी में 100 से ज्यादा कांग्रेस की रसोई चला रही है। जिन्हें आज पूर्व पीएम की पुण्यतिथि पर उन्हें समर्पित किया। लगभग 50 हजार गरीब और जरुरतमंद लोगां को रोजाना भोजन बांटा जा रहा है।

इग्नू ने शुरू किए कई ऑनलाइन कोर्स

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने लॉकडाउन के दौरान और उसके बाद छात्रों की सुविधा के लिए ऑनलाइन माध्यम से हिंदी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तथा गांधी एवं शांति अध्ययन, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी तथा अरबी भाषा कोर्स शुरू किया है। इग्नू के कुलपति प्रो नागेश्वर राव ने कहा उन्होंन पिछले कुछ समय में ऑनलाइन माध्यम से कई कोर्स शुरू किए हैं। गांधी एवं शांति विषय पर तीन आनलाइन कोर्स शुरू किए गए हैं जिनमें स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा पर्यटन अध्ययन में स्नातक, अरबी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स, सूचना प्रौद्योगिकी में सर्टिफिकेट कोर्स, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में सर्टिफिकेट कार्यक्रम भी शुरू किए हैं।

सोसायटियों में अखबार बांटने की मांगी अनुमति

गाजियाबाद। जिला गाजियाबाद समाचार पत्र वितरक संघ ने सोसाटियों में अखबार वितरण की अनुमति दिए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। संघ के अध्यक्ष बब्बर सिंह चौहान ने कहा कि लॉकडाउन में प्रशासन की अनुमति से सोसायटी व सेक्टरों में आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई की जा रही है। अखबार भी जरूरी सेवाओं के अंतगर्त आता है। लेकिन बहुत सारी सोसायटी के आरडब्ल्यूए अखबार वितरण की अनुमति नही दे रही है। सोसायटी में तीन से चार सौ की संख्या में फ्लैट हैं जहां एक घर में दो से तीन पेपर जाते हैं, लेकिन अब वितरण न होने से वितरकों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। वितरक संघ ने ज्ञापन के माध्यम से अनुमति देने की मांग की है।

लद्दाख का अधिकृत क्षेत्र विषय पर वेबिनार

नई दिल्ली। शहीद भगत सिंह (सांध्य) महाविद्यालय की एकेडमिक अफेयर्स कमेटी द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. के.सिन्हा कमेटी के संयोजक सौरभ दुबे के नेतृत्व में वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वीरेंद्र सिंह नेगी जी ने की। कार्यक्रम का विषय लद्दाख का अधिकृत क्षेत्र मुख्य वक्ता के रूप में आशुतोष भटनागर रहे जो वर्तमान में जम्मू कश्मीर स्टडी सेन्टर के निदेशक है। आशुतोष जी ने बताया की जम्मू कश्मीर व लद्दाख के एकीकरण में अस्सी वर्ष का समय लग गया।यह क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है,सोने की खानें ,पानी का विपुल भंडार है साथ ही दुनिया का सबसे बड़ा घास का मैदान यही है।दोनों ध्रुव गिलगिट बलतिस्तान के पास है। यह से मिडिल ईस्ट व यूरोप तक चालीस देशो से सीधा संपर्क हो सकता है।

कांग्रेसी नेता पंकज पूनिया के खिलाफ नोएडा में मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कांग्रेस के नेता पंकज पूनिया के खिलाफ नोएडा में भी एक मुकदमा दर्ज किया गया है। मीडिया सेल से मिली जानकारी के मुताबिक, नोएडा पुलिस कांग्रेस के नेता पंकज पुनिया को हरियाणा से लेकर आएगी।

गौरतलब है कि बुधवार को कांग्रेस के नेता पंकज पूनिया को हरियाणा में गिरफ्तार किया गया है। अब नोएडा में दर्ज मुकदमे के आधार पर नोएडा पुलिस ट्रांजिट करके लाएगी। कांग्रेस के नेता पंकज पूनिया ने बसों को लेकर चल रहे विवाद के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर आपत्तिजनक टिप्पणी ट्विटर पर की थी। कांग्रेस नेता पंकज पूनिया ने भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर अभद्र टिप्पणियां की थी।

पंकज पूनिया के ट्वीट के विरोध में ट्विटर पर सोमवार को दिन भर ट्रेंड चला था। कांग्रेस नेता पंकज पूनिया पर आपराधिक मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

कौशांबी बस अड्डे से खदेड़े गए प्रवासी मजदूर

गाजियाबाद। दिल्ली के आनंद विहार बस अड्डे से कई दर्जन मजदूरों ने रोडवेज के कौशांबी बस अड्डे में घुसने की कोशिश की। बाद में पुलिस और रोडवेज कर्मचारियों ने सख्ती से इन सब को वापस भेजा।

ऐसे में अब निकट भविष्य में दिल्ली के मजदूरों के गाजियाबाद में और बड़ी संख्या में घुसने की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में पुलिस के साथ अब रोडवेजकर्मी भी दिल्ली बोर्डर पर रात भर पहरा दे रहे हैं। लॉकडाउन चार को लेकर इस बार सरकार ने गाइडलाइन तो जारी की मगर राज्यों को अपने स्तर पर फैसला लेने के लिए भी फ्री कर दिया है।

अवैध तरीके से बिहार जा रहीं तीन बसें पकड़ी

पायनियर समाचा सेवा। नोएडा

पुलिस ने अवैध तरीके से बिहार जा रही बस को बुधवार रात सेक्टर-51 के पास पकड़ लिया। पुलिस ने चालक, परिचालक और एक अन्य को इस मामले में गिरफ्तार किया है।

इसके अलावा बस में सवार 54 यात्रियों को क्वॉरंटीन सेंटर भेज दिया है। बताया जा रहा है कि यह बस एक एआरटीओ के रिश्तेदार के भतीजे की है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि सेक्टर-49 पुलिस बुधवार देर रात सेक्टर-51 के पास जांच कर रही थी तभी वहां एक बस आई। बस में 54 सवारियां बैठी थीं। बस चालक बिहार जाने के लिए वैध पास दिखाने में असमर्थ रहा।

बस चालक राजेश तथा कंडक्टर संदीप से जब पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि यह बस बी के सोनी नामक व्यक्ति की है, जो सेक्टर-12,22 में ट्रैवल एजेंसी चलाता है। वह व्यक्ति प्रवासी मजदूरों से मोटी रकम लेकर उन्हें अवैध रूप से बिहार भेजता है। इसी बीच कार में सवार होकर वहां पहुंचे प्रिंस नामक व्यक्ति को भी पुलिस ने पकड़ लिया।

उसने पुलिस को बताया कि वह बस के साथ बिहार तक जा रहा था और सोनी ने उसे बस में डीजल डलवाने के लिए एक लाख रुपये दिए थे। पुलिस ने बस को अपने कब्जे में ले लिया है तथा आरोपियों के पास से एक लाख रुपये बरामद कर लिए। ट्रैवल एजेंसी के मालिक को एक एआरटीओ के रिश्ते का भतीजा बताया जा रहा है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

खुल गए दिल्ली के पार्क, लोधी गार्डन हुआ गुलजार

ओपन जिम और योग करने की इजाजत नहीं, मास्क पहनकर आने पर ही मिलेगा प्रवेश

लोधी गार्डन में सुबह की सैर करते लोग।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लंबे लॉकडाउन के बाद सुबह की सैर करने वाले लोगों के लिए एक अच्छी खबर आई है। नई गाइडलाइन में मिली छूट के बाद दिल्ली के सभी पार्क और गार्डन लोगों के लिए खोल दिए गए हैं। इसमें नेहरू पार्क, लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन भी शामिल है। हालांकि इसमें समय की पाबंदी भी लगाई गई है।

लोगों के घूमने, टहलने और दौड़ने के लिए सुबह 7:00 बजे से 10:00 बजे तक और शाम को 3:30 बजे से 6:30 बजे तक सभी पार्क और गार्डन खोले गए हैं। वहीं नए नियमों के अनुसार इन गार्डन और पार्कों में अभी ओपन जिम और योगा करने की इजाजत नहीं है। सथ ही लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग और सरकार की गाइडलाइन का पालन करना होगा।

इसके साथ ही पार्क या गार्डन में आने वाले लोगों के लिए मास्क अनिवार्य है। लॉकडाउन के चौथे चरण के दौरान दिल्लीवासियों को मिली यह बड़ी छूट में से एक है। गौरतलब है कि दिल्ली में रियायत के साथ ही सड़कों पर लोगों का सैलाब उमड़ चुका है। दुकानें खुलने लगी हैं। बाजार सजने लगे हैं. दफ्तर और फैक्ट्री जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है, लेकिन आर्थिक ट्रैक पर लाने की उन कोशिशों के बीच राजधानी में कोरोना अपनी रफ्तार का गियर भी बढ़ा दिया है।

कोरोना वॉरियर्स हैं देश की महिलाएं : प्रो. सुषमा यादव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन और स्त्री विषय पर हंसराज महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर कुमुद शर्मा ने महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा की विभिन्न घटनाओं का जिक्र किया। वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. सुषमा यादव (कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय) ने अपने विभिन्न अनुभवों से महिलाओं के साथ होने वाले बर्ताव को बहुत गहराई से प्रस्तुत किया। हंसराज महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो.रमा ने कहा कि यह समय है कि हम स्त्री की स्थिति को महसूस करें जो घर और बाहर की दुनिया की तमाम चुनौतियों का सामना कर रही है। उनका कहना था कि ऐसा पहली बार हुआ जब कामकाजी महिलाओं को अपने आपसे और अपनी किताबों से जुड़ने का खुलकर मौका मिला। ऐसे में पुरुष भी महिलाओं के साथ खड़े हों और उनका साथ दें। अंत में श्रोताओं ने प्रश्न भी किए जिनका उत्तर वक्ताओं ने दिया गया।

व्यक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार राजश्री राय ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन तथा संयोजन हंसराज कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. प्रभांशु ओझा तथा डॉ. महेन्द्र प्रजापति ने किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

कोरोना योद्धा स्टार्फ नर्स पूनम का अस्पताल में पुष्प वर्षा से स्वागत

क्वारंटाइन पीरियड पूरा कर ड्यूटी पर पहुंची तो सहकर्मियों ने किया सम्मान

कोरोना पॉजिटिव से नेगेटिव होने के बाद 7 दिन का मिला था होम क्वारंटाइन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्टाफ नर्स पूनम सहराय के प्रति उनके स्टाफ का यह नि:स्वार्थ प्रेम ही है कि कोरोना पॉजिटिव से नेगेटिव होने के बाद जब वह ड्यूटी पर पहुंची तो स्टाफ सदस्यों ने उनका पुष्पवर्षा करके स्वागत किया। स्वागत के साथ उन्हें गिफ्ट भी भेंट किए। पूनम के जीवन के यह अनमोल क्षण थे, जो कि उन्हें सदा याद रहेंगे। अपने इस स्वागत से वे भावुक भी हो गई।

गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल में स्टाफ नर्स पूनम सहराय यहां आइसोलेशन वार्ड में ड्यूटी करते हुए कोरोना पॉजिटिव हो गई थी। 29 अप्रैल को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी और उन्हें यहां के सेक्टर-9 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां पर 14 दिन तक उपचाराधीन रहने के बाद उन्हें 14 मई गुरुवार को ईएसआईसी से डिस्चार्ज होकर 7 दिन के लिए होम क्वारंटाइन किया गया था। गुरुवार को ही वे अपना होम क्वारंटाइन पूरा करके पूरे जोश के साथ अपनी ड्यूटी पर लौट आई। सुबह 07:30 बजे जब वे ड्यूटी पर पहुंची तो नर्सिंग स्टाफ मैट्रन सरला देवी, असिस्टेंट मैट्रन संतोष देवी, नर्सिंग सिस्टर कमलेश गहलोत, रितु मलिक, जपिंद्र, सरोज, प्रियंका, कमलेश नेहरा, मीनू, सुमित्रा, इंद्रा, बबीता, सीमा, निर्मल समेत अन्य स्टाफ ने तालियां बजाते हुए उन पर पुष्पवर्षा की। उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्हें गिफ्ट भेंट किए गए।

गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल में कोरोना योद्धा स्टाफ नर्स पूनम सहराय का स्वागत करती स्टाफ।

साथ ही अस्पताल की पीएमओ डा. दीपा सिंधू ने भी पूनम सहराय के स्वस्थ होने पर उन्हें शुभकामनाएं दी। अपने स्वागत से गदगद पूनम सहराय ने कहा कि जिस तरह से उनका यहां सभी स्टाफ मेंबर्स ने स्वागत किया है, उसे वे कभी नहीं भूलेंगी। स्टाफ का उनके प्रति यह स्नेह उन्हें हमेशा और भी बेहतर तालमेल के साथ काम करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी हुआ है, यह हमारा पार्ट ऑफ जॉब है।

किसी को भी ऐसी स्थिति में घबराना नहीं चाहिए। बेशक वे कोरोना पॉजिटिव हुई, लेकिन पूरी हिम्मत रखते हुए कोरोना से फाइट की। उन्होंने कहा कि हमारा यह प्रोफेशन सिर्फ एक जॉब नहीं है, बल्कि इंसानियत की सेवा का माध्यम है। वे पहले से कई गुणा अधिक जोश, जूनून के साथ काम को तवज्जो देंगी। उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों का इस भव्य स्वागत के लिए धन्यवाद किया। इससे पहले जब वे अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अशोक विहार फेज-3 स्थित घर पहुंची तो परिवार व पड़ोसियों ने भी पुष्पवर्षा करते हुए गिफ्ट भेंट करके स्वागत किया था।

संक्षिप्त समाचार

किसानों ने सरसों खरीद के लिए एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नूंह। गुरुवार को कई गावों के किसानों ने मिलकर फिरोजपुर झिरका के एसडीएम को मंडी से वापस की गई सरसों की खरीद के लिए एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें किसानों ने बताया कि सरसों की खरीद न होने पर वह बेहद परेशान हैं और कई बार शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन सरसों की खरीद नहीं हो पा रही है। किसानों ने ज्ञापन में बताया कि सरसों की पहली खरीद में प्रत्येक किसान से 40 क्विंटल सरसों खरीदी जानी थी। लेकिन कुछ किसानों की सरसों में नमी होने के कारण पूरी 40 क्विंटल सरसों की खरीद नहीं हो पाई और मंडी से किसानों को घर सुखाकर लाने की बात कहकर किसानों को वापस घर भेज दिया था। किसानों का आरोप है कि मंडी से घर ले जाए सरसों को एक महीने का समय बीत चुका है, लेकिन मंडी में उनकी सरसों को खरीदा नहीं जा रहा है, जिससे किसान बेहद परेशान हैं। ज्ञापन सौंपते समय साजिद हुसैन समाजसेवी पाठखोरी, सहाबुद्दीन, सरफू, जावेद, उमर मोहमद सहित कई गावों के किसान मौजूद रहे।

लोगों को कोरोना से बचने को सजगता अपनानी होगी

सोहना। सोहना के सामाजिक संगठन ने शहर में लोगों को कोरोना से जागरूक करने के लिए अभियान चलाया। अभियान को एसीपी सोहना ने शहर में रवाना किया। कोरोना काल में पिछले 50 दिनों से मानव सेवा में लगी शहर की सामाजिक संस्था के कार्यकर्ताओं ने लोगों को जागरूक करने का प्रण लिया है। संस्था ने शहर के शहीद भगतसिंह फव्वारा चौक से जागरूक अभियान शुरू किया। अभियान शुरू करने से पहले सोहना एसीपी सतेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रशासन ने कोरोना से बचाव का तरीका बताया। कहा कि लोगों को कोरोना से बचने के लिए स्वयं ही सजगता से रहना होगा। लोगों को कोरोना के साथ जीने के अलावा इससे सुरक्षित रहना होगा। संस्था के कार्यकर्ताओं ने शहर में दुकान-दुकान जाकर जागरूक किया। संस्था ने सिटी चौकी प्रभारी सुन्दर पाल सहित मौजूद पुलिस कर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए फूल देकर सम्मानित किया।

राजीव चौक व केएमपी पर राहगीरों को दिए जूते-चप्पल

गुरुग्राम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पटौदी से विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे सुधीर चौधरी और पूर्व पार्षद एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुलराज कटारिया ने नवकल्प फाउंडेशन के बैनर तले गुरुवार को यहां राजीव चौक, ताऊ देवीलाल स्टेडियम व केएमपी पर राहगिरों को जूते-चप्पल आवंटित किए। इसके अलावा उन्हें पानी, गुड़, चने भी दिए, ताकि वे रास्ते में खा सकें। कोई नंगे पांव था तो किसी के जूते, चप्पल टूटकर बिखरे हुए थे। जैसे ही उन्हें नए जूते-चप्पले मिले तो उनकी खुशी का ठिकाना ना रहा और बढ़ चले अपनी मंजिल की ओर। लॉकडाउन के बीच पलायन करके यूपी, बिहार व अन्य राज्यों के श्रमिकों का जाना अभी जारी है। चाहे सरकार उन्हें वाहन उपलब्ध कराया या न कराए, लेकिन वे घर जरूर जाएंगे। यहां से जा रहे श्रमिकों व उनके परिवारों को जब जूते-चप्पलें बांटी गई तो उनकी आंखें तक भर आई। पूर्व पार्षद कुलराज कटारिया ने कहा कि कोरोना काल में बहुत सी चीजों को बदल दिया है। इसमें हमारा रहन-सहन से लेकर हमारे काम करने का ढंग भी शामिल है। नवकल्प फाउंडेशन के उपाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल के मुताबिक संस्था ने हर उस व्यक्ति की सेवा करने का कार्य करने का प्रयास किया है। इस मौके पर यूथ कांग्रेस अध्यक्ष दुष्यंत यादव, हरियाणा यूथ कांग्रेस के सचिव संदीप सिंह झाड़सा, रणबीर कटारिया आदि मौजूद रहे।

गुरुग्राम में गुरुवार को आए 12 कोरोना पॉजिटिव केस

गुरुग्राम। जिला में गुरुवार को कोरोना के 12 नए केस पॉजिटिव पाए गए, वहीं 9 लोग ठीक होकर घर भेजे गए। अब तक यहां पर कुल पॉजिटिव केस 238 हो चुके हैं, जिनमें से 140 लोग ठीक हो गए हैं। गुरुवार को जो 12 केस पॉजिटिव आए हैं, उनमें 4 केस सेक्टर-10ए से, 2 केस जवाहर नगर से, 2 केस सेक्टर-7 कृष्णा कालोनी से, 2 केस डूंडाहेड़ा से, 1 केस सेक्टर-54 से और 1 केस चंद्रलोक से है। गुरुग्राम में लगातार बढ़ते केसों को लेकर प्रशासन में हड़कंप जरूर है, लेकिन यहां बाजार व अन्य व्यवसायिक गतिविधियों को शुरू कर दिया गया है।

मामली बात पर दो दर्जन लोगों ने दादा-पौते को पीटा

सोहना। सोहना के वार्ड-6 की अंबेडकर कॉलोनी में घर में बैठे युवक और उसके दादा पर लाठी, डंडे, लोहे की सरिया और तेजधारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में घायल हुए दादा-पौते नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। जहां से डॉक्टरों ने गुरुग्राम के लिए रेफर कर दिया। अंबेड़कर कॉलोनी निवासी प्रवीण कुमार पुत्र रणजीत ने बताया कि बुधवार शाम वह अपने घर पर था। तभी उसके घर में प्रदीप, रविन्द्र, राहुल, कमल, अमित, सुन्दर, रामचन्द्र, अजीत व विमल ने लाठी, डंडा, लोहे की सरिया और तेजधारदार हथियारों से उसके ऊपर बिना कुछ बताए हमला कर दिया। उसके बचाव में आये दादा को भी हमलावरों ने पीटा। जिससे उन्हें भी गंभीर चोटें आई।

पानी की किल्लत से परेशान महिलाओं ने फोड़े मटके

शिकायत करने के बाद भी नहीं हुआ समाधान

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिले के पुन्हाना उपमंडल अंतर्गत ऐंचवाड़ी गांव में पिछले कई महीने से पानी की किल्लत को लेकर करीब 40 घरों की आबादी वाले लोगों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि तपती धूप में रमजान के महीने में महिलाओं को पीने के लिए दूर दराज से सिर पर रखकर पानी लाना पड़ रहा है। जैसे-तैसे पीने के लिए तो महिलाएं पानी ला रही हैं, लेकिन पशुओं के लिए भारी परेशानी हो रही है। आरोप है कि जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से समस्या को लेकर कई बार शिकायत भी की गई है, लेकिन समस्या जस की तस बनी है।

मटका फोड़तीं महिलाएं।

तंग आकर जब कोई समाधान नहीं हुआ तो महिलाओं ने मटके फोड़कर विभाग व जिला प्रशासन के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए पानी की मांग की।

ग्रामीण जमशेद, खुर्शीदन, यूनुस, सहीदन, दीनू, आरिफ, जाकिर, रिसाल, जब्बार, लुकमान व भूदत्त शर्मा ने बताया कि उनके गांव में खारा पानी है, जिसे न तो व्यक्ति पी सकता और न पशु। ऐंचवाड़ी गांव में करीब 40 घरों की आबादी ऐसी है जिसमें बिल्कुल भी पानी नहीं है।

लोगों ने बताया कि कई साल पहले उनके गांव के लिए रैनीवेल परियोजना के तहत लाइन बिछाई गई थी, जिसके माध्यम से कुछ दिन तो पानी सही सलामत पहुंचा कुछ दिन बाद लोगों ने रास्ते में ही पाइप लाइन को कई जगह से तोड़ दिया और ऐंचवाड़ी गांव तक पानी पहुंचना बंद हो गया। आरोप है कि इस बारे में गांव के सरपंच से भी कई बार कहा गया है, लेकिन सरपंच जानबूझकर उनके साथ दोगला व्यवहार कर रहा है।

कैप्टन ने दी शहीद राजसिंह खटाना को श्रद्धांजलि दी

सोहना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कैप्टन अजय यादव ने दमदमा में शहीद राजसिंह खटाना को श्रद्धांजलि दी। गुरुवार को कैप्टन अजय यादव गांव दमदमा में कश्मीर के जिला डोडा में शहीद हुए लांस राजसिंह खटाना को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इस अवसर पर अजीत खटाना, सतबीर पहलवान, स्वराज खटाना व गांव के गणमान्य लोग मौजूद थे। कैप्टन यादव ने शहीद की फोटो पर पुष्प भेंट करने के बाद पीड़ित परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। इस असवर पर गांव की तरफ से सतबीर पहलवान ने स्थानीय मिडल स्कूल का दर्जा 12वीं तक कराने की मांग रखी। इसके साथ स्कूल का नाम शहीद के नाम रखे जाने की मांग की।

गुरुग्राम एडीसी का गनमैन व ड्राइवर कोरोना पॉजिटिव, एडीसी नेगेटिव

एडीसी कार्यालय में मचा हड़कंप

एडीसी कार्यालय के पूरे स्टाफ के लिए गए सेंपल

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम के एडीसी कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया, जब पता चला कि एडीसी का गनमैन व ड्राइवर कोरोना पॉजिटिव पाया गया। आनन-फानन पूरे कार्यालय को सेनिटाइज कराने के साथ पूरे स्टाफ के सेंपल लेकर जांच को भेजे गए हैं। सीएमओ डा. जेएस पूनिया ने गुरुवार को बताया कि कोरोना पॉजिटिव के यहां 238 केस हो गए हैं, जिनमें से 140 नेगेटिव होकर घर जा चुके हैं।

गुरुग्राम के एडीसी कार्यालय में नियमित तौर पर कर्मचारी आकर कार्य कर रहे थे। खुद एडीसी भी अपने कार्यालय में आकर काम निपटाते थे। गुरुवार को एडीसी के गनमैन, ड्राइवर की दो दिन पूर्व लिए गए सेंपल की रिपोर्ट आ गई। इस रिपोर्ट ने पूरे एडीसी कार्यालय में हड़कंप मचा दिया, क्योंकि दोनों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव था। सेंपल तो एडीसी पंवार के भी लिए गए थे, लेकिन उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। गनमैन व ड्राइवर की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर पूरे एडीसी कार्यालय में स्टाफ में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गई।

कुछ समय पूर्व तक अपने-अपने काम में लगे कर्मचारियों को वहां से निकलने की जल्दी हो गई। आनन-फानन में पूरे कार्यालय को सेनिटाइज करवाने का कार्य शुरू करने के साथ-साथ सभी कर्मचारियों के सेंपल भी लेने शुरू कर दिए गए। क्योंकि जिन तीन कर्मचारियों का कोरोना पॉजिटिव आया, वे एडीसी कार्यालय में कई स्टाफ सदस्यों से नियमित तौर पर मिलते रहते थे। सीएमओ डा. जेएस पूनिया ने इस बात की पुष्टि की कि एडीसी कार्यालय के दो कर्मचारियों के सेंपल पॉजिटिव आने के बाद सभी स्टाफ के सेंपल लेकर जांच को भेजे गए हैं। उन्होंने गनमैन, ड्राइवर को लेकर कहा कि ये दोनों कर्मचारी दिल्ली से आते-जाते थे। शुरुआती तौर पर कोरोना की यही वजह सामने आई है।

पंचायती भूमि से पेड़ काटने को लेकर ग्रामीणों में रोष

गुरुग्राम के खंड फर्रूखनगर के गांव खंडेवला में पंचायती जमीन से काटे गए पेड़।

फर्रूखनगर खंड के गांव खंडेवला का है मामला

फर्रूखनगर। गांव खण्डेवला में के दबंगों द्वारा पंचायती भूमि से काटे जा रहे पेड़ों और भूमि पर अवैध कब्जा करने का मामला गरमाने लगा है। शिकायत के बाद भी संबधित अधिकारी, पुलिस विभागीय अधिकारी मामले की जांच से दूरी बनाये हुए हैं। जिसके चलते ग्रामीणों में रोष है।

गांव खंडेवला निवासी धर्मबीर कौशिक ने बताया कि उनके गांव में दबंगों द्वारा ने केवल बीते दिनों में पंचायती भूमि कब्जे किए, बल्कि से बुधवार को एक व्यक्ति ने दो बड़ी कीकर के पेड़ काट लिए। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पंचायत विभाग फर्रूखनगर को व एसडीएम पटौदी को दी, लेकिन प्रशासन ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। अभी हाल ही में हेली मंडी रोड पर नहर के किनारे पर खड़ी हुई दो कीकर एक व्यक्ति ने काट ली और सबूत मिटाने के लिए उस पर मिट्टी डाल दी है। जब ग्रामीणों ने एसडीएम पटौदी व ब्लॉक पंचायती अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई तो अभी तक मौके पर कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। ना ही कोई प्रतिनिधि भेजकर ऐसा करने से रोका गया।

सोहना में सरसों की रिकॉर्ड खरीदारी मार्केट कमेटी हुई मालामाल

नरेश कुमार। सोहना

सोहना अनाज मंडी में इस बार सरसों की ऐतिहासिक आवक हुई है। सरसों की खरीदारी सोहना ब्लॉक में दो स्थानों पर हुई। सोहना और काशन गांव में अस्थाई रूप से बनाई गई मंडियों में 86,632 हजार क्विंटल आवक हुई है। जिससे सोहना मार्केट कमेटी विभाग को सब्जी, गेहूं और सरसों की खरीदारी से 50 लाख से भी अधिक रेवणु प्राप्त हुआ है।

कोरोना काल के दूसरे चारण में इस बार सरसों और गेहूं की सरकारी खरीद शुरू की गई थी। कोरोना महामारी से किसानों को सुरक्षित रखने, सब्जियों, गेहूं और सरसों की सरकारी खरीद कराना प्रशासनिक अधिकारियों के लिए एक चुनौती बन गई थी।

उपमंडलीय अधिकारी डॉ. चिनार ने अधिकारियों के साथ तालमेल बनाते हुए गेहूं और सरसों की सरकारी खरीद शुरू कराई थी। कोरोना काल में बनाई गई योजना में किसानों, पल्लेदार, आढ़ति और मजदूरों के स्वास्थ्य को देखते हुए गेहूं की सरकारी खरीद अनाज मंडी से बाहर कराई गई। जबकि मंडी परिसर में भी निर्धारित स्थानों पर गेहूं और सरसों की खरीद बिना किसी परेशानी के कराई।

सोहना अनाज मंडी में सरकारी खरीद के लिए आई हुई सरसों।

कमेटी की आय 50 लाख

मार्केट कमेटी के सचिव नरेश कुमार ने बताया कि लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस बार गेहूं और सरसों की सरकारी खरीद कराई गई। उन्होंने बताया कि सामाजिक दूरी बनाने के उद्देश्य से गेहूं की खरीद देवीलाल खेल स्टेडियम व सामान्य बस स्टैंड परिसर में करोई गई। सरसों की अधिक से अधिक खरीदारी के लिए सोहना, काशन गांव में अतिरिक्त मंडी बनाई गई। नरेश कुमार ने बताया कि कोरोना महामारी के बावजूद मार्केट कमेटी को सब्जी, गेहूं और सरसों की आवक से पहली बार 50 लाख रुपये से भी अधिक आय हुई है।

क्या कहना है एसडीएम

सोहना एसडीएम डॉ. चिनार ने बताया कि कर्मचारियों की एकजुटता से किसानों की फसलों की खरीदारी और किसानों को फसल सरकार के बेचने में पूरी मदद की है। उन्होंने कहा कि मार्केट कमेटी को छह वर्ष बाद इतना रेवणु की प्राप्ति है।

एनएसएस व रेडक्रॉस इकाइयों ने वीडियो कांफ्रेंस से ली शपथ

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव कार्यालय से प्राप्त दिशा निर्देशों का पालन करते हुए राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9 के एनएसएस एवं यूथ रेडक्रॉस इकाइयों द्वारा आतंकवाद विरोधी शपथ कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। 21 मई को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की नृशंस हत्या की दुखद स्मृति में प्रतिवर्ष आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है।

वेबेक्स मीट ऐप्प पर आयोजित इस वीडियो कांफ्रेंस की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सत्यमन्यु यादव ने की। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उन्होंने आतंकवाद से विश्व भर में पड़ने वाले बुरे प्रभावों के इतिहास को समझाया। भारत व अन्य देशों के विकास में बाधक और मानवता का शत्रु बताया। उन्होंने अहिंसा और सद्भाव के बारे में प्रकाश डाला और अपनी जीवन शैली का अंग बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों का कुशलक्षेम भी जाना और वैश्विक महामारी के समय आवश्यक सावधानियां बरतने और पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने पर भी बल दिया।

बच्चों में गंभीर कुपोषण के संकट से निपटना जरूरी : सीमैम एसोसिएशन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में बच्चों में सीवियर एक्यूट मैलन्यूट्रिशन यानी गंभीर कुपोषण के मामलों से निपटने के लिए देश में एक नए इंडस्ट्री ग्रुप, कम्युनिटी बेस्ड मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट मैलन्यूट्रिशन (सीमैम) एसोसिएशन ऑफ इंडिया का गठन किया है। एसोसिएशन का उद्देश्य कम्यूनिटी स्तर पर रेडी टू यूज थेराप्युटिक फूड (आरयूटीएफ) को प्रोत्साहित करते हुए गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को खतरे से बाहर निकालने की प्रक्रिया तेज करना है।

एसोसिएशन के मुताबिक, घर के खाने के साथ एक इमरजेंसी कदम के तौर पर चिकित्सकीय सप्लीमेंट देने से अस्पताल में भर्ती किए जाने वाले कुपोषित बच्चों की संख्या में अच्छी-खासी कमी लाई जा सकती है और 90 प्रतिशत गम्भीर रूप से कुपोषित बच्चों को समुदाय के स्तर पर ही ठीक किया जा सकता है।

यूनीसेफ और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कराए गए एक व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वे (2016-18) के मुताबिक, बच्चों में गंभीर रूप से कुपोषित के होने की आशंका 4.9 प्रतिशत है, यानी भारत में 5 साल से कम उम्र वर्ग हर 20 में से एक बच्चा गंभीर कुपोषण का शिकार है। संख्या के हिसाब से देखें तो 60 लाख से ज्यादा बच्चे गंभीर कुपोषण से प्रभावित हैं, जो संभवत: दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह अनुमान भी शायद कम ही है, क्योंकि इंडियन अकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुमान के हिसाब से ऐसे बच्चों की संख्या 80 लाख है।

भारत में आरयूटीएफ के प्रमुख विनिर्माता एवं निर्यातकों द्वारा गठित सीमैम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट अक्षत खंडेलवाल ने कहा, भारत ने कई मोर्चों पर शानदार प्रगति की है, लेकिन बच्चों में गंभीर कुपोषण की समस्या को दूर करने में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है। सीमैम एसोसिएशन का मानना है कि डब्ल्यूएचओ और यूनीसेफ के मानकों पर तैयार आरयूटीएफ का प्रयोग गंभीर कुपोषण के संकट से निपटने का सर्वाधिक प्रमाणित तरीका है। यूनीसेफ और डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, आरयूटीएफ छह महीने से पांच साल तक के बच्चों में गंभीर कुपोषण के इलाज के लिए बेहतर इमरजेंसी तरीका है। श्री खंडेलवाल ने कहा, पोषण अभियान सही दिशा में उठाया गया कदम है। कुपोषण रोकने के लिए हमें बच्चों तक पोषक भोजन पहुंचाना होगा।

बुजुर्ग, दिव्यांग और विधवा सलमा की फरियाद सुने सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिले के नगीना खंड के गांव इमाम नगर में सलमा नाम की एक दिव्यांग व विधवा महिला को पिछले कई महीने से डिपो होल्डर द्वारा राशन नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण बेसहारा महिला को परेशानी हो रही है। आरोप है कि डिपो होल्डर हर महीने उसे राशन कार्ड कटने का बहाना बना कर टाल देता है। बेसहारा महिला ने जिला प्रशासन से मुसीबत की घड़ी में राशन दिलाने और आर्थिक मदद की मांग की है, ताकि उसका गुजारा हो सके।

बुजुर्ग महिला सलमा निवासी इमाम नगर ने बताया कि वह दिवयांग है और कई साल पहले उसके पति का निधन हो गया था। बुजुर्ग और दिव्यांग होने के कारण वह न तो ठीक तरीके से चल फिर सकती है और न ही कोई ऐसा काम कर सकती कि जिससे उसका गुजारा हो सके। सलमा की मानें तो उसके पास राशन मिलने का ही एक ऐसा सहारा था, जिसके जरिए उसे अनाज मिल जाता था और वह अपने लिए दो वक्त की रोटी बना लेती थी, लेकिन कुछ दिन बाद उससे राशन मिलना भी बंद हो गया, ऐसे में अब सलमा के पास मदद का कोई जरिया नहीं बचा। बेसहारा सलमा ने जिला प्रशासन व सरकार से संकट के इस दौर में मदद की मांग की है, ताकि उसका गुजारा हो सके।

दिव्यांग सलमा।

कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ग्लोबल इनोवेटिव स्मार्टफोन ब्रांड विवो ने 9 मई को ग्रेटर नोएडा में स्थित अपने प्लांट में मैन्युफैक्चरिंग के काम को फिर से शुरू किया था। गौतमबुद्धनगर में अपने मौजूदा 3000 कर्मचारियों (कुल कार्यबल क्षमता का 30 प्रतिशत) की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्लांट में सभी निर्धारित एसओपी का पालन किया जा रहा है।

विवो कारखाने में कोई भी कर्मचारी कोविड पॉजिटिव नहीं पाया गया है। जिस कारखाने में काम चल रहा है उससे 15 किलोमीटर दूर नए विवो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की कंस्ट्रक्शन साइट पर, दो वर्कर्स का गलत परिक्षण कर लिया गया था। बहरहाल, आज आई लेटेस्ट लैब टेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों वर्कर्स को कोविड निगेटिव पाया गया है।

कंपनी में नियमित चिकित्सा जांच, सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों और आम क्षेत्रों (कॉमन एरियाज) में सीमित आवागमन के सख्त पालन से कारखाने के अंदर सुरक्षा और स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलती है। विवो इंडिया के डायरेक्टर- ब्रांड स्ट्रेटेजी निपुण मार्य ने कहा, हमारे कर्मचारियों और पार्टनर्स का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारे लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। विवो का कोई भी कर्मचारी आज तक कोविड पॉजिटिव नहीं पाया गया है। कंपनी सभी एहतियाती कदम उठा रही है और सभी सरकारी दिशानिदेर्शों का पालन कर रही है।

विवो ने अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट पर 30 प्रतिशत कार्यबल के साथ उत्पादन फ़िर से शुरू कर दिया है और अपने सभी एचओ कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, अपने ऑफ़्लाइन पार्टनर्स के व्यापार को सुचारु रखने के लिए, विवो एक इनोवेटिव लीड जनरेशन प्लेटफार्म का लाभ उठाकर देश भर में स्मार्टफोन की मांग को पूरा करेगा। इससे उपभोक्ताओं को अपने घर पर आराम से रिटेलर्स से जुड़ने में मदद मिलेगी।

कोरोना की दहशत: 4 महिलाओं समेत 5 पॉजिटिव, आंकड़ा 181

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। स्वास्थ्य विभाग ने पिछले 24 घंटों में पांच लोगों के पॉजिटिव होने की पुष्टि की है। जिसमें बुधवार देर रात तीन महिलाओं के अलावा बृहस्पतिवार की सुबह एक महिला और देर शाम एक दिल्ली के उद्योगपति को पॉजिटिव घोषित किया है। वहीं दो लोग स्वस्थ हो गए हैं। बृहस्पतिवार को डिस्चार्ज होने वाले दोनों लोगों में से एक होम आइसोलेशन में था, जबकि दूसरा व्यक्ति ईएसआइसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती था।

यह है पॉजिटिव

पांच नये मामलों में दो एक्सपोर्ट हाउस में काम करने वाली महिलाएं है, जबकि अन्य दो में से एक डबुआ सब्जी मंडी के आढ़ती की पत्नी और दूसरी वृद्धाश्रम में काम करने वाली एक महिला है। इसके अलावा ग्रीन फील्ड निवासी एक व्यक्ति के पॉजिटिव होने की पुष्टि विभाग द्वारा की गई है।

ऐसे आए सामने

बुधवार देर रात पॉजिटिव महिलाओं में भारत कॉलोनी में रहने वाली 35 और 48 वर्षीय महिलाएं एक एक्सपोर्ट हाउस में काम करती है। दोनों को कुछ दिनों से खांसी की शिकायत थी। दोनों ने 17 मई को सैंपल कराया, जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। वहीं पिछले दिनों डबुआ सब्जी मंडी में आढ़त का काम करने वाले एनआइटी एक निवासी पॉजिटिव आया था। अब उसकी 47 वर्षीय पत्नी भी बृहस्पतिवार को कोरोना पॉजिटिव पाई गई। इसके अलावा एनआइटी एक स्थित वृद्धाश्रम में काम करने वाली 45 वर्षीय महिला में कोरोना की पुष्टि हुई है। वहीं कंटेनमेंट जोन में शामिल ग्रीन फील्ड में रहने वाले 31 वर्षीय व्यापारी में कोरोना पाया गया है। वह व्यापार के सिलसिले में दिल्ली के संपर्क में आया हो। इस बारे में कहा जाता है। संभावना जताई जा रही है कि दिल्ली में किसी पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आया हो। इन सभी को ईएसआइसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है।

यह है आंकड़ा

नोडल अधिकारी डा. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 8766 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 2652 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 6108 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 8585 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 8510 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 7487 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 842 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 181 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 79 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा 4 पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 92 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक छह मरीजों की मौत हो चुकी है जिनमें कोरोना के साथ-साथ अन्य विभिन्न बीमारियां भी कारण रही।

जरूरतमंदों को दिया राशन

फरीदाबाद। कोरोना संकट के दौर में सहयोग फाउंडेशन के जरूरतमंदों के लिए मसीहा बन कर उभरी है। फाउंडेशन की ओर से सेक्टर-23 संजय कॉलोनी और एनआईटी पांच में जरूरतमंद लोगों को सूखा राशन बांटा गया। इस दौरान करीब 50 लोगों को राशन दिया। ऐसे में लोगों के चेहरों की खुशी देखते ही बन रही थी। सहयोग फाउंडेशन के सदस्य विपुल चौहान और अखिलेश चौहान ने बताया कि कोरोना वायरस के कारण लागू हुए लॉकडाउन में लोगों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इसकी वजह लोगों की कंपनियों से नौकरी छूट गई। उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। कंपनी की ओर से अप्रैल का वेतन नहीं दिया गया। ऐसे में किराए के मकान में रहना और घर खर्च चलाना लोगों के लिए भारी पड़ रहा है। मकान मालिक किराया छोड़ने को तैयार नहीं। जेब में खाने के लिए पैसे नहीं है। इस कारण उन्हें मजबूरीवश अपने घरों को वापस लौटना पड़ रहा है। फाउंडेशन की टीम को जब ऐसे जरूरतमंदों की जानकारी मिली तो वह मददगार बन कर उनके पास पहुंचे। टीम की ओर से सभी को एक-एक माह का सूखा राशन बांटा गया। इसमें आटा, दाल, चावल, नमक, मिर्च सहित अन्य मसाले और साबुन शामिल है। उन्होंने कहा कि टीम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों की सेवा करना है। वह सेवाभाव का कार्य आगे भी हमेशा जारी रखेंगे।

उप प्रबंधक हुआ पॉजिटिव, बैंक को किया सील

रिपोर्ट निगेटिव आने पर बैंक खोलने पर फैसला लिया जाएगा।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना पॉजिटिव सामने आने से नीलम चौक शुभम टावर के पास स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा को सील कर दिया गया है। बैंक तीन दिन तक बंद रहेगा। इस बीच बैंक को सैनिटाइज किया जाएगा। शाखा में तैनात सभी कर्मचारियों के कोविड टेस्ट करवाएं जा रहे है। रिपोर्ट निगेटिव आने पर बैंक खोलने पर फैसला लिया जाएगा। दिल्ली निवासी उपप्रबंधक के पॉजिटिव आने पर उसकी रिपोर्ट को दिल्ली भेजा गया है।

शुभम टावर के समीप स्थित एसबीआई की यह एसएमईसीसी शाखा है। इसमें बैंक के दो कार्यालय है। बेसमेंट में लघु उद्योगों को लोन संबंधी कार्य किया जाता है और ग्राउंड फ्लोर के कार्यालय में बड़े लोन संबंधी काम होता है। इन दोनों कार्यालयों में करीब 30 अधिकारी और कर्मचारी काम करते है। बैंक के एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को शाखा के उपप्रबंधक की कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

इससे बैंक परिसर में हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंच सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के कोविड-19 के टेस्ट करवाए। इसके बाद शाखा को सील कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि शाखा में तीन दिन सैनिटाइज किया जाएगा। इसके बाद स्वास्थ विभाग की मंजूरी के बाद काम शुरु किया जाएगा।

अधिकारी का कथन

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामभगत ने बताया कि बैंक में एक कोरोना का मरीज मिलने के बाद बैंक शाखा को सील कर दिया गया है। नगर निगम अधिकारियों को बैंक में लगातार सैनिटाइज करने की अपील की गई है। उन्होंने बताया कि पॉजिटिव पाया गया व्यक्ति दिल्ली का रहने वाला है, उसकी रिपोर्ट को दिल्ली भेज दिया था, वह फिलहाल दिल्ली में ही दाखिल है।

जरूरतमंदों को दिए जा रहे फूड पैकेट्स व खाद्य सामग्री

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान जिला प्रशासन की ओर से जरूरतमंद लोगों तक प्रतिदिन सुबह व सायं के समय फूड पैकेट्स व खाद्य सामग्री से मदद पहुंचाई जा रही है। प्रशासन का प्रयास है कि जिले में कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति भूखा न रहे। उपायुक्त ने बताया कि जिला में रेडक्रॉस सोसायटी विभिन्न सामाजिक संगठनों, गैर सरकारी संस्थाओं से तालमेल कर हर जरूरतमंद व्यक्ति तक खाना पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 33 लाख 77 हजार 30 लोगों को फूड पैकेट्स तथा 48 हजार 997 लोगों को साप्ताहिक सूखा राशन वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि अब तक 32 लाख 55 हजार 527 फूड पैकेट्स विभिन्न एनजीओ तथा 1 लाख 21 हजार 500 पैकेट्स सरकार द्वारा तैयार करवाए गए हैं, जिनका वितरण गत दिनों शहर के सभी वार्डों में जरूरतमंद लोगों तक किया गया।

लापरवाही : बीमार और गर्भवतियों से भी कराया जा रहा सर्वे

41 डिग्री तापमान में सर्वे करने वालों का हुआ बुरा हाल

गर्भवती, बीमार व्यक्ति भी कर रहे आईएलआई सर्वे

कविता। फरीदाबाद

कोरोना के बढ़ते मरीजों को देखते हुए शहरी इलाके में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्वे करवाया जा रहा है। गर्भवती और बीमारियों से पीड़ित कर्मचारियों से सर्वे कराने की मनाही है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग इन लोगों को भी सर्वे करने भेज रहे है। इनकार करने पर वेतन काटने की धमकी दी जा रही है। मजबूरी में यह लोग 41 डिग्री के बीच सर्वे कर रहे है। गर्मी में सर्वे करते समय बृहस्पतिवार को एक अध्यापक बीमार हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

गर्भवती से कराया सर्वे

भीषण गर्मी में स्वास्थ्य खराब होने पर अस्पताल में दाखिल सर्वे कर रहा अध्यापक

एक कालोनी मे सर्वे कर रही गर्भवती आशा वर्कर ने अपना नाम न बताने की शर्त पर बताया कि स्वास्थ्य केन्द्र के इंचार्ज द्वारा ऐसी हालत में भी सर्वे करने के लिए कहा जा रहा है। इनकार करने पर काम न करने का नोटिस जारी कर देते है। वेतन काटने की धमकी भी दी जा रही है।

बिगड़ गया स्वास्थ्य

सारन स्कूल में तैना तिगांव निवासी अध्यापक हरविंद्र सिंह लॉकडाउन में 8 अप्रैल से सर्वे ड्यूटी कर रहे हैं। अब उनकी 18 से 22 मई तक सेक्टर-30 में सर्वे की ड्यूटी लगी हुई थी। बृहस्पतिवार को सर्वे के दौरान भीषण गर्मी में उनका स्वास्थ्य खराब हो गया। उनके साथ सर्वे कर रहे अन्य अध्यापकों ने हरविंद्र सिंह को एक निजी अस्पताल पहुंचाया। प्राइमरी टीचर एसोसिएशन के प्रधान चतर सिंह का कहना है कि कुछ टीचर लगातार ड्यूटी दे रहे हैं, जिससे वे अपने स्वास्थ्य की देखभाल नहीं कर पा रहे हैं।

प्रधान खुद बीमार

आशा वर्करों की प्रधान हेमलता ने बताया कि गत बुधवार को उनकी तबीयत खराब हो गई थी। बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल में जांच कराई गई, तो 101.9 डिग्री बुखार था। बुखार होने पर रैपिड जांच किट से रिपोर्ट नेगेटिव बताई, बुखार की दवा देकर लौटा दिया। ऐसी हालत में बृहस्पतिवार को सर्वे का कार्य सौंप दिया। उन्होंने इंचार्ज को बोला, तो दवा देकर घर भेज दिया और शुक्रवार को भी सर्वे को कहा है।

प्रधान का कथन

हेमलता का कहना है कि गर्भवती और बीमार व्यक्तियों से सर्वे करवाने की मनाही है, लेकिन स्वास्थ्य कर्मी उनकी जान से खिलवाड़ करने पर तुला है। परेशानी बताने पर प्रभारी कोविड-19 ड्यूटी में लापरवाही करने का नोटिस जारी कर देते हैं। ऐसे में आशा वर्करों की छवि खराब की जा रही है।

नहीं मिली तनख्वाह

हेमलता का कहना है कि आशा वर्करों से लगातार काम करवाया जा रहा है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक मार्च माह का वेतन नहीं दिया है। ऐसे में खर्चा चलाना मुश्किल हो गया है, ऊपर से बीमारी में उन्हें बाहर से दवाईयां खरीदनी पड़ रही है। आशा वर्कर जान जोखिम में डालकर काम करने को मजबूर है।

संक्षिप्त समाचार

मंडियों में गेहूं की हुई खरीद

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिले की अनाज मंडियों में गेहूं की बिक्री तथा उठान का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला के खरीद केंद्रों पर बृहस्पतिवार को दोपहर तक 400 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई, जबकि अब तक कुल 10 लाख 50 हजार 185 क्विंटल 50 किलो ग्राम गेहूं की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि बल्लभगढ़ अनाजमंडी में आज 400 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई है। अब तक इस मण्डी कुल 2 लाख 45 हजार 444 क्विंटल गेहूं की खरीद हुई है। इसी प्रकार तिगांव मंडी में अब तक कुल 1 लाख 21 हजार 266 क्विंटल गेहूं खरीदा गया है। एनआईटी, डबुआ मंडी में अब तक कुल एक हजार 719 क्विंटल 50 किलोग्राम गेहूं की खरीद की जा चुकी है। इसी प्रकार सेक्टर-16 मण्डी में अब तक कुल 39 हजार 521 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने आगे बताया कि मोहना मंडी में अब तक कुल 5 लाख 74 हजार 809 क्विंटल गेहूं की खरीद हुई है। फतेहपुर बिलौच में अब तक कुल 65 हजार 751 क्विंटल गेहूं की खरीद हुई है। इसी प्रकार अटाली मंडी में अब तक कुल एक हजार 675 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। उपायुक्त ने बताया कि खरीद एजेन्सियों के द्वारा गेहूं मण्डियो से उठान कार्य भी निरंतर किया जा रहा है।

मामूली विवाद में युवक ने की ताऊ की हत्या

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के गांव दयालपुर खेड़ा में बीती रात मामूली विवाद को लेकर एक युवक ने सुआं घोंपकर अपने ताऊ की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है। थाना सदर में दर्ज मामले के मुताबिक गांव दयालपुर खेड़ा निवासी राहुल किसी पारिवारिक विवाद को लेकर अपने पिता लीलू हुड्डा के साथ झगड़ा कर रहा था। झगड़े के दौरान विवाद ज्यादा बढ़ जाने पर पड़ोस में रहने वाला लीलू हुड्डा का बड़ा भाई 50 वर्षीय सुंदर सिंह उनके घर पर आ गया। सुंदर सिंह ने राहुल का डांट फटकार लगाते हुए शांत रहने के लिए कहा। जिस पर राहुल ने गुस्से में आकर अपने ताऊ सुंदर के साथ गाली गलौच शुरू कर दी। उसने सुंदर सिंह से अपने घर जाने के लिए कहा। इस पर काफी देर तक राहुल और सुंदर के बीच बहसबाजी होती रही। आरोप है कि जिस पर गुस्साए राहुल ने ताऊ सुंदर पर रॉड से वार कर दिया। रॉड मारने के बाद वह घर के अंदर जाकर सुंआ ले आया और सुंदर के पेट पर वार कर दिए। जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं पर गिर पड़ा। परिवार के लोग सुंदर को लेकर अस्पताल पहुंचे। जांच के बाद डॉक्टरों ने सुंदर को मृत घोषित कर दिया। शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

राहत: जल्द ही आएंगी थैलासीमिया की दवा

फरीदाबाद। कोरोना महामारी की वजह से हर तरफ से केवल बुरी और तकलीफ देने वाली खबरें ही सुनाई दे रही हैं। लेकिन थैलासिमिया ग्रस्त बच्चों को एक बहुत अच्छी और दिल को सुकून देने वाली खबर यह है कि कई वर्षों के लंबे इन्तेजार के बाद थैलासिमिया के ईलाज के लिये एक दवाई जल्द ही बाजार में आ रही है। इस दवा के आने से रक्त चढ़ाने की जो अवधि है वह बढ़ जायेगा। बच्चों को जल्दी जल्दी रक्त चढ़ाने की जरूरत नहीं होगी। विश्व की एक बहुत बड़ी दवा कंपनी एकलेरोन को थैलासिमिया की दवाई रिब्लोजेल बनाने की मंजूरी मिल गयी है। जल्द ही ये दवा विदेशों में उपलब्ध होगी। एक बार दवा बननी शुरू होगी तो फाउंडेशन अगेंस्ट थैलासीमिया संस्था, विदेश की थैलासीमिया संस्थाओं से जानकारी लेकर इस दवा को भारत में लाने के लिये सरकार से निरंतर संपर्क करेगी और इस दवा को जल्द से जल्द भारत में लाने की कोशिशें में लग जायेगी। संस्था के प्रधान रवींद्र डुडेजा ने कहा की अगर विदेश से भी दवा मंगवानी पड़ी तो संस्था पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि दूसरा सुखद समाचार यह था कि पिछले दिनों एक बिहार का थैलासीमिया ग्रस्त बच्चा जो दिल्ली चेकअप करवाने आया हुआ था। लॉकडाउन के चलते दिल्ली में फंस गया था। उसको न तो रक्त मिल रहा था न ही कुछ खानेपीने की व्यवस्था थी। जिसके लिए बच्चे को दिल्ली से बुलाके फरीदाबाद में रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद सेंट्रल के सहयोग से रक्त चढ़वाया गया। वह परिवार सहित अपने शहर अररिया बिहार कुशल पूर्वक पहुंच गए है। फाउंडेशन अगेंस्ट थैलासीमिया के महासचिव रविंद्र डुडेजा ने बताया की उस बच्चे के लिए जल्दी ही नेपाल जो उनके गांव के नज़दीक पड़ता है वहा रक्त चढ़ाने की व्यवस्था की जाएगी या फिर पटना में।

सरकारी कार्यालयों में मनाया आतंकवाद विरोधी दिवस

फरीदाबाद। सरकार के निर्देशानुसार बृहस्पतिवार को 'आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाया गया तथा जिला के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ आतंक से लड़ने की शपथ ली गई। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार सभी कार्यालयों को 'आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाने के निर्देश दिए गए थे। जिला के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में वीरवार को शपथ समारोह आयोजित किए गए। कोविड-19 वैश्विक महामारी के चलते संबंधित शाखाओं व कार्यालयों में अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा आतंकवाद विरोधी प्रतिज्ञा ली गई। राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से सावधान रहने के साथ-साथ शांति व सदभाव के उद्देश्य के लिए यह दिवस मनाया जाता है। आतंकवाद विरोधी दिवस पर शपथ ली गई कि हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा व सहनशीलता की परंपरा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद मानव व किसी भी राष्ट्र के लिए घातक है, युवाओं को आतंकवाद और हिंसा से दूर रखने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाता है। सिविल सर्जन की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, आबकारी एवं कराधान विभाग, जिला रेडक्रास सोसायटी सहित अन्य विभागों में आतंकवाद विरोधी शपथ ली गई। इसके अतिरिक्त उपमंडल, खण्ड व तहसील स्तर पर आतंकवाद विरोधी शपथ ली गई।

जिला प्रशासन ने बिहार के लिए रवाना की चौथी ट्रेन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बिहार के लिए चौथी ट्रेन बृहस्पतिवार देर शाम फरीदाबाद रेलवे स्टेशन से 1400 मजदूरों को लेकर रवाना हुई। जिसे एसडीएम अमित कुमार, एसीपी अभिमन्यु समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने ट्रेन को रवाना किया। श्रमिकों ने अधिकारियों का आभार जताया।

अब तक चली चार ट्रेन

कोरोना महामारी ने मजदूरों का शहर में रहना मुश्किल कर दिया है। लॉकडाउन के कारण उनके खाने के लाले पड़ गए। जिस कारण उन्होंने घरों को लौटना ही बेहतर समझा। इन मजदूरों को पैदल लौटता देखकर जिला प्रशासन के द्वारा उन्हें भेजने की तैयारी की है, जिसके कारण प्रशासन ने 12 मई को फरीदाबाद स्टेशन से मध्यप्रदेश के लिए ट्रेन भेजी थी। इसके बाद 15 मई को बिहार के कटिहार और बरौनी के लिए गई थी।

तीसरी ट्रेन बुधवार को भागलपुर बिहार के लिए भेजी गई थी, जिसमें करीब 1400 श्रमिक सवार थे। बृहस्पतिवार को चौथी ट्रेन बिहार के बरौनी शहर के लिए गई। इसमें भी 1400 श्रमिक थे।

पहले दे दी जानकारी

मजदूरों को बुधवार को जानकारी दे दी गई थी और उनको बसों द्वारा शेल्टर होम में ठहराया गया था, जहां उन सभी श्रमिकों की थर्मल स्क्रीनिंग की गई। इसके अलावा सभी के फार्म भरे गए। जिला प्रशासन की ओर से इन सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। प्रवासी मजदूरों को दोपहर के वक्त ही रोडवेज और प्राइवेट बसों से रेलवे स्टेशन ले जाया गया।

अज्ञात युवक की गला रेत कर हत्या

फरीदाबाद। सेक्टर दो स्थित पानी की टैंकी के पास अज्ञात लोगों ने तेज धारदार हथियार से एक युवक की गला रेत कर हत्या कर दी। मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव पहचान और पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया है। थाना शहर पुलिस के मुताबिक बृहस्पतिवार दोपहर बाद किसी ने सूचना दी कि सेक्टर-2 स्थित पानी की टंकी के पास एक युवक मृत हालत में पड़ा हुआ है। उसकी गर्दन से खून निकल रहा है। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। जहां पर पुलिस ने देखा कि युवक की गर्दन से भी खून बह रहा था। पुलिस ने आसपास के लोगों से उसकी पहचान कराई। मगर किसी ने उसकी शिनाख्त नहीं की। शिनाख्त के लिए मृतक की जेबों की तलाशी भी ली गई, लेकिन पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिल सका। माना जा रहा है कि युवक की गर्दन तेजधार हथियार से रेतकर उसकी हत्या की गई।

सफाई कर्मचारी यूनियन ने बीडीपीओं को सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन ने अपनी मांगों के समर्थन में आज बृहस्पतिवार को बीडीपीओ फरीदाबाद के कार्यालय पर एकत्रित होकर विरोध सभा आयोजित की। इसकी अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान फरीदाबाद राजू ने की। इस मौके पर राज्य प्रधान देवी राम सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल, स्टेट कैशियर, मनोज कुमार, जिला प्रधान दिनेश पाली विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके बाद पांच पदाधिकारियों के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल खंड विकास व पंचायत विकास अधिकारी से मिला। उनको प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के नाम 6 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। राज्य प्रधान देवी राम ने कहा कि हरियाणा ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन की ओर से पहले भी कई बार हरियाणा सरकार

को पत्र लिखा गया है। परंतु सरकार ने मांगो की ओर ध्यान नहीं दिया। देवी राम और मनोज कुमार ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान हरियाणा का ग्रामीण सफाई कर्मचारी अपनी जान को जोखिम में डालकर सफाई के काम को कर रहा है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी ने सफाई के काम के महत्व को उजागर किया है। सफाई का कार्य निरंतरता में होने वाला काम है। इसलिए इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए सभी ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से काम में लगाया जाना चाहिए। क्योंकि कार्य स्थाई है इसलिए इस काम को करने के लिए अस्थाई कर्मचारी नहीं होनी चाहिए।यूनियन की प्रमुख मांगों में सभी ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को 50 लाख का बीमा योजना का लाभ दिया जाय। सभी ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को 4000 रुपये जोखिम भत्ता दिया जाए। सभी ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण दिये जायें।

जिले के कांग्रेसियों ने मनाई राजीव गांधी की पुण्यतिथि

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि लॉकडाउन में सोशल डिस्टेंस के साथ श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कांग्रेसियों ने ओल्ड फरीदाबाद चौक स्थित राजीव गांधी की प्रतिमा को गंगाजल से साफ कर माल्यार्पण किया। इस मौके पर फरीदाबाद विधानसभा के पूर्व विधायक आनंद कौशिक, तिगांव विधानसभा के पूर्व विधायक ललित नागर, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के महासचिव बलजीत कौशिक, ओबीसी के पूर्व चैयरमेन अब्दुल गफ्फार कुरेशी, पूर्व पार्षद अनिल शर्मा,पूर्व पार्षद योगेश ढींगरा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राकेश भड़ाना, डॉक्टर सौरभ शर्मा जिला अध्यक्ष प्रोफेशनल कांग्रेस, एडवोकेट विनोद कौशिक,गौरव ढींगरा,रविंद्र वशिष्ठ, सुशांत गुप्ता, डॉक्टर सतीश, कर्मवीर खटाना, राजू शर्मा, दीपक भारद्वाज, करण शर्मा, मेहर चंद पराशर, महेंद्र यादव, अश्वनी कौशिक, नितिन वर्मा ने सभी ने राजीव गांधी को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर डॉ सौरव शर्मा ने लोगों को प्रति रोधक क्षमता बढ़ाने के लिए होमियोपैथी दवाई व खाना बांटा।

पूर्व विधायक आनंद कौशिक ने कहा कि मरहूम राजीव गांधी एक ऐसी शख्सियत थे, जिन्होंने ज़मीन पर ही नहीं, बल्कि दिलों पर भी हुकूमत की। वे भले ही आज इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन हमारे दिलों में आज भी ज़िंदा हैं। कौशिक ने कहा कि वे देश की कम्प्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं। पूर्व विधायक ललित नागर ने कहाकि 40 साल की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले राजीव गांधी देश के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री थे और दुनिया के उन युवा राजनेताओं में से एक हैं, जिन्होंने सरकार की अगुवाई की है। बलजीत कौशिक ने कहाकि स्व. राजीव गांधी के अनुभव को बांटते हुए कहा कि वह स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ 5 सालों तक राजनीति में रहे थे, वो बहुत ही नेक और मिलनसार व्यक्ति थे। साधारण कार्यकर्ता से भी राजीव सच्चे दिल से मिलते थे।

कांग्रेसियों ने दी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि

फरीदाबाद। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 29 वीं पुण्यतिथि पर जिले भर के कांग्रेसियों ने एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग के साथ किया गया। यह कार्यक्रम ओल्ड फरीदाबाद चौक के राजीव गांधी पार्क में लगी राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए कांग्रेसियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। हरियाणा कांग्रेस सचिव एवं बलदेव राज ओझा फाउंडेशन के अध्यक्ष राजन ओझा ने स्व राजीव गांधी को याद करते हुए, कहा कि डिजिटल इंडिया की नींव रखने वाले, भारत में युवाओं को 18 वर्ष की उम्र में मताधिकार, कंप्यूटर क्रांति, पंचायती राज जैसे ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी सोच वाले फैसले स्व. राजीव गांधी की ही देन हैं। इस मौके पर प्रगतिशील किसान मंच के अध्यक्ष सत्यवीर डागर ने कहा कि स्व. राजीव गांधी की दूरदर्शी सोच के कारण ही आज हमारा देश संचार क्रांति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। महामारी में सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है सभी को मजदूर भाईयों की मदद करनी चाहिए। जिला कांग्रेस के प्रभारी मोहम्मद बिलाल उटावड़ ने अपने संबोधन में स्व राजीव गांधी को याद करते हुए बताया कि वे कौमी एकता और अमन पसंद के साथ-साथ 21 वीं सदी के लिए योजना एवं परियोजनाओं के लिए चिंतित रहते थे। हम उनके दिखाए मार्ग पर चले वही उनको दी जाने वाली सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर पूर्व पार्षद योगेश धींगड़ा, सत्यवीर डागर, मौहम्मद बिलाल, रामजी लाल, राजेन्द्र सिंह चौहान, राजेश आर्य, के सी माहौर, अशोक रावल, रमेश ओझा, टिंकू, नरेश, राहुल नागर, संजय सोलंकी, सुरेश राज, मुकेश शीधर, नरेन्द्र पाल शर्मा, हरीश ऋषि, अजय शर्मा, नगेश सहगल, दिलावर तेवतिया, देवेन्द्र शर्मा, देवी सिंह, बाबू लाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ग्रामीण भारत पर खतरा

लौटते प्रवासियों से संक्रमण

यदि हमने कार्यस्थलों पर रोक कर या व्यवस्थित परिवहन व्यवस्था से प्रवासियों के पलायन पर नियंत्रण किया होता तो आज कोविड-19 मामलों में वृद्धि न होती। वायरस की अधिक संक्रामकता तथा प्रवासियों का लंबे समय तक सड़कों, स्टेशनों व भीड़ भरे शिविरों में रहने के कारण संक्रमित प्रवासी बीमारी का बोझ अपने गृह राज्यों में ले जा रहे हैं जिनके पास इससे निपटने का समुचित स्वास्थ्य ढांचा नहीं है। इससे ग्रामीण भारत में संक्रमण नियंत्रण को खतरा पैदा हो गया है। यदि पलायन करने वालों को क्वारंटीन कर दूरी बनाए रखी जाती है तो भी क्या संक्रमण फैलने से निपटने के लिए समुचित संख्या में अस्पताल हैं? बिहार में दिल्ली से लौटने वाला हर चौथा लक्षण-विहीन प्रवासी कोरोना संक्रमित पाया गया है। 17 मई तक अधिकारियों ने ऐसे 8,337 प्रवासियों का परीक्षण किया। यहां संक्रमण दर 8 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत की दूनी है। 300 विशेष ट्रेनें आने के बाद अगले सप्ताह 500 ट्रेनें और आने वाली हैं। इसके साथ ही लगभग बसों से लौटने वाले भी हैं। 2001 की जनगणना के अनुसार बिहार के लगभग 2.2 मिलियन प्रवासी थे। नीति आयोग की हेल्थ इंडेक्स रिपोर्ट, 2019 के अनुसार, बिहार का स्वास्थ्य ढांचा 21 राज्यों में बीसवें स्थान पर था। इसकी 120 मिलियन जनसंख्या के लिए कोविड-19 परीक्षण के केवल चार केन्द्र तथा नौ सरकारी मेडिकल कालेज व अस्पताल हैं। उत्तर प्रदेश के अस्पतालों में भी बिस्तरों की संख्या अधिक नहीं है जहां 1 मई के बाद 16.5 लाख प्रवासी वापस आ चुके हैं। भारत में प्रति 3,652 लोगों पर एक एलोपैथिक डाक्टर है, जबकि डब्लूएचओ के अनुसार प्रति 1000 पर एक डाक्टर होना चाहिए। राजस्थान में भी 19.84 लाख पंजीकृत प्रवासियों के कारण संकट है क्योंकि वह उनकी

समुचित स्क्रीनिंग व क्वारंटीन करने में विफल है। भीलवाड़ा में सफलता के बाद प्रशासन पर दूसरे स्थानों में यही माडल लागू करने का दबाव है। शहरों से पलायन करने वालों के लिए मनरेगा का काम काफी नहीं है।

निजी क्षेत्र के स्वैच्छिक प्रयासों के बावजूद हमारी तैयारी वर्तमान समय में केवल शहरों तक सीमित है। केन्द्र ने राज्य सरकारों से अस्थाई अस्पताल बनाने तथा वर्तमान अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने व आइसोलेशन वार्ड बनाने को कहा है। लेकिन सभी जगह ऐसी क्षमता नहीं है तथा चिकित्साकर्मियों के लिए भी संरक्षक उपकरणों की कमी है। सभी डाक्टर कोविड-19 मरीजों से निपटने के लिए प्रशिक्षित भी नहीं हैं। गांवों के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आपातस्थितियों से निपटने में भी सक्षम नहीं हैं। ऐसे में पलायन कर रहे प्रवासी स्वास्थ्य संसाधनों पर भारी बोझ पैदा कर रहे हैं। हालांकि, ओडिशा ने एक देशी समाधान पेश किया है। अधिकांश प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में सफल रहे मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य में 34 कोविड अस्पताल बनाए हैं जिनमें 5,493 बिस्तर व 296 आईसीयू हैं। इसके साथ ही 6,798 ग्राम पंचायतों में दूसरे राज्यों से लौटने वाले प्रवासियों के क्वारंटीन हेतु 14,795 अस्थाई चिकित्सा शिविर बनाए गए हैं जिनमें 6,28,686 बिस्तर हैं। कर्मचारियों की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए राज्य सरकार ने 1,039 चिकित्सा स्नातकों, छात्रों व अन्य पेशेवरों की भर्ती की है। एक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए उन्होंने जिला कलेक्टरों व ग्राम पंचायतों को व्यवस्था बनाए रखने के लिए शक्तियों का हस्तांतरण किया है ताकि क्वारंटीन किए लोगों की समुचित निगरानी हो सके। वैश्विक महामारी ने हमें खोजी सोच, कामगार बस्तियों में भीड़ घटाने तथा ग्रामीण जनता के लिए सभी स्तरों पर रोगनिरोधक क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता उजागर की है। यह संक्रमण फैलने से रोकने के लिए जरूरी है। लाकडाउन ने हमें काफी समय दिया है और अब ग्रामीण जनता की सुरक्षा का समय आ गया है।

हिंसा पीड़ित महिलाओं की 'आशा'

आशा कार्यकर्ता उन हिंसा पीड़ित महिलाओं के लिए जीवन की आशा हैं जो मोबाइल फोन तक पहुंच न होने के कारण सहायता नहीं प्राप्त कर पाती हैं या उनको बहुत डर लगता है।

स्वप्ना मजूमदार
लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं

गुजरात के राधनपुर गांव की सावित्री के लिए जीवन कभी आसान नहीं था। केवल अपनी दिहाड़ी मजदूरी पर घर चलाना लगभग असंभव होता जा रहा था। उसके शराबी पति भी थोड़ी सी आमदनी का बड़ा हिस्सा शराब पर उड़ा देते थे और परिवार पर कर्ज बढ़ता जा रहा था। पति द्वारा अक्सर पिटाई व गालियां झेलने के बावजूद चालीस वर्षीय महिला उसे छोड़ने को तैयार नहीं थी। उसके तीन बच्चे भी इन हमलों का शिकार थे। मार्च में तनाव न झेल पाने के कारण सावित्री ने जहर खाकर जान देने का प्रयास किया। सौभाग्य से पड़ोसी ने उसे फौरन राधनपुर अस्पताल पहुंचा दिया और सावित्री का जीवन बच गया। डाक्टरों ने घरेलू हिंसा के लक्षण पहचान कर उसे महिला सहायता केन्द्र भेज दिया। अहमदाबाद की स्वयंसेवी संस्था वीमेन्स एक्शन एंड ट्रेनिंग इनीशियेटिव-स्वाती द्वारा संचालित यह केंद्र अस्पताल से जुड़ा है। महिला सहायता केंद्र की सलाह के बाद सावित्री ने अपने पति के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया। लेकिन पुलिस ने उसे थाने बुलाने के बाद फिर छोड़ दिया। इसके बाद देश में कोरोना वैश्विक महामारी से निपटने के लिए लाकडाउन लागू हो गया। इसके बाद सावित्री अपने पति के साथ घर तक सीमित रहने को मजबूर है और उसके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया है। लाकडाउन के कारण मदिरा डि-एडिक्शन केन्द्र बंद हो गया है जिसके कारण सावित्री का हिंसा-मुक्त जीवन का सपना भी टूट गया है। सावित्री ऐसी अकेली महिला नहीं है। लाकडाउन में मार्च के बाद से ही घरेलू हिंसा की शिकायतें बढ़ी हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग-एनसीडब्लू के अनुसार अप्रैल के मध्य तक घरेलू हिंसा की शिकायतों में लगभग 100 प्रतिशत वृद्धि हुई थी।

संकट के समय जेंडर-आधारित हिंसा में बढ़ने की प्रवृत्ति होती है क्योंकि असमान जेंडर संबंध तनाव का सामना करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, लाकडाउन के कारण खराब संबंध झेल रही महिला और उसके बच्चों के खिलाफ हिंसा नाटकीय रूप से बढ़ी है क्योंकि परिवार के सदस्य एकसाथ रहते हैं और आर्थिक संकट या बेरोजगारी के कारण परिवार को अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ता है। जोड़ीदार की हिंसा का शिकार महिलाओं में मानसिक तनाव बढ़ता है जिसके लंबे समय तक बने रहने से गंभीर स्वास्थ्य समस्यायें पैदा होती हैं। पिछले महीने एनसीडब्लू ने वर्तमान 181 हेल्पलाइन नंबर के अलावा एक विशेष वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर-7217735372 जारी किया था ताकि महिलाओं को सहायता पाना आसान हो जाए। हालांकि, यह सही दिशा में एक कदम है, लेकिन भारत में केवल 38 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन है।

आंकड़ों से स्पष्ट है कि हिंसा होने पर भी बहुत सी महिलायें सहायता नहीं मांगती हैं क्योंकि वे हिंसा को अपने जीवन का सामान्य हिस्सा मानती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-एनएफएचएस 4 के अनुसार 15-49 आयुवर्ग की 26 प्रतिशत से अधिक महिलायें घर से बिना अनुमति बाहर जाने पर पति द्वारा पिटाई को उचित मानती हैं। 37 प्रतिशत महिलायें मानती हैं कि ससुराली जनों के प्रति असम्मान दिखाने पर पिटाई ठीक है, 32.7 प्रतिशत बच्चों या घर की देखभाल में लापरवाही तथा 11 प्रतिशत खाना ठीक से न बनने पर हिंसा को उचित समझती हैं।

ग्रामीण महिलाओं में ऐसे सामाजिक व सांस्कृतिक विचारों की प्रमुखता तथा गतिशीलता में कमी के कारण घरेलू हिंसा से निपटने में एक्रीडिएटेड सोशल हेल्थ एक्टिविस्ट-आशा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का अभिन्न अंग 24-45 वर्ष आयुवर्ग वाली ये महिला स्वयंसेवक समुदाय व सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के बीच सेतु का काम करती हैं। वास्तव में हिंसा पीड़ित महिलाओं के लिए ये पहला संपर्क बिंदु होती हैं क्योंकि वे शारीरिक या मानसिक आघात के लिए स्वास्थ्य सेवा से संपर्क कर सकती हैं। इंटरनेशनल सेंटर फार रिसर्च आन वीमेन-आईसीआरडब्लू ने निकट संबंधियों द्वारा घरेलू हिंसा से निपटने में स्वास्थ्य क्षेत्र की भूमिका पर शोध से यही नतीजा निकाला है।

इस प्रकार अपने समुदायों में हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं का पता लगाने, उनको सलाह व सहायता देने के लिए आशा कर्मी आदर्श स्थिति में होती हैं। पापुलेशन कौंसिल ने वैवाहिक संबंधों में हिंसा का अनुभव करने वाली महिलाओं का पता लगाने में ग्रामीण बिहार में किए एक अध्ययन में नतीजा निकाला है कि आशा परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसलिए स्वाती ने स्थानीय स्तर पर घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं का पता लगाने में आशा को केन्द्र में रखने का उचित निर्णय किया। आशा न केवल समुदाय का हिस्सा हैं, बल्कि वे अपने क्षेत्र वाले घरों में जाती हैं। गांवों में प्रति 1,000 जनसंख्या पर एक आशा कर्मी नियुक्त हैं और वे महीने में कम से कम एक बार घरों में जाती हैं जहां वे संकटग्रस्त महिलाओं की पहचान कर सकती हैं।

आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के व्यापक संजाल का हिस्सा हैं तथा रेफरल व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। गांव के स्तर पर आशा को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं-एडब्लूडब्लू, आक्सिलरी नर्स मिडवाइफ-एएनएम, चिकित्सा अधिकारियों तथा ग्राम स्वास्थ्य व स्वच्छता समितियों से सहायता मिलती है। आशा का ब्लाक स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों व तृतीयक देखभाल अस्पतालों से संपर्क रहता है। महिलाओं को प्रसव-पूर्व जांच के लिए लाने के कारण वे इन सुविधाओं को जानती हैं। ऐसे में यदि हिंसा रोकने तथा पीड़ित महिलाओं की सहायता के लिए प्रकोष्ठ को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा या अस्पताल से जोड़ दिया जाए तो जरूरतमंद महिलाओं को शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मामलों में सहायता मिलना आसान हो जाता है। इसी कारण स्वाती ने गुजरात के मुख्यत: ग्रामीण जिले पाटन में घरेलू हिंसा का पता लगाने वाले महिला सहायता केन्द्र को राधनपुर अस्पताल से जोड़ा।

यह गुजरात स्वास्थ्य विभाग व स्वाती के बीच राज्य में अपने किस्म का पहला प्रयास है। हालांकि, स्वाती द्वारा 2012 में स्थापना के तीन साल बाद इसने गति पकड़ी क्योंकि महिला-विरोधी हिंसा से निपटने में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का महत्व समझ कर सरकार ने 2015 में इसे आशा के प्रशिक्षण माड्यूल में शामिल किया।

इस पहल के अनेक आयाम थे। इसमें महिलाओं के लिए दिलासा सहायता केन्द्र शामिल हैं जो भारत में पहले अस्पताल-आधारित सहायता केन्द्र हैं तथा घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं की मदद कर सकते हैं। यह बृहन्मुंबई नगर निगम-बीएमसी व सेंटर फार इन्क्वायरी इंटू हेल्थ एंड एलायड थीम्स-सेहत की संयुक्त पहल है जो मुंबई के भाभा अस्पताल में स्थित है। स्वाती ने यह माडल स्वीकार कर इसमें ग्रामीण क्षेत्रों के उपयुक्त कई चीजें जोड़ीं। आशा प्रशिक्षण के साथ अस्पताल के चिकित्साकर्मियों की क्षमता में भी सुधार किया गया ताकि वे दवा इलाज करते समय घरेलू हिंसा पीड़ितों की उपयुक्त पहचान कर सकें।

इसके कारण ही आत्महत्या का प्रयास करने वाली सावित्री को राधनपुर अस्पताल ने उचित सहायता केन्द्र भेजा। स्वाती में शोध व प्रशिक्षण समन्वयक नीती सिंघल के अनुसार, लाकडाउन के दौरान भी उसके कौंसिलर फोन के माध्यम से पीड़ित महिलाओं से जुड़े रहे। स्वाती ने आशा कर्मियों की सहायता से महिलाओं तक मदद भी पहुंचाई। पाटन ब्लाक की 550 आशा कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा जनरल हास्पिटल सिद्धपुर व मेडिकल कालेज धारपुर में भी दो संदर्भ केन्द्रों की स्थापना हुई है।

स्पष्ट रूप से मोबाइल तक पहुंच न रखने वाली या पकड़े जाने के भय से उसका इस्तेमाल न करने वाली हिंसा पीड़ित महिलाओं के लिए आशा कर्मी जीवन की आशा जगाने वाली हैं। लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि आशा स्वयंसेवी कार्यकर्ता हैं। उनको विभिन्न स्वास्थ्यरक्षा सेवाओं के लिए केवल प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन मिलता है। अक्सर उनको समय पर मानदेय भी नहीं मिलता है। लेकिन इसके बावजूद वे काम करती रहती हैं। इससे उनका महत्व नहीं घटना चाहिए। वर्तमान अभूतपूर्व संकट के समय आशा कर्मियों का काम अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है। यदि महिला-विरोधी हिंसा रोकना प्राथमिकता है तो आशा जैसी महत्वपूर्ण पहल करने वाली कर्मियों का सम्मान होना चाहिए व उनको सुरक्षा मिलनी चाहिए।

सुरक्षा हेतु मानकों का सख्ती से करें पालन

> "अस्पतालों को एक ऐसी शाखा निर्मित करने के लिए तैयार होना होगा जिसमें प्रवेश और निकासी की अलग व्यवस्था हो अथवा कोरोना मरीजों के उपचार हेतु एक पृथक इमारत हो।"

डॉ. सुनीत मेदीरत्ता
(लेखक अपोलो अस्पताल में सलाहकार न्यूरो-सर्जन हैं)

दुनियाभर में कोविड-19 संक्रमण फैलने के चलते अधिकतर देशों में पूर्ण लाकडाउन की स्थिति का परिणाम यह हुआ है कि अस्पतालों ने दैनिक मरीजों के उपचार हेतु निर्धारित अन्य विभागों एवं नियोजित शल्य क्रियाएं बंद कर दी हैं। जबकि उम्मीद की जा रही थी कि कुछ हफ्तों के लाकडाउन के बाद भारत में स्थिति सुधर जाएगी, असलियत में बीमारी विविध अंतरनिहित कारणों से चरघातांकीय दर से बढ़ी है।

अभी तक, देश में संक्रमित मामलों की संख्या बढ़कर 1,23,359 हो गई है तथा मरने वालों की संख्या 3,435 हो गई है। इसके कारण गैर-कोविड बीमारियों के लिए दैनिक स्वास्थ्यरक्षा सुविधाएं खोलने में विलंब हो रहा है, जिससे जनसंख्या के एक तबके को अतिरिक्त झटका लगा है जो पहले से ही विस्तारित लाकडाउन एवं नौकरियां जाने तथा वेतन में कटौती के चलते होने वाली कठिनाइयों से जूझ रही है।

वर्तमान समय में, अधिकतर अस्पतालों में केवल आपात सेवाएं ही चल रही हैं। सरकारी एवं निजी क्षेत्र के अस्पताल कोरोना संक्रमण फैलने के डर से दैनिक ओपीडी सेवाएं प्रारम्भ नहीं करना चाहते, क्योंकि मरीज़ तथा उनके परिवारों की उपचार केंद्रों में भीड़ जमा होने लगेगी, जिससे सामाजिक दूरी कायम रहना संभव नहीं हो पाएगा।

हालांकि, हर किसी को इस तथ्य का संज्ञान होना चाहिए कि बहुत से लोग जो मोतिया बिंद, रीढ़ की समस्या के चलते विकलांगता, कैंसर, गुर्दे अथवा मूत्राशय की पथरी आदि कई बीमारियों से ग्रसित हैं वे लंबे समय से उपचार से वंचित हो गए हैं क्योंकि इन बीमारियों के लिए सामान्य परिस्थितियों में त्वरित उपचार आवश्यक नहीं होता। हालांकि, यदि किसी को संभावित रूप से जीवन के लिए घातक, विकलांगताकारी व्याधि अथवा वेदना होती है, तो उसे तात्कालिक उपचार एवं राहत की आवश्यकता होती है। मरीज़ के लिए, आपात स्थिति न होने पर भी त्वरित आवश्यकता होती है।

कोविड-19 अभी जाने वाला नहीं है और हमें उसके साथ जीना होगा। अस्पतालों को एक ऐसी शाखा निर्मित करने के लिए तैयार होना होगा जिसमें प्रवेश और निकासी की अलग व्यवस्था हो अथवा कोरोना मरीजों के उपचार हेतु एक पृथक इमारत हो, क्योंकि अत्यधिक संक्रामकता के कारण गैर-कोविड मरीजों को कोविड संक्रमितों के साथ एक छत के नीचे रखना उचित नहीं है।

संक्रमण नियंत्रण के कड़े प्रोटोकाल बनाए रखते हुए उपचारकरर्ता स्वास्थ्यरक्षा कर्मचारी अलग से तैनात करने होंगे। नियोजित शल्य क्रिया एवं उपचार के लिए अस्पतालों में होने वाली सभी भर्तियां स्वास्थ्यरक्षा कर्मचारियां की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोविड-19 परीक्षण के बाद ही करनी होंगी, जबकि जिन मरीजों को तत्काल उपचार की आवश्यकता है उन्हें उन्हें उनकी परीक्षण रिपोर्ट आने तक अस्पतालों की एकांतवास शाखा में रखे जाने की आवश्यकता होगी। दुर्भाग्य से, इन सभी कारणों से देश में स्वास्थ्यरक्षा महंगी होने वाली है। एक और सामाजिक प्रभाव जो यह वायरस लेकर आया है वह है अधिकतर घर-परिवारों में घरेलू नौकरों का न होना, जिससे बीमारियों से जूझ रहे लोगों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए समस्याएं पैदा हो रही हैं। कई रेजीडेंट वेलफेयर संघों द्वारा कालोनियों के भीतर घरेलू नौकरों को आने से रोक देने के कारण, वृद्ध लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

इन वरिष्ठ नागरिकों में से बहुत से अकेले रहते हैं और अपने दैनिक जीवन के लिए घरेलू नौकरों पर निर्भर होते हैं। बीमार लोग एवं गर्भवती महिलाएं तथा युवा माताएं भी, घरेलू नौकरों के बगैर परेशानी झेल रहे हैं क्योंकि परम्परागत रूप से परिवार की देखभाल का बोझ घर की महिलाओं पर ही पड़ता है। लाकडाउन के दौरान भी, मामलों की संख्या बढ़ रही है, और हमारी सीमाओं तक इस बीमारी को लाने का काम गरीब घरेलू नौकरों ने नहीं किया है। लेकिन तथ्य यह है कि गरीब हमारे समाज पर इस बीमारी के प्रभाव का दंश झेल रहे हैं। हालांकि, सरकार जब भी कोई अच्छी योजना लेकर आती है, कुछ लोग वैज्ञानिक तर्क तथा सांख्यिकीय आंकड़ों का हवाला देकर उसका विरोध करते हैं। यह एक अप्रत्याशित संकट है जिसमें माना जाता है कि हर कोई वर्तमान परिस्थितियों में अपना हरसंभव प्रयास कर रहर है और कोई एकल श्रेष्ठ समाधान कभी नहीं मिलने वाला।

यह भी समझने की आवश्यकता है कि यद्यपि कोविड-19 अत्यंत संक्रामक बीमारी है, लागभग 90 प्रतिशत लोगों में बुखार, गला खराब होने, शरीर में दर्द जैसे मामूली लक्षण नजर आए हैं और संक्रमित मरीजों मेंलगभग 5 से 10 प्रतिशत लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता पड़ती है। आरोग्य सेतु ऐप के आंकड़ों के अनुसार भारत में मृत्यु दर 3.2 प्रतिशत है, यह कहना ही होगा कि कोविड-19 की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या दस गुना अधिक होती है। सेवलाइफ फाउंडेशन द्वारा संग्रहीत आंकड़ों के अनुसार, प्रति 100 सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की दर 2019 में लगभग 30 थी और पिछले दो महीनों के दौरान हुई 12,00 सड़क दुर्घटनाओं में 381 लोग करे हैं, इस प्रकार मृत्यु की दर लगभग 32 प्रतिशत है।

क्योंकि हो सकता है सरकार लंबे समय तक गरीबों का पेट भरने में सक्षम न हो, औद्योगिक क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों के अनुसार आर्थिक गतिविधियां जल्द प्रारम्भ करना अनिवार्य है। यद्यपि यामाजिक दूरी बनाकर, साधारण निजी एवं सामाजिक साफ सफाई रखकर एवं ईमानदारी से इन सब मानकों का पालन करके बीमारी को दूर रखना संभव है, लाकडाउन में राहत दिए जाने के साथ ही लोगों द्वारा सामाजिक दूरी मानकों को दरकिनार किया जाना और इस तरह हर किसी के जीवन को जोखिम में डालना चिंताजनक है।

बेहतर होगा कि हम कोरोनावायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करना सीखें, वर्ना, एक देश के तौर पर हमें भरी कीमत चुकानी पड़ेगी। अब विकल्प हमारे हाथ में है। हम सभी को स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए अपनी साथियों से दूरी बनाकर रखने की आवश्यकता है। जब आपका जीवन दांव पर हो तब ऐसा करने में कैसी कठिनाई।

आप की बात

मजदूरों पर संवेदनहीन राजनीति

एक तरफ पूरा देश कोरोना संकट की महामारी से जूझ रहा है, दूसरी तरफ लॉक डाउन के चलते मजबूर, लाचार मजदूर परेशानी और भूख प्यास से दो चार हाथ कर रहा है। उसके इस दुख व पीड़ा मे ना तो कोई आंखों के आंसू पोछने वालाा है, ना ही कोई पैरों में पड़े फफोले मरहम लगाने वाले हैं, ऊपर से एक के बाद एक दुर्घटना व हादसों में मजबूर मजबूर जान गवाने को बेबस है। देश की सभी प्रमुख सियासी पार्टियां अपने-अपने राजनीतिक नफे नुकसान के हिसाब किताब से सियासत करने में जुटी है तथा एक दूसरे को नंगा करने में अपना महत्वपूर्ण समय जाया कर रही है। मजदूरों को बेबस होकर कहना पड़ रहा होगा कि मेरा दर्द न जाने कोय! इस संवेदनशील मौके पर जितनी घटिया और तुच्छ राजनीति करने में अपना समय लगा रहे हैं, अगर इस इस समय का सदुपयोग कर दूर दृष्टि से सभी सियासी पार्टियां कदम से कदम मिलाकर सड़कों पर चल रहे मजदूरों को उनके घर छोड़ने का युक्तियुक्त कदम उठाते तो कई मजदूर अपने घरों मे होते व उनकी आंखों में पीड़ा के आंसू की बजाए आज खुशी के आंसू होते। वंदे भारत तो सड़कों पर चल रहे मजदूरों के जले पर नमक छिड़क रहा है।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

सरकार कसे शिकंजा

अभी तक आपने सिर्फ भूमाफियाओं का नाम सुना होगा। पर पिछले कुछ वर्षों में बड़े बड़े प्राइवेट स्कूलो के द्वारा अभिवावकों पर स्कूल के द्वारा ही अपनी निश्चित जगह से अर्थात स्कूल से ही किताबें खरीदने का दबाव बनाया जाता है। साथ ही किताबों के मूल्य प्रतिवर्ष बढ़ा-चढ़ाकर निर्धारित किये जाते हैं जिस पर सिर्फ और सिर्फ उस स्कूल के मैनेजमेंट की ही मनमानी चलती है। यहां तक कि किसी भी अभिवावक को बाहर से किताब खरीदने की अनुमति तक नहीं होती है। दिन प्रतिदिन इन किताबों के बढ़ते अवैध व्यापार के कारण इन लोगों को जल्द ही किताबमाफियाओं की संज्ञा दी जानी अनुचित नहीं होगी। सरकार को इन प्राइवेट स्कूलों में मनमाने तरह से चल रहे किताबों के व्यापार पर शिकंजा कसना चाहिए। हर वर्ष सत्र प्रारम्भ होने से पूर्व अभिवावक अपने अपने स्तर पर इसका विरोध करते हैं परन्तु बच्चों की पढ़ाई बाधित होने के डर से वह इस लड़ाई में हार जाते हैं। सरकार को इस विषय पर ध्यान देना चाहिए ताकि स्वतंत्रता के अधिकार के तहत अभिवावको को अपनी मनमानी की जगह से किताबें खरीदने की छूट हो जिस कारण दिन प्रतिदिन बढ़ते किताबों के मूल्यों पर भी लगाम लगेगी।

– **अभिनव दीक्षित**, बांगरमऊ, उन्नाव

विनाशकारी आतंकवाद

आतंकवाद विश्व की एक बड़ी समस्या है। भारत में आतंकवादी गतिविधियों से निर्णय के महत्व को उजागर करने के लिए हर साल आतंकवाद विरोध दिवस मनाया जाता है। 21 मई 1991 को भारत के सातवें प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की आधिकारिक घोषणा हुई थी। जिसके बाद इस दिन सभी सरकारी कार्यालयों सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों आज में आतंकवाद विरोधी प्रतिज्ञा ली जाती है। आतंकवाद दुनिया में 1 वर्ष की तरह है आतंकवाद को मिटाने की जिम्मेदारी हम सभी देशवासियों की है इसके लिए हम किसी व्यक्ति विशेष को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं। आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने का मकसद शांति और मानवता का संदेश फैलाना, आतंकी गुटों और वह कैसे आतंकी हमलों को अंजाम देने की योजना बनाते हैं, उसके बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना, लोगों के बीच एकता को बढ़ाना ,युवाओं को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना ताकि आतंकी गुटों में शामिल ना हो सके।

– **योगेंद्र गौतम,** उन्नाव

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

यह वाकई सच नहीं है किसी व्यक्ति ने यदि अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट न खेला हो या पर्याप्त क्रिकेट न खेला हो वो सफल कोच नहीं बन सकता।

– **गौतम गंभीर**
पूर्व क्रिकेटर

कांग्रेस उत्तर प्रदेश में प्रवासी श्रमिकों के लिए एक हजार बसें मुहैया कराने की पेशकश करके स्वयं अपने धोखेबाजी के जाल में फंस गई है।

– **केशव प्रसाद मौर्य**
उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री

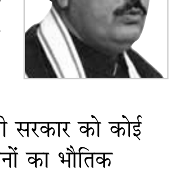

1000 बसें तैयार हैं। यदि यूपी सरकार को कोई संदेह है तो वह सीमा पर वाहनों का भौतिक सत्यापन करवा सकती है।

– **अशोक सिंह**
उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता

बीस लाख से ज्यादा प्रवासी मजदूरों को लाए वापस: योगी

विशेष आर्थिक पैकेज में कम किराये पर मकान देने की योजना को आगे बढ़ाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रवासी श्रमिकों को लेकर चल रहे सियासी घमासान के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पहली मार्च से लेकर अब तक अलग-अलग राज्यो से बीस लाख से ज्यादा प्रवासी श्रमिकों को यहां सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वापस आने वाले श्रमिक उत्तर प्रदेश की संपदा हैं और इनके बल पर प्रदेश का विकास और तेज होगा।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को टीम 11 के साथ लॉकडाउन की समीक्षा करते हुये कहा कि जब ये लोग आर्थिक रूप से मजबूत होंगे तब प्रदेश अपने आप विकसित होने लगा। इसके लिए यूपी सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कोविड-19 के खिलाफ किए जा रहे प्रयासों में मुख्य

● मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को सहयोग प्रदान करने के लिए प्रत्येक जनपद में स्वास्थ्य विभाग के अपर निदेशक अथवा संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी को नामित करने के निर्देश

चिकित्सा अधिकारियों को सहयोग प्रदान करने के लिए प्रत्येक जनपद में स्वास्थ्य विभाग के अपर निदेशक अथवा संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी को नामित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपदवार तैनात किए जाने वाले इन अधिकारियों की सूची मुख्यमंत्री

कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए।

सीएम योगी ने निर्देश दिए कि कोविड चिकित्सालयों में व्यवस्थाओं को चुस्त दुरुस्त रखा जाए। स्वच्छता सम्बन्धी कार्यों में कोई शिथिलता न बरती जाए। यह सुश्चित किया जाए कि चिकित्सक नियमित तौर पर राउण्ड लें। नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ चिकित्सालयों में निरन्तर उपलब्ध रहें। पैरामेडिक्स चिकित्सा उपकरणों के क्रियाशील होने की नियमित जांच करते रहें। उन्होंने सभी जनपदों में पीपीई किट, एन-95 मास्क, थ्री लेयर मास्क, सेनिटाइजर, दवाई, पल्स आक्सीमीटर, अल्ट्रारेड थर्मामीटर आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये। योगी ने एनेस्थेसीओलाजिस्ट व तकनीकी कर्मियों को प्रशिक्षित करते हुए वेंटीलेटरों के सुचारू संचालन के लिए नामित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद में टेस्टिंग लैब की स्थापना का निर्णय लिया गया है। इस कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। मरीजों से संवाद के लिए एक सिस्टम विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड.19 के संक्रमण के प्रसार में मेडिकल इन्फेक्शन एक महत्वपूर्ण कारक है। चिकित्सा कर्मियों को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए उनका गहन प्रशिक्षण आवश्यक है। चिकित्सा कर्मियों का प्रशिक्षण कार्य निरन्तर जारी रखा जाए। इस कार्य में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा लान्च किये गये मोबाइल एप चिकित्सा सेतु का भी उपयोग किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड-19 एक अदृश्य शत्रु के खिलाफ संघर्ष है। इस संघर्ष में आगे भी सफलता प्राप्त करने के लिए पूरी सावधानी व सतर्कता बरतते हुए टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि मण्डलायुक्त तथा पुलिस महानिरीक्षक, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक तथा जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी बेहतर पारस्परिक समन्वय से कार्य करें। सीएम योगी ने कहा कि सभी जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करें। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि होम क्वारंटीन के लिए घर जाने वाले प्रत्येक प्रवासी श्रमिक को राशन किट उपलब्ध हो जाए। क्वारंटीन सेन्टर तथा कम्युनिटी किचन में स्वच्छता तथा सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम किए जाएं।

उन्होंने कहा कि बार्डर क्षेत्रों हाई.वे तथा एक्सप्रेस-वे एवं बाजारों में निरन्तर पेट्रोलिंग हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि बार्डर क्षेत्रों में पैदल अथवा असुरक्षित वाहनों से कोई अवैध रूप से आने न पाए। मुख्यमंत्री ने केन्द्र सरकार द्वारा घोषित 20 लाख करोड़ रुपए के विशेष आर्थिक पैकेज में कम किराये पर मकान देने की योजना को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन से प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

स्मार्ट मीटर मामले को लेकर ऊर्जा मंत्री से की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में लग रहे स्मार्ट मीटर में जपिंग की शिकायत कम नहीं हो रही है। इस मामले को राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेष कुमार वर्मा ने गुरूवार को ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा से मुलाकात की, यह मुददा उठाया कि उपभोक्ता परिषद् की शिकायत पर स्मार्ट मीटर भार जंपिंग के मामले में लॉक डाउन के पहले जाँच समित बनायीं गयी थी। कुछ मीटर जाँच के लिए भारत सरकार द्वारा नामित लेबोटरी में जाँच के लिए भेजे गये थे लेकिन आज तक उसकी कोई रिपोर्ट नहीं आई। वहीं हर महीने प्रदेश में सैकड़ों स्मार्ट मीटर भार जम्प के केस आ रहे है और उसे दबाए रखा जाता है। चुप चाप भार जंपिंग स्मार्ट मीटर बदल दिए जाते हैं। इस मामले में ऊर्जा मंत्री ने प्रमुख सचिव ऊर्जा व पावर कार्पोरेशन अध्यक्ष से पूरी रिपोर्ट तलब की है और कहा है जाँच में जो दोषी पाया जायगा कोई बक्शा नहीं जायेगा और साथ ही जो मीटर निर्माता कंपनी भार जंपिंग में दोषी पायेगी उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस ने फेसबुक पर छेड़ा लाइव जनांदोलन, गिरफ्तारी को बताया गैरकानूनी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूरे प्रदेश में 50 हजार से अधिक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने अपने फेसबुक पेज पर लाइव किया और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 30 वीं शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू की गिरफ्तारी को निंदनीय और गैरकानूनी बताते हुए उनके प्रति अपनी एकजुटता जाहिर की। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि आज का फेसबुक लाइव जनान्दोलन है। हम लोकतांत्रिक तरीके से आन्दोलन चलायेंगे, हमें जनता पर विश्वास है, हम जनता के बीच जायेंगे, जनता यह निर्णय लेगी कि सही कौन है और गलत कौन है।

कांग्रेस पार्टी गरीब जनता के साथ खड़ी है और खड़ी रहेगी। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष पंकज मलिक एवं वीरेन्द्र चौधरी ने कहा कि योगी सरकार की पुलिस ने गैरकानूनी तरीके से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया और फर्जी मुकदमें दर्ज कर दिए।

सड़कों के निर्माण से विकास की बढ़ेगी रफ्तार: केशव प्रसाद मौर्य

● गांव पहुंच रहे प्रवासी मजदूरों को रोजगार के संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सड़क निर्माण कार्यों से जहां विकास की प्रक्रिया तेज होगी ही, वहीं श्रमिकों व खासतौर से प्रवासी श्रमिकों को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश व समाज के विकास को गति देने में आवागमन की सुगमता होना बहुत जरूरी है ताकि किसान, व्यापारी, लघु कुटीर, मध्यम उद्योग चलाने वाले लोग आसानी से अपने उत्पाद को बाजार तक ले जा सकें और उन्हे उनके उत्पाद के वाजिब दाम मिल सके। मौर्य ने कहा कि कोरोना वायरस के संकट के चलते बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक गांवों में पहुंच रहे हैं, इन्हें रोजगार के संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इस दृष्टिकोण से भी सड़कों, पुलों के निर्माण कार्यों में तेजी लाई जा रही है। यही नहीं निर्माण कार्यों में सोशल डिस्टेंसिंग व भारत सरकार की गाइड लाइन का पालन कराये जाने के स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं। यह भी निर्देश दिये गये हैं कि प्रत्येक श्रमिक मास्क जरूर लगायेगा।

केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि लॉकडाउन के चलते निर्माण कार्यों में रोक लग गयी थी। 20 अप्रैल 2020 से निर्माण कार्य पुनः शुरू करने की प्रक्रिया निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप प्रारम्भ हुई। उन्होंने बताया कि चालू निर्माण कार्यों को शीघ्रातिशीघ्र पूरा कराने के गम्भीर प्रयास किये जा रहे हैं और श्रमिकों को रोजगार देने के उद्देश्य से कार्यों की गति बढ़ायी गयी है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम व राजकीय निर्माण विभाग द्वारा वर्तमान में 1893 कार्य चल रहे हैं, जिनमें 27527 श्रमिक कार्य कर रहे हैं, इन कार्यों की कुल लागत रु 31,40,973.53 लाख है।

प्रत्येक जिले में कम से कम 200 बसें प्रवासी श्रमिकों के लिए आरक्षित रखें: मुख्य सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव आर के तिवारी ने कहा कि लॉक डाउन की अवधि में अन्य प्रदेशों से पैदल आ रहे प्रवासी मजदूरों, श्रमिकों एवं कामगारों व अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा एवं कोविड-19 के प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक कार्यवाहियां कराई जाएं। प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा प्रवासी व्यक्तियों से सम्मानजनक एवं सहृदयता से व्यवहार किया जाए। इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की शिथिलता होने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाहर से आने वाले प्रवासियों के लिए समुचित भोजन, पीने के ताजे पानी एवं उचित स्थान पर पण्डाल की व्यवस्था कराई जाए।

मुख्य सचिव ने सभी डीएम व कमिश्नर को निर्देश देते हुए कहा है कि शेल्टर एवं क्वारंटीन होम में खाना, पानी, शौचालय व साफ-सफाई आदि की समुचित व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश में प्रवेश के स्थान पर पर्याप्त बसों की व्यवस्था एवं प्रत्येक जिले में कम से कम 200 निजी बसें व स्कूल बसों को प्रवासियों के आगमन के लिए आरक्षित रखा जाए। होम क्वारंटीन में स्थित व्यक्तियों की निगरानी के लिए निगरानी समितियां पूरी तरह से सक्रिय रहें तथा जिलाधिकारियों द्वारा इसकी प्रतिदिन समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि समस्त मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारी एवं पीआरवी-112 वाहन द्वारा निरन्तर पेट्रोलिंग की जाए। उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर तैनात व्यक्ति पर्याप्त सुरक्षा सामग्री मास्क, ग्लब्स, सैनिटाइजर का प्रयोग अवश्य करें।

भंडारित खाद्यान्नों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था करें: मुकुट

लखनऊ। सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने कहा कि राज्य भण्डारण निगम द्वारा भण्डारित खाद्यान्नों को सुरक्षित रखने की समुचित व्यवस्था की जाए और आवश्यकता अनुसार कीटनाशक दावाओं का छिडकाव समयानुसार किया जाए। इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। निगम द्वारा खाद्यान्न स्टाक का वैज्ञानिक भण्डारण करके उसे पूर्णरूप से सुरक्षित रखा जाए। भण्डारण निगम के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि निगम द्वारा भण्डारित खाद्यान्नों की सुरक्षा में किसी प्रकार की ढिलाई व लापरवाही नही बरती जानी चाहिए जिससे कि भण्डारित खाद्यान्नों में किसी प्रकार की कोई समस्या नही होने पाए। वर्मा ने समीक्षा के दौरान पाया कि निगम द्वारा राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप निगम के समस्त टेण्डर ई-टेण्डरिंग के माध्यम से कराए जा रहें हैं।

प्रदेश के पांच जनपद रेड जोन में शामिल

● जोन निर्धारित करने के मानक तय गाइड लाइन जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में आगरा, मेरठ, कानपुर नगर, गौतमबुद्ध नगर एवं गाजियाबाद के नगरीय क्षेत्र रेड जोन में शामिल किए गए हैं। जिन जनपदों में पिछले 21 दिनों से कोरोना वायरस संक्रमण का कोई भी पुष्ट केस नहीं आया है, वे जनपद स्वतः ग्रीन जोन में वर्गीकृत हो जाएंगे। इस आशय के आदेश गुरुवार को प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने सभी जिलाधिकारियों को जारी कर दिए हैं।

लॉकडाउन-4 को लेकर केंद्र सरकार के दिशा निर्देश के अनुरूप राज्य सरकार ने जोन निर्धारण को लेकर गाइडलाइन के मानक तय कर दिए हैं। मानक के हिसाब से जिले के जिलाधिकारी अपने स्तर से जोन का निर्धारण कर सकेंगे। जो जनपद रेड जोन अथवा ग्रीन जोन में वर्गीकृत नहीं है उन्हें ऑरेंज जोन में माना जाएगा। अमित मोहन प्रसाद ने अपने निर्देश में स्पष्ट किया है कि रेड जोन में वर्गीकृत जनपदों के जिलाधिकारी कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के दृष्टिगत अपने विवेकानुसार अतिरिक्त कदम उठाने हेतु अधिकृत होंगे। बता दें कि भारत सरकार ने राज्यों को उनके जनपदों एवं नगर निकायों को संक्रमण के दृष्टिगत रेड ग्रीन और ऑरेंज जोन में वर्गीकृत करने का अधिकार राज्य सरकारों को प्रदान किया है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा 6 मानक भी निर्धारित किए गए हैं। ऐसे गंभीर श्रेणी के जिले क्रिटिकल स्थिति से तभी हट सकते हैं जब वहां 21 दिन तक कोई केस न आएं। संक्रमित मामले 28 दिन में दोगुने हों। मृत्यु दर केवल एक फीसदी रह जाए। एक लाख की आबादी पर 200 लोगों की टेस्टिंग होने लगे। संक्रमित केसों की तादाद केवल दो फीसदी रह जाए। रेड जोन में वर्गीकृत किए गए जिलों के डीएम संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए अपने जिलों में अतिरिक्त कदम उठाने के लिए अधिकृत होंगे।

रेड जोन के मानक

1. कुल एक्टिव केस 200 हों
2. एक्टिव केस प्रति लाख के हिसाब से 15 हों
3. 14 दिन में हर हफ्ते के हिसाब से वहां संक्रमित मामले दोगुने हो रहे हों
4. मृत्यु दर छह फीसदी या उससे ज्यादा हों।
5. प्रति लाख की आबादी पर केवल 65 लोगों की टेस्टिंग हो रही हो।
6. जांच के नमूने की रिपोर्ट में छह फीसदी की दर से लोग संक्रमित हो रहे हों।

भुगतान में लापरवाही बरतने वाली चीनी मिलों पर करें सख्त कार्रवाई: सुरेश राणा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के गन्ना एवं चीनी उद्योग मंत्री सुरेश राणा ने अवशेष गन्ना मूल्य का शीघ्रातिशीघ्र भुगतान कराने तथा भुगतान में लापरवाही बरतने वाली चीनी मिलों के विरुद्ध सख्ती बरतने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं ।

राणा बृहस्पतिवार को विभागीय अधिकारियों के साथ मासिक समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने गन्ना मूल्य भुगतान, वर्तमान में संचालित चीनी मिलों की स्थिति, गन्ना पेराई , चीनी उत्पादन, गन्ना कृषकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण तथा समस्त गन्ना परिक्षेत्रों में सैनिटाइजेशन कराने आदि बिन्दुओं पर समीक्षा करते हुए मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गन्ना आयुक्त द्वारा समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री को अवगत कराया गया कि कोरोना महामारी के दौरान विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी प्रदेश के इतिहास में प्रथम बार अधिकतम 1239 लाख कुंतल चीनी का उत्पादन इस पेराई सत्र में किया गया है जो कि सम्पूर्ण भारत के चीनी उत्पादन का 47 प्रतिशत है । वर्तमान पेराई सत्र में कोरोना आपदा के दौरान भी कुल संचालित 119 चीनी मिलों में से मात्र 80 चीनी मिलें उन्हें आवंटित समस्त गन्ने की पेराई कर सफलतापूर्वक बन्द हुई है जबकि विगत वर्ष इस समय तक 104 चीनी मिलें बन्द हो चुकी थी । वही प्रदेश की चीनी मिलों द्वारा अब तक 10,918 लाख कुन्टल गन्ने की पेराई की गयी है वर्तमान सरकार द्वारा रिकार्ड 97,976 करोड़ रुपए का कुल गन्ना मूल्य भुगतान किसानों को अब तक किया गया है तथा गन्ना कृषकों को देय गन्ना मूल्य के सापेक्ष 18,931 करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य भुगतान कृषकों को किया जा चुका है जो कि लगभग 56 प्रतिशत है। वहीं भुगतान में लापरवाही बरतने वाली 118 चीनी मिलों को नाटिस निर्गत किया गया है।

किसानों को जल्द से जल्द उपलब्ध कराए जाएं बीज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा निर्देशित किया गया कि बीजों का वितरण युद्ध स्तर पर शीघ्रातिशीघ्र कराकर उसके अनुदान की अपेक्षित धनराशि किसानों के खाते में उपलब्ध करा दी जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र में कोविड-19 संकट को देखते हुए सरकार की पूरी कोशिश है कि किसानों को अधिकाधिक मात्रा में फसलों के बीज मिल सकें । इसी समय आगामी रबी में बीजों के वितरण के लिए जरूरी योजनाएं तैयार करा ली जाएं । रबी सत्र में हर ब्लाक में ब्लाक स्तरीय बीज भण्डारों के साथ ही कम से कम 1 या 2 स्टोर भी खोलने की योजनाएं बनाई जाएं । इस सत्र में खोलने के लिए किराए के भवनों की यदि आवश्यकता हो तो प्रशासनिक मद से वहन किया जाए ।

कृषि मंत्री बृहस्पतिवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय में खरीफ 2020 में संचालित की जाने वाली विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान खरीफ में 95.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 235.15 लाख मेट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित में किया गया है इसकी प्राप्ति के लिए किसानों को पर्याप्त मात्रा के प्रमाणित बीज उपलब्ध कराए जाएं तथा तत्काल अनुदान की धनराशि डीबीटीके माध्यम से उपलब्ध कराई जाए। बैठक में कृषि निदेशक सोराज सिंह ने अवगत कराया कि प्रदेश के पश्चिमी जिलो में राजस्थान की ओर से टिड्डी दलों के आगमन की संभावना को देखते हुए तत्काल आवश्यक निरोधात्मक उपाय कराए जा रहे हैं। जिस पर मंत्री ने निर्देशित किया कि भारत सरकार से समन्वय स्थापित कर टिड्डी दलों के संभावित आकमण के लिए समस्त निरोधात्मक उपायों का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाए।

नाकामयाबी छिपाने के लिए अराजकता पैदा कर रही सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि सरकार अपनी नाकामयाबी को छिपाने के लिए अराजकता पैदा कर रही है। भाजपा की संकीर्ण मानसिकता और विद्वेष से भरी विभाजनकारी नीतियों के चलते जहां देश में कोरोना संकट गहराया है और अर्थव्यवस्था रसातल पर पहुंच गई है वहीं विदेश नीति की विफलताओं के कारण सीमाएं असुरक्षित हुई हैं और पड़ोसी देशों से रिश्ते बिगड़े हैं। भाजपा सरकार का सत्ता में बने रहना देश की सुरक्षा और प्रगति के लिए नुकसान देह और घातक हो चला है। अखिलेश ने कहा कि सरकार की विफल विदेश नीति के कारण नेपाल से भारत के विरोध में स्वर उठने लगे है। स्थिति यहां तक आ गई है कि नेपाल के प्रधानमंत्री नेपाली संसद में भारत विरोधी बयान दे रहे हैं। नेपाल भारतीय क्षेत्रों पर अपने अधिकार के नक्शे जारी कर रहा है। नेपाल भारत का विश्वासपात्र और सबसे पुराना

साथी रहा है। भाजपा की नीतियों से वह हमसे दूर चला गया है। चीन हमारा पुराना प्रतिद्वंदी राष्ट्र है। नेपाल में उसके प्रभाव को रोकने में भाजपा सरकार की विफलता भारत पर भारी पड़ रही है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि देश में अव्यवस्था के इस दौर में भाजपा कमजोर लोगों पर अत्याचार करने से नहीं चूक रही है। गरीब मजदूरों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है। मुफ्त यात्रा प्रबन्धन के दावों के बावजूद दलाल बेबस इंसानों को लूटने में लगे हैं। मजबूर मजदूरों को घर तक न पहुंचाने के लिए तरह तरह के बहाने गढ़े जा रहे हैं। भाजपा सरकार को कोरोना से बचने और बीमारी के विस्तार पर नियंत्रण करने के लिए अधिक से अधिक टेस्टिंग करने चाहिए।

आसान होती दिख रही चुनौतियों को अवसर में बदलने की मुहिम

चीन से कारोबार समेट रही कम्पनियों को यूपी लाने का मामला

● अधिकारियों के अनुसार तीस से पैंतीस कम्पनियों ने यूपी में निवेश के लिये अपनी दिलचस्पी दिखाई

● विदेशी कम्पनियों की डिमाण्ड के हिसाब से नियम कानून बनाने में जुटा टास्क फोर्स

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संकट के चलते चीन से कारोबार समेटने का मन बना चुकी अमरीका, ब्रिटेन, जापान तथा फ्रांस सहित अनेक देशों की तीस से पैंतीस दिग्गज विदेशी कम्पनियों ने यूपी में पूंजी निवेश करने में अपनी दिलचस्पी दिखाई है। जूता बनाने वाली ब्रिटेन की कम्पनी के साथ आगरा में पूंजी निवेश पर करार होने के बाद अगले दिनों मे कुछ अन्य विदेशी कम्पनियों के साथ निवेश पर सहमति बनने की संभावना है। विदेशी कम्पनियों के रुख को देखते हुये कोरोना संकट की चुनौती को अवसर में बदलने की सीएम योगी की उम्मीदों के उड़ान भरने की डगर आसान होती नजर आने लगी है।

फिलहाल विदेशी निवेशकों को यहां लाने के लिये गठित टास्क फोर्स उन कम्पनियों के अनुरूप नियम तथा नीतियों को तैयार करने में जुटा है जो यूपी में निवेश करके अपना कारोबार लगाना चाहती हैं। इसके अलावा आने वाली कम्पनियों की जरूरतों के हिसाब से सरकार के अफसर लैण्डबैंक तैयार करने की कवायद में लगे हैं। टास्क फोर्स से जुड़े आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक कोरोना को लेकर चीन की विवादास्पद भूमिका के बाद अमरीका, जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन सहित अनेक देशों की पांच सौ से अधिक छोटी-बडी कम्पनियां वहां अपना करोबार घटाना चाहती हैं या फिर पूरी तरह समेटना चाहती हैं। इन कम्पनियों की नजर भारत और इंडोनेशिया पर है। सूत्रों का कहना है कि बड़ा बाजार होने के कारण भारत जहां उनकी पसंद है वहीं कायदे-कानून तथा आसान नीतियों के चलते इंडोनेशिया को निवेशक पसंद कर रहे हैं।

सम्बंधित देशों के राजदूतों के माध्यम से सीएम योगी द्वारा गठित टास्क फोर्स उन कम्पनियों के साथ लगातार सम्पर्क मनाये हुये हैं जो चीन से अपने कारोबार को शिफ्ट करना चाहती हैं। सूत्रों के मुताबिक विदेशी निवेशकों के साथ अभी तक की बातचीत के बाद टास्क फोर्स के अधिकारी इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि ज्यादा से ज्यादा कम्पनियों को यहां लाने के लिये इंडोनेशिया जैसे नियम और नीतियों को तैयार करना होगा क्योंकि अभी भारत खासकर यूपी की तुलना में इंडोनेशिया को ज्यादातर कम्पनियां बेहतर मानती हैं। हालांकि बाजार के मामले में भारत उनकी पहली पसंद है। अधिकारियों की माने तो तीस से पैंतीस कम्पनियों ने तो यूपी में निवेश के लिये अपनी दिलचस्पी दिखाई है। जिसमें ब्रिटेन की जूता बनाने वाली कम्पनी ने आगरा में निवेश के लिये सहमति भी दे दी है। बाकी कम्पनियों के साथ बातचीत अंतिम दौर में है।

टास्क फोर्स के सूत्रों का कहना है कि चीन से कारोबार समेटने वाली कम्पनियों में ज्यादा से ज्यादा कम्पनियों को योगी सरकार यूपी में लाना चाहती है और इसके लिये सरकार लाल कारपेट बिछाने को तैयार है। बताते है कि टास्क फोर्स केन्द्र सरकार के अधिकारियों की देखरेख में इंडोनेशिया से भी बेहतर कानून तथा नीतियां तैयार कर रहा है। जिससे चीन छोड़ने वाली कम्पनियां यहां आने में अपने आपको सहज महसूस कर सकें। यूपी में आने के लिये विदेशी कम्पनियों ने बिन्दुवार जो ब्लूप्रिन्ट टास्क फोर्स के सामने रखा है उसी के हिसाब से योगी सरकार काम करने में जुटी है। टास्क फोर्स को सीएम योगी के साफ निर्देश हैं कि चीन से हटने वाली ज्यादा से ज्यादा कम्पनियों को यूपी में लाया जाये। बताते हैं कि मोबाइल बनाने वाली एप्पल सहित कई अन्य कम्पनियों ने यूपी में आने के लिये कुछ शर्तों के साथ हरी झण्डी दे दी है।

कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धा के साथ मनाई गई राजीव गांधी की पुण्यतिथि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 30वीं पुण्यतिथि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धा और आदर के साथ मनायी गयी। माल एवेन्यू चौराहे पर स्थित राजीव गांधी की प्रतिमा पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने माल्यार्पण किया तथा सेवादल के साथियों द्वारा गार्ड आफ आनर दिया। प्रदेश कार्यालय में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए एक विचार गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि आज के ही दिन तीस वर्ष पहले हमसे एक ऐसा नेता छीन लिया गया जिसने अपने फैसलों से न केवल युवाओं को मताधिकार की ताकत दी वहीं भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी की ताकत में दुनिया से प्रतिस्पर्धा करने लायक बना दिया। वह इस देश के सबसे बड़े

स्वप्नदृष्टा और भारत को मजबूत शक्ति के रूप में स्थापित करने वाले नेताओं में थे। पूर्व मंत्री आरके चौधरी ने कहा कि दलित समाज के लिए पंचायतों का सशक्तीकरण उनकी ताकत को आधार प्रदान करता है। पार्टी विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि उन्होने सबसे ज्यादा भारत के युवाओं को ताकत प्रदान की, मताधिकार देकर फैसले में भागीदारी का अधिकार प्रदान किया।

राष्ट्रपति ने वीडियो कांफ्रेंस से विदेशी राजदूतों के परिचय पत्र स्वीकार किए

भाषा। नई दिल्ली

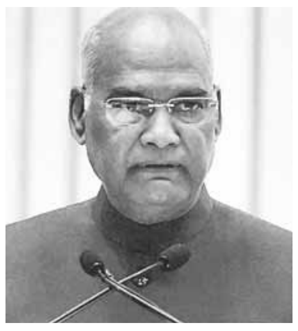

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बृहस्पतिवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सात देशों के राजदूतों के परिचय पत्र स्वीकार किए। राष्ट्रपति भवन के इतिहास में यह पहला मौका है जब वीडियो कांफ्रेंस के जरिए राष्ट्रपति ने राजदूतों के परिचय पत्र स्वीकार किए हैं। राष्ट्रपति भवन के बयान के अनुसार, राजदूतों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कोविड–19 महामारी के कारण वैश्विक समुदाय के समक्ष अभूतपूर्व चुनौतियां उत्पन्न हो गई हैं और यह संकट वृहद वैश्विक सहयोग की जरूरत को रेखांकित करता है।

उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न देशों को इस महामारी से लड़ने में सहयोग देने में अग्रणी रहा है। कोविंद ने कहा कि कोविड–19 के कारण उत्पन्न चुनौतियों से उबरने में डिजिटल प्रौद्योगिकी दुनिया के लिए मददगार साबित हो रही है और इसके कारण नवोन्मेषी तरीके से काम करना संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि ऐसे में भारत डिजिटल रास्तों की असीमित संभावनाओं का अपने लोगों की उन्नति एवं दुनिया के लिए इसका उपयोग करने को प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति कोविंद ने कहा, आज का समारोह भारत के डिजिटल कूटनीतिक कदम में एक नया आयाम जोड़ता है। राष्ट्रपति भवन के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति भवन के इतिहास में यह पहला मौका है जब वीडियो कांफ्रेंस के जरिए राजदूतों ने परिचय पत्र सौंपे। राष्ट्रपति को परिचय पत्र सौंपने वालों में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कोरिया के राजदूत चोइ हू चोल, सेनेगल के राजदूत अब्दुल वहाब हैदरा, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के उच्चायुक्त रोजर गोपॉल, मारीशस के उच्चचायुक्त शांति बाई हनुमानजी, आस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी राबर्ट ओफारेल, कोटे डेलवयर के राजदूत एम इरिक कैमिले तथा रवांडा के उच्चायुक्त जैकलिन मुकांगिरा शामिल हैं।

मुठभेड़ में दो इनामी नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो इनामी नक्सलियों को मार गिराया है। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने बृहस्पतिवार को भाषा को बताया कि जिले के गीदम थाना क्षेत्र के अंतर्गत नीलगुड़ा गांव के जंगल में डीआरजी के दल ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया है। पल्लव ने बताया कि पुलिस को क्षेत्र में माओवादियों के प्लाटून नंबर 16 के कमांडर मल्लेश समेत लगभग 20 नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिली थी। सूचना के बाद गीदम थाना से डीआरजी के दल को रवाना किया गया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि डीआरजी का दल जब नीलगुड़ा गांव के जंगल में पहुंचा तब नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्वाई की। कुछ देर तक दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए।

विजयवाड़ा में पंडित नेहरू बस स्टेशन से अपने घरों के लिए जाने की प्रतीक्षा करते यात्री

पीएम केयर्स फंड के बारे में कांग्रेस के ट्वीट को लेकर सोनिया के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलुरु। पीएम केयर्स फंड के खिलाफ कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से किए गए एक ट्वीट के संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ कर्नाटक में एक मामला दर्ज किया गया है। ट्वीट में कोष के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया था। शिवमोगा जिले में सागर कस्बे की पुलिस ने बुधवार को प्रवीण के वी नामक व्यक्ति की शिकायत पर मामला दर्ज किया। कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट में निराधार आरोप लगाकर जनता के बीच अविश्वास पैदा करने का प्रयास किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस ने मामला दर्ज किए जाने की निंदा की है। आईपीसी की धाराओं 153 और 505 (1) (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है जो लोगों को किसी अन्य वर्ग या समुदाय के खिलाफ अपराध करने के लिए अकारण उकसाने से संबंधित है। शिकायत में आरोप है कि आईएनसी इंडिया ट्विटर अकाउंट से 11 मई को शाम छह बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ संदेश डालकर पीएम केयर्स कोष के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया जिसमें कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में सरकार की मदद के लिए लोग दान दे रहे हैं। शिकायतकर्ता ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और ट्विटर हैंडल को संभालने में शामिल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्वाई की मांग की है। कर्नाटक कांग्रेस के प्रवक्ता सुभाष अग्रवाल ने मामला दर्ज होने की निंदा करते हुए कहा, विपक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह सरकार पर सवाल खड़े करे। अगर विपक्ष की आवाज दबा दी गई तो लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा। पार्टी ने हमेशा कहा है कि जब प्रधानमंत्री राहत कोष पहले से है तो पीएम केयर्स फंड की कोई जरूरत नहीं है।

संक्रमित मरीज के संबंध में झूठी खबर पोस्ट करने वाला गिरफ्तार

गोपेश्वर। उत्तराखंड के चमोली जिले के थराली क्षेत्र में कोरोना वायरस से एक व्यक्ति के संक्रमित होने की झूठी खबर सोशल मीडिया में पोस्ट कर अफवाह फैलाने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। फर्जी खबर जांच इकाई, चमोली के नोडल अधिकारी बृजेन्द्र पांडे ने गोपेश्वर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। व्हाट्सएप ग्रुप पर एक व्यक्ति द्वारा थराली क्षेत्र में कोरोना वायरस के एक मरीज के होने के संबंध में अफवाह फैलाने की शिकायत की गई थी। मामला दर्ज किए जाने के बाद गोपेश्वर के मंदिर मार्ग निवासी भरत सिंह गड़िया (33) को गिरफ्तार कर लिया गया।

लौट रहे प्रवासी हमारे भाई-बंधु हैं, खुले दिल से उनका स्वागत करेंगे : शिवराज सिंह चौहान

भाषा। नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि लौट रहे प्रवासी मजदूर हमारे भाई–बंधु हैं और वह राज्य में खुले दिल से उनका स्वागत करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के लिए प्रवासी मजदूरों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। चौहान ने साक्षात्कार में कहा, प्रवासी भी इंसान हैं। वे हमारे भाई–बंधु हैं। हमें प्रवासियों के राज्य में लौटने पर कोई आपत्ति नहीं है और हम उन्हें गले लगाएंगे। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों के कारण कोरोना वायरस के मामले बढ़ने का संकेत देने वाली खबरों को खारिज किया और पूछा, क्या कोरोना वायरस उन जगहों पर नहीं फैला जहां प्रवासी मजदूर नहीं थे?

चौहान ने कहा, मध्य प्रदेश में कोविड–19 के मामले बढ़े हैं। प्रवासी और बाहर फंसे अन्य लोग भी राज्य में आए हैं। हम कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि के लिए प्रवासियों को जिम्मेदार क्यों ठहराए? केवल प्रवासी मजदूरों की आवाजाही की वजह से ही मामले नहीं बढ़े हैं। भाजपा शासित राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा, इस संकट में मानवता और संवेदनशीलता भी शामिल है। ए प्रवासी मजदूर कौन हैं? ए हमारी भाई और बहनें हैं। ए आजीविका कमाने के लिए गए थे। अगर वे वापस आना चाहते हैं तो मध्य प्रदेश खुले दिन से उनका स्वागत करेगा। उन्होंने कहा कि अभी तक करीब चार लाख श्रमिकों को दूसरों राज्यों से मध्य प्रदेश लाया गया है।

उन्होंने कहा, हमने मध्य प्रदेश में फंसे दूसरे राज्यों के 7,000 मजदूरों को एक हजार रुपए की राशि देने का फैसला किया है। हमने उन्हें जांच की सुविधाएं मुहैया कराई और हम उन्हें भोजन भी उपलब्ध करा रहे हैं। हम उन्हें बसों तथा ट्रेनों से भेज रहे है और साथ ही यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पूरा खर्च राज्य वहन करें। किसी भी मजदूर से इसके लिए पैसा नहीं लिया जाएगा।

चौहान ने कहा कि राज्य सरकार ने ऐसे मजदूरों के फायदे के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत काम शुरू किया है। कोरोना वायरस के मामले संभावित रूप से बढ़ने का संकेत देते हुए चौहान ने कहा कि हमें इसके साथ जीना सीखना होगा। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि कोरोना वायरस के मामले बढ़ेंगे। हमें सभी एहतियात बरतते हुए इसके साथ जीना सीखना होगा। हम राज्यभर में सभी चिकित्सा केंद्रों में इसके इलाज के लिए सभी सुविधाओं का इंतजाम कर रहे हैं।

चौहान ने कोरोना वायरस के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए पारंपरिक आयुर्वेदिक व्यवस्था का इस्तेमाल करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा, एलोपैथी उपचार सभी के लिए उपलब्ध है लेकिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत करने की आवश्यकता है। हम आयुर्वेद का इस्तेमाल करने पर भी जोर देंगे। हमने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में लोगों की मदद के लिए काढ़े के दो करोड़ से अधिक पैकेट वितरित किए हैं।

आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को अलग-थलग करें : वेंकैया नायडू

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि आतंकवाद का समर्थन करने और उसे बढ़ावा देने वाले देशों को अलग–थलग करने के लिए सभी देशों को एकजुट होना चाहिए। आतंकवाद रोधी दिवस पर अपने संदेश में नायडू ने आतंकवाद के दंश से मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपनी जान न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों और बेटियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, आतंकवाद मानवता का शत्रु है और वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा है। किसी भी रूप में आतंकवाद का समर्थन करने और उसे बढ़ावा देने वाले देशों को अलग–थलग करने के लिए सभी देशों को एक साथ आना चाहिए। नायडू ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अकेले सुरक्षाबलों की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इस शत्रु के खिलाफ लड़ाई हर नागरिक का कर्तव्य है। उपराष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, आतंकवाद को परास्त करने के लिए हर भारतवासी से देश में एकता और सौहार्द बनाए रखने की अपेक्षा करता हूं। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने इस संदेश को ट्वीट किया। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आतंकवाद रोधी दिवस मनाया जाता है। उनकी 1991 में आज ही के दिन हत्या कर दी गई थी।

जम्मू-कश्मीर में कोविड-19 से संक्रमित महिला की मौत

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के बडगाम जिले की कोविड–19 से संक्रमित एक महिला की बृहस्पतिवार को श्रीनगर के एक अस्पताल में मौत के बाद इस केन्द्र शासित प्रदेश में मृतकों की कुल संख्या 19 हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के परीसाबाद की निवासी महिला की आज दोपहर यहां छाती रोग अस्पताल में मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि पहले उसे 15 मई को एसएमएचएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद 18 मई को छाती रोग अस्पताल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि महिला को अचानक दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया। महिला की मौत के बाद जम्मू–कश्मीर में कोविड–19 से संबंधित मौतों का आंकड़ा 19 हो गया है। अब तक l,390 लोग कोरोना वायरस संक्रमित पाए जा चुके हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने प्रवासियों की ट्रेन यात्रा के लिए अब तक 67 करोड़ रुपए की राशि जारी की

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में फंसे प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्य भेजने के लिए चलने वाली ट्रेन का यात्रा खर्च वहन करने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से अब तक 67.19 करोड़ रुपए जारी किए हैं। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि सरकार ने शुरुआत में प्रवासी मजदूरों की ट्रेन यात्रा खर्च के लिए 54.17 करोड़ रुपए की राशि मुहैया कराई थी, जिसके बाद अब 12.44 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि भी जारी की गई है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार प्रवासी मजदूरों की ट्रेन टिकट खरीदने के लिए पहले ही 54,75,47,470 रुपए खर्च कर चुकी है। राज्य के उन जिलों के जिलाधिकारियों को राशि स्थानांतरित की गई थी, जहां प्रवासी मजदूरों ने अपने गृह राज्य लौटने के लिए पंजीकरण करवाया था। अधिकारी ने कहा, दूसरे चरण में, मुख्यमंत्री राहत कोष से छह जिलों के लिए 12,44,08,420 रुपए की राशि जारी की गई।

पुणे में कोविड-19 से एक पुलिसकर्मी की मृत्यु

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे शहर के एक अस्पताल में कोविड–19 से संक्रमित पाए गए 43 वर्षीय एक पुलिस कांस्टेबल की बृहस्पतिवार को मृत्यु हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कांस्टेबल पुणे पुलिस की यातायात शाखा से जुड़े हुए थे और 10 मई से भारती अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उन्होंने बताया कि संक्रमित पुलिसकर्मी को वेंटिलेटर पर रखा गया था और बृहस्पतिवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुणे पुलिस से जुड़े कम से कम 26 कर्मियों को अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है, जिनमें से 14 कर्मी संक्रमण से उबर चुके हैं। यह पुणे पुलिस में कोरोना वायरस से होने वाली दूसरी मौत है। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में 57 वर्षीय एक सहायक उप–निरीक्षक की संक्रमण से मृत्यु हो गई थी।

नवी मुंबई में सब्जी बाजार के खुलने से खरीद-फरोख्त करते हुए व्यापारी।

सोनिया ने छत्तीसगढ़ में किसान न्याय योजना की शुरुआत की, बोलीं: यह राजीव गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर बृहस्पतिवार को छत्तीसगढ़ सरकार की राजीव गांधी किसान न्याय योजना का शुभारंभ किया और इस मौके पर कहा कि यह पहल पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से इस योजना की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल हुए। योजना की शुरुआत के मौके पर सोनिया ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके सभी साथियों को इस बात की बधाई देती है कि उन्होंने राजीव जी की भावना के अनुरूप एक बड़ा कदम उठाया है।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के जरिए छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के किसानों को सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध करवाकर फसल उत्पादन में प्रोत्साहन देने जैसे कदम उठाकर सीधे उनके बैंक खातों में धनराशि भेजने की शुरुआत की है। कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक इस योजना के द्वितीय चरण में भूमिहीन आदिवासी कृषि मजदूरों को भी शामिल करने की योजना है। ए एक बहुत अनोखा निर्णय है। इससे वो सब आत्मनिर्भर बनेंगे। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि ऐसी कारगर योजनाओं को सही मायने में जमीनी स्तर पर लागू कर इनका लाभ जन–जन तक पहुंचाकर उनके जीवन में परिवर्तन लाना ही सही मायने में राजीव गांधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस योजना के तहत खरीफ 2019 से धान तथा मक्का लगाने वाले किसानों को अधिकतम 10 हजार रूपए प्रति एकड़ की दर से सहायता राशि दी जाएगी। राज्य के 19 लाख किसानों को 5700 करोड़ रूपए की राशि चार किश्तों में सीधे उनके खातों में भी हस्तांतरित की जाएगी।

पश्चिमी मध्य प्रदेश में फसलों पर टिड्डियों के हमले का खतरा

भोपाल। राजस्थान से टिड्डियों के छह झुंड मध्यप्रदेश की सीमा में प्रवेश कर गए हैं जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान होने का खतरा पैदा हो गया है। जबलपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू कृषि विवि ने टिड्डी दलों से फसलों को बचाने की खातिर किसानों के लिए बुधवार रात को परामर्श जारी किया। ये टिड्डी दल जून में ईरान से उड़कर पाकिस्तान पहुंचे थे और वहां से राजस्थान होते हुए पश्चिमी मध्यप्रेदश में पहुंच गए हैं। जवाहरलाल नेहरू कृषि विवि की संचालक (विस्तार सेवाएं) डॉ. ओम गुप्ता ने बृहस्पतिवार सुबह पीटीआई–भाषा को बताया, प्राप्त प्रशासनिक जानकारी के आधार पर पता चला है कि टिड्डी दल राजस्थान से लगे हुए मध्यप्रदेश के नीमच जिले से होते हुए उज्जैन जिले और वहां से निकलकर देवास जिले के तहसील कन्नौद तक पहुंच गए हैं।

हरदा जिले में भी टिड्डी दलों के प्रकोप की आशंका है। गुप्ता ने बताया कि किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने खेतों की सतत निगरानी रखें। टिड्डी दलों के आने पर खेतों में तेज ध्वनि जैसे थालियां, ढोल, डीजे आदि बजाकर उन्हें आगे की तरफ उड़ाएं। टिड्डियों के इन दलों पर सुबह तीन बजे से लेकर सुबह साढ़े सात बजे तक रासायनिक दवाइयों का छिड़काव कर इन पर नियंत्रण करके फसलों को बचाएं।

राजस्थान से उड़कर मध्यप्रदेश की सीमा में ए टिड्डी दल तीन–चार दिन पहले प्रवेश कर चुके हैं। गुप्ता ने बताया कि टिड्डियों के ए झुंड उसी ओर जा रहे हैं, जिस ओर हवा बह रही है। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश में अब तक टिड्डियों के छह झुंड देखे गए हैं। जब उनसे सवाल किया गया कि इनसे फसलों को अब तक कितना नुकसान पहुंचा है, तो गुप्ता ने बताया कि टिड्डी दल जिस खेत में हमला करते हैं उसकी फसल को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर देते हैं।

भाजपा कोरोना को लेकर राजनीति कर रही है : जयंत पाटिल

भाषा। मुंबई

कोविड–19 का मुकाबला करने में महाराष्ट्र सरकार की कथित विफलता का विरोध करने के भाजपा के फैसले पर राज्य के जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल ने संकट के दौरान राजनीति करने का भगवा पार्टी पर आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस तरह के आंदोलन से सहमत नहीं होंगे। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई को बचकाना करार देते हुए पाटिल ने कहा कि अन्य राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र कोविड–19 की जांच, रोगियों की पहचान करने, उनका इलाज करने तथा प्रवासी श्रमिकों के लिए व्यवस्था करने में अग्रणी है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा का आरोप है कि केरल के विपरीत शिवसेना नीत महाराष्ट्र सरकार कोरोना वायरस के प्रसार और राज्य में मरीजों की मौत की बढ़ती संख्या पर काबू पाने में विफल रही है। भाजपा ने बुधवार को लोगों से 22 मई को विरोध दर्ज कराने की अपील की है। पाटिल ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने (डॉक्टरों, नर्सों और पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए) थाली बजाने और दीप जलाने का आह्वान किया था तो सभी विपक्षी दलों ने भी इसका समर्थन किया था ताकि यह संदेश दिया जा सके कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में पूरा देश एकजुट है। पाटिल महाराष्ट्र राकांपा प्रमुख भी हैं।

पाटिल ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि महाराष्ट्र भाजपा, संकट के दौरान राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने सबसे ज्यादा कोविड–19 परीक्षण किए हैं और इसीलिए यहां अधिकतम मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अगर महाराष्ट्र की तरह परीक्षण किए जाएं तो भाजपा शासित उत्तर प्रदेश, बिहार और गुजरात में अधिक मामले सामने आएंगे। पाटिल ने कहा कि भाजपा के लिए इस मुद्दे का राजनीतिकरण करना सही नहीं है।

पाटिल ने भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की कथित टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सहयोगी कांग्रेस और राकांपा के साथ संबंध खत्म कर लेना चाहिए वरना वे पार्टियां कोरोना वायरस संकट में शिवसेना अध्यक्ष को नष्ट कर देंगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए पाटिल ने कहा कि राकांपा ने यह सवाल नहीं किया है कि जब भारत में भगवा पार्टी शासन कर रही है तो कोरोना वायरस कैसे आया। उन्होंने कहा कि राकांपा सवाल नहीं उठाएगी और वह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहती है।

असम के बक्सा जिले में लॉकडाउन के दौरान खेतों की जुताई करता हुआ किसान

लॉकडाउन ने नौकरी छीनी और चक्रवात ने छत

प्रवासी मजदूरों का हाल

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में प्रवासी मजदूरों पर दोहरी मार पड़ी है। कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन ने मजदूरों का रोजगार छीन लिया और चक्रवात अम्फान ने उनके सिर से छत भी छीन ली। जमाल मंडल (45) सोमवार को बेंगलुरू से दक्षिण 24 परगना जिले में स्थित अपने गृह नगर गोसाबा पहुंचे। वह अपने परिवार से मिलकर काफी खुश थे, लेकिन उनकी खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी। बुधवार रात चक्रवात अम्फान के कारण उनका मिट्टी का घर बह गया। वह अब अपनी पत्नी और चार बेटियों के साथ जिले में एक राहत शिविर में रह रहे हैं।

बीरभूमि जिले के लेइकबाजार में अम्फान तूफान के दौरान एक घर पर गिरे बरगद का पेड़ के पास लोग।

मंडल ने एक समाचार चैनल से कहा कि सोमवार को जब मैं घर पहुंचा मैंने सोचा की मेरी तकलीफें खत्म हो जाएंगी, लेकिन मैं गलत था। लॉकडाउन के कारण मेरी नौकरी गई और रहा-सहा जो कुछ मेरे पास था, चक्रवात सबकुछ ले गया। मुझे नहीं पता, अब मैं क्या करुंगा, मैं कहां रहूंगा और अपने परिवार का पेट कैसे पालूंगा। दक्षिण 24 परगना के सैकड़ों प्रवासी मजदूरों की यही कहानी है, जिनकी लॉकडाउन की वजह से नौकरी चली गई है और चक्रवात के कारण उनके पास अब कुछ नहीं बचा है। पश्चिम बंगाल में अम्फान से कम से कम 72 लोगों की मौत हुई है और कोलकाता समेत राज्य के कई हिस्सों में तबाही मची है। ज़मीर अली (35) के मुताबिक, 2009 में आए चक्रवात ऐला की तबाही के बाद उन्होंने अपने परिवार के सात सदस्यों का पेट पालने के लिए दूसरे राज्य जाकर काम ढूंढने का फैसला किया था। उन्होंने कहा कि ऐला के बाद, मैंने काम की तलाश में बेंगलुरु जाने का फैसला किया था। मैंने 10 साल तक एक राजमिस्त्री का काम किया, लेकिन लॉकडाउन के कारण, मुझे अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। 15 दिन तक पैदल, ट्रक और बस की यात्रा के बाद मंगलवार को घर पहुंचने में कामयाबी मिली। अली का घर बुधवार रात को तबाह हो गया। उनके भाई का कुछ अता पता नहीं है, जो तटबंध के पास नौका को बांधने गया था। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि इस चक्रवात के बाद बहुत से लोग सुंदरबन क्षेत्र से बाहर रोजगार की तलाश में जाएंगे।

सीआईएसएफ ने इस वर्ष स्थानांतरण रद्द किए 38 करोड़ रुपए से अधिक राशि की होगी बचत

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर 1.62 लाख कर्मियों वाले बल में अगले वर्ष मार्च तक सभी स्थानांतरण रद्द कर दिए हैं। इसके परिणामस्वरूप 38 करोड़ रुपए से अधिक के भत्ते की बचत होगी। यह जानकारी अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को दी।

पहले बुधवार को खबर दी थी कि सीआईएसएफ प्रमुख राजेश रंजन के निर्देश पर जारी आदेश से 12 हजार से 13 हजार कर्मी प्रभावित होंगे और इसका उद्देश्य उनकी मुश्किलों को कम करना और ऐसे समय में स्थानांतरण भत्ते के तहत खर्च होने वाली राशि को बचाना है जब कोरोना वायरस महामारी ने अर्थव्यवस्था को बेहद प्रभावित किया है। सीआईएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया, अनुमान से पता चलता है कि अगले वर्ष मार्च तक कोई स्थानांतरण नहीं करने के आदेश से 38 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी राशि की बचत होगी। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि 12 हजार से 13 हजार कर्मी का इस वर्ष स्थानांतरण किया जाना था और वे स्थानांतरण भत्ते मद के तहत विविध रकम प्राप्त करने के लिए पात्र थे और सरकारी खजाने से निकलने वाली इस राशि की अब बचत होगी। स्थानांतरण रद्द करने वाले आदेश में कहा गया था, सीआईएसएफ महानिदेशक ने निर्देश कर्मियों की मुश्किलों को कम करने और स्थानांतरण भत्ते के तहत वित्तीय प्रतिबद्धता नियंत्रित करने के लिए जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि इस वर्ष होने वाले सभी स्थानांतरण को अगले वर्ष 31 मार्च तक के लिए टाल दिया गया है। बल ने इससे पहले देशभर में लागू लॉकडाउन और कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए अपने कर्मियों के लिए इस साल मार्च तक जारी किए गए सभी स्थानांतरण आदेशों को स्थगित कर दिया था।अंतिम निर्णय बुधवार को अधिसूचित किया गया था। सीआईएसएफ महानिदेशक राजेश रंजन ने इस कदम की पुष्टि की थी और कहा था कि यह निर्णय कोरोना वायरस महामारी के समय सभी प्रशासनिक, संचालन और कर्मियों के कल्याण जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। आदेश में कहा गया है कि नवीनतम निर्देश का एकमात्र अपवाद वास्तविक व्यक्तिगत शिकायत, चिकित्सा, परिचालन और प्रशासनिक आवश्यकता के साथ स्पष्ट सिफारिश और विशिष्ट औचित्यै के आधार पर पर्यवेक्षी अधिकारियों द्वारा किया गया स्थानांतरण होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि केंद्र ने सरकारी धन के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के उपायों के मद्देनजर महंगाई भत्ते में किसी भी बढ़ोतरी पर रोक लगाई थी, तो जहां भी संभव हो धनराशि बचाना जरूरी था।

क्विक न्यूज

भारत ने भारतीय सैनिकों के एलएसी पार करने के चीन के आरोप को खारिज किया

नई दिल्ली। भारत ने बृहस्पतिवार को चीन के इन आरोपों को खारिज किया कि भारतीय सैनिकों ने लद्दाख और सिक्किम में सीमा पार कर चीनी क्षेत्र में घुसपैठ की। इसने कहा कि नई दिल्ली सीमा प्रबंधन की दिशा में जिम्मेदार रुख अपनाती रही है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि यह चीनी पक्ष था जिसने क्षेत्रों में भारत की सामान्य गश्त को हाल में बाधित करनेवाली गतिविधियां कीं। श्रीवास्तव ने कहा, ऐसी कोई बात सच नही है कि भारतीय सैनिकों ने पश्चिमी सेक्टर या सिक्किम सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को पार करने की कोई गतिविधि की। उन्होंने कहा, भारतीय सैनिक भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा के संरेखण से पूरी तरह अवगत हैं और ईमानदारी से इसका पालन करते हैं। भारत और चीन के बीच की सीमा रेखा को एलएसी कहा जाता है। श्रीवास्तव ने कहा, असल में, यह चीनी पक्ष है जिसने हाल में भारत की सामान्य गश्त को बाधित करने की गतिविधि की। भारतीय पक्ष ने सीमा प्रबंधन के प्रति हमेशा अत्यंत जिम्मेदार रुख अपनाया है। साथ ही, हम भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध हैं। चीन ने भारत पर लद्दाख में गैर-निर्धारित सीमा की स्थिति को बदलने का एकतरफा प्रयास करने का आरोप लगाया है।

राजस्थान से 7500 श्रमिकों को लेकर 210 बसें रवाना

जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की श्रमिक स्पेशल बसों के जरिए बृहस्पतिवार को 7500 श्रमिकों को 210 बसों से देश के विभिन्न हिस्सों के लिए रवाना किया गया।रोडवेज के अध्यक्ष नवीन जैन ने बताया कि रोडवेज प्रशासन ने बृहस्पतिवार को चौथे दिन विभिन्न राज्यों के लिए 210 श्रमिक स्पेशल बसों से 7500 श्रमिकों को रवाना किया गया।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के लिए सर्वाधिक 129, मध्य-प्रदेश के लिए 40 तथा उत्तराखंड के लिए 31 बसें भेजी गई हैं। बसें हाथरस, मंदसौर, शिवपुरी, मुरैना तथा हरिद्वार जैसे शहरों के लिए भेजी जा चुकी है।उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में शिमला के लिए अब तक तीन बसें भेजी जा चुकी है तथा वहां से वापसी में राजस्थान के लगभग 100 श्रमिकों को वापस लाया जा रहा है। दिल्ली में फंसे हुए श्रमिकों को लाने के लिए 50 बसों को भेजा जाना तय हुआ है और ए बसें राजस्थान के विभिन्न जिलों में रहने वाले श्रमिकों को लेकर एक-दो दिन में दिल्ली से रवाना हो जाएगी। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले से राजस्थान के 95 श्रमिकों को लाने के लिए तीन बसें आज वहां पहुंच चुकी है।

उत्तरी गुजरात में फिर पहुंचे टिड्डियों के झुंड

भाषा। अहमदाबाद

उत्तरी गुजरात के बनासकांठा और पाटन जिलों के कुछ दूर-दराज के इलाकों में टिड्डियों के छोटे झुंड लौट आए हैं, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि किसानों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तरी गुजरात में पिछले साल दिसंबर में आए टिड्डियों के बड़े झुंड की तुलना में इस बार इनकी संख्या बहुत कम है।

दिसंबर में आए टिड्डियों के झुंड के हमले में 25,000 हेक्टेयर के इलाके में तैयार फसलें नष्ट हो गई थीं। बनासकांठा जिला कृषि अधिकारी पी के पटेल ने बताया कि पांच महीने बाद 200 से 300 टिड्डियों वाले छोटे झुंड बनासकांठा और निकटवर्ती पाटन में घुस आए हैं। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय दिशा-निर्देशानुसार हम इतनी कम संख्या वाले टिड्डियों के झुंड को नियंत्रित नहीं करेंगे। हालांकि, जहां भी टिड्डी मिल रहे हैं, हम वहां छिड़काव कर रहे हैं। हमने डीसा के निकट आज एक गांव में टिड्डी के छोटे झुंड पर रसायन का छिड़काव किया। घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि ये छोटे झुंड राजस्थान के जैसलमेर में टिड्डी के बड़े झुंड से संभवत: अलग हो गए होंगे। जैसलमेर में इन टिड्डी के झुंडों के खिलाफ अभियान चल रहा है। पटेल ने कहा, ए टिड्डी के झुंड खतरा नहीं हैं।

वे मोरों, कौवों और अन्य पक्षियों द्वारा प्राकृतिक रूप से नियंत्रित कर लिए जाते हैं। हमने कीटनाशकों के छिड़काव के लिए हस्तचालित पम्प भी मुहैया कराए हैं, ताकि किसान घबराए नहीं। पाकिस्तान से पिछले साल दिसंबर में गुजरात के बनासकांठा, मेहसाणा, कच्छ, पाटन और साबरकांठा जिलों में आए टिड्डी के झुंड ने सरसों, अरंडी, कपास, सौंफ और जीरा जैसी कई फसलें तबाह कर दी थीं। गुजरात सरकार ने उस समय उन किसानों के लिए मुआवजे की घोषणा की थी, जिनकी फसलें नष्ट हो गई थीं।

आतंकी हमले में दो जवान शहीद

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में बीएसएफ के दो जवान आतंकी हमले में शहीद होने से कुछ ही मिनट पहले इफ्तार करने के लिए रोटी लेने गए थे। इस दौरान एक व्यस्त बाजार में बेकरी से गुजर रहे मोटरसाइकिल सवार आंतकवादियों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी की, जिसमें बीएसएफ कांस्टेबल जिया-उल-हक और राणा मंडल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

हमला बुधवार की शाम श्रीनगर के बाहरी इलाके सूरा में हुआ था। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादियों ने बेहद नजदीक से जवानों को गोलियां मारीं और भीड़भाड़ वाले इलाके की गलियों से निकलते हुए भाग गए। उन्होंने कहा कि हक और मंडल पश्चिम बंगाल के

● रोजा खोलने को रोटी लेने गए थे बीएसएफ जवान

मुर्शिदाबाद के निवासी थे, लेकिन अम्फान चक्रवात के चलते राज्य में हवाई अड्डे बंद होने की वजह से उनके पार्थिव शरीर उनके घर नहीं भेजे जा सके।

हक (34) और मंडल (29) दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई थीं।अधिकारियों ने बताया कि दोनों दोस्त सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 37वीं बटालियन से थे और पंडाक कैंप में तैनात थे। उनका काम नजदीकी गंदेरबल जिले से श्रीनगर के बीच आवाजाही पर नजर रखना था।

उन्होंने बताया कि मौत से कुछ ही मिनट पहले वे रोजा खोलने (इफ्तार) के लिए रोटी लेने गए थे। लेकिन वे इफ्तार नहीं कर सके और रोजे की हालत में ही शहीद हो गए। बीएसएफ की 37वीं बटालियन के जवानों ने कहा कि वे रोजा होने की वजह से पूरे दिन पानी की एक बूंद पिए बिना ही इस दुनिया से रुख्सत हो गए। जवानों ने अपने साथियों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह बहुत जल्दी हमेशा के लिए अलविदा कह गए। साल 2009 में बीएसएफ में शामिल हुए हक के परिवार में माता-पिता, पत्नी नफीसा खातून और दो बेटियां... पांच साल की मूकबधिर बेटी जेशलिन जियाउल और और छह महीने की जेनिफर जियाउल हैं।

वह मुर्शिदाबाद कस्बे से लगभग 30 किलोमीटर दूर रेजिना नगर में रहते थे। मंडल के परिवार में माता-पिता के अलावा एक बेटी और पत्नी जैस्मीन खातून है। वह मुर्शिदाबाद में साहेबरामपुर में रहते थे। दोनों जवान केन्द्र सरकार द्वारा 5 अगस्त को जम्मू-कश्मीर से विशेष दर्जा वापस लेकर उसे दो केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित करने के बाद से कश्मीर में तैनात थे।वे 24 या 25 मई को आने वाला ईद का त्योहार भी नहीं मना सके।

विशेष ट्रेनें गुजरात से नौ लाख से ज्यादा प्रवासी मजदूरों को लेकर गई

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात में फंसे नौ लाख से ज्यादा प्रवासी मजदूरों को विशेष श्रमिक ट्रेनों के जरिए उनके गृह राज्यों में भेजा गया है। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के सचिव अश्विनी कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि लॉकडाउन की वजह से फंसे प्रवासी मजदूरों को कम से कम 633 श्रमिक ट्रेनें गुजरात से अन्य राज्य लेकर गई हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे ने 2,023 श्रमिक विशेष ट्रेनें चलाई हैं, जिनमें से 633 बुधवार आधी रात तक गुजरात से रवाना हुईं और 9.18 लाख प्रवासी कामगारों को उनके गृह राज्य लेकर गई हैं। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा श्रमिक विशेष ट्रेनें गुजरात से रवाना हुईं। इसके बाद महाराष्ट्र से 371, पंजाब से 247 ट्रेनें रवाना हुईं। कुमार ने बताया ट्रेनें मजदूरों को लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत अन्य राज्यों में गई हैं। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को गुजरात से 64 ट्रेनें रवाना होंगी, जिनमें 1.01 लाख श्रमिक जाएंगे।

पेज एक का शेष

किराया फिक्स...

यात्रियों के बीच की सीट खाली रखेंगे तो भी सोशल डिस्टेंसिंग लागू नहीं हो पाएगी, इसलिए एयरलाइंस को बीच सीट बुक करने की अनुमति होगी। वहीं नागर विमानन मंत्रालय ने अपने दिशानिर्देश में कहा कि यात्रियों को वेब-चेक-इन कराना होगा क्योंकि हवाईअड्डों पर चेक-इन काउंटर कार्यरत नहीं होंगे। यात्रा के नियमों में विमान में कोई खानपान की बिक्री नहीं होना, सभी यात्रियों के लिए शारीरिक तापमान की जांच अनिवार्य होना और प्रत्येक यात्री के लिए केवल एक बैग चेक-इन में ले जाने की अनुमति होना शामिल हैं। कोविड-19 से संक्रमित पाए गए लोगों को यात्रा करने की इजाजत नहीं होगी। दिशानिर्देशों के अनुसार सभी यात्रियों को हवाईअड्डे पर प्रवेश के समय और उसके बाद पूरी यात्रा के दौरान मास्क पहनना होगा। मंत्रालय ने कहा कि यात्रियों को उड़ान के निर्धारित समय से कम से कम दो घंटे पहले हवाईअड्डे पहुंचना होगा और सामाजिक दूरी के नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। सरकार ने कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन के कारण बुरी तरह प्रभावित अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए आर्थिक गतिविधियों को बहाल करने के लिहाज से नियमों में ढील देनी शुरू की है और उसके कुछ दिन बाद घरेलू यात्रियों को हवाई यात्रा की अनुमति दी जा रही है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन के कारण 25 मार्च से व्यावसायिक यात्री उड़ानों का संचालन निलंबित है। नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, ''सभी हितधारकों जैसे कि एयरलाइनों, हवाईअड्डों ने सहयोग किया, इसलिए हमने 25 मई से विमान सेवाएं बहाल करने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि मेट्रो से नॉन मेट्रो शहरों के लिए केवल एक तिहाई उड़ानों की अनुमति दी जाएगी जहां साप्ताहिक उड़ानें 100 से ज्यादा हैं। मंत्रालय ने कहा कि यात्रियों से अपेक्षा है वे आरोग्य सेतु ऐप के जरिए अपनी सेहत के बारे में प्रमाणित करें अथवा स्व-घोषणा पत्र भरें। विमानपत्तनों को लोगों को पृथक रखने तथा संदिग्ध यात्रियों की कोविड-19 की जांच कराने के लिए अलग स्थान चिह्नित करने की सलाह दी गयी है। दिशानिर्देशों के अनुसार हवाईअड्डों को सभी प्रवेश बिंदुओं तथा अनेक स्पर्श वाले बिंदुओं पर हैंड सेनिटाइजर की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी।

न्यूनतम दो...

सीमा निर्धारित की गई है। इस तरह की प्रथम श्रेणी में 40 मिनट से कम अवधि की उड़ानें शामिल हैं। डीजीसीए के आदेश में कहा गया है कि इस अवधि की उड़ानों के लिये न्यूनतम किराया 2,000 रुपये और अधिकतम किराया 6,000 रुपये होगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि 40 से 60 मिनट, 60 से 90 मिनट, 90 से 120 मिनट, 120 से 150 मिनट , 150 से 180 मिनट और 180-280 मिनट की उड़ानों के लिये किराये की निम्न एवं उच्च सीमा क्रमश: 2,500-7,500 रुपये ; 3,000 से 9,000 रुपये; 3,500 से 10,000 रुपये ; 4,500 से 13,000 रुपये ; 5,500 से 15,700 रुपये और 6,500 से 18,600 रुपये होगा।

अल्ट्रा वॉयलट...

है, जहां पर एयरपोर्ट कर्मी, मुसाफिर और यात्री उनकी सहूलियतों से जुड़ी चीजें एक-दूसरे के संपर्क में आते हैं। डायल ने सिर्फ टर्मिनल थ्री से सभी विमानों से विमानों का आवागमन कराने का फैसला लिया है. फैसले के तहत, फिलहाल आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल एक और दो से विमानों का परिचालन बंद रहेगा। एयरपोर्ट पहुंचने के बाद मुसाफिर सबसे पहले बैगेज ट्राली के संपर्क में आते हैं। वह अपना सामान बैगेज ट्राली में रखकर उसके हैंडल को पकड़ते है। लिहाजा, सबसे पहले बैगेज ट्रॉली के हैंडल से संक्रमण एक मुसाफिर से दूसरे मुसाफिर में फैलने की आशंका नजर आती है। इस समस्या के निराकरण के लिए डायल ने फोरकोर्ट एरिया में एक डिसइनफेक्टेंट टनल बनाई गई है, जिसकी मदद से सभी बैगेज ट्रॉली को इस्तेंमाल से पहले डिसइनफेक्ट किया जाएगा। टर्मिनेल गेट पर सोशल डिस्टेंटसिंग बनाए रखने के लिए चिहन बनाए गए है। वहीं दस्तावेजों की जांच से पहले मुसाफिरों की थर्मल स्क्रीनिंग की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, टर्मिनल गेट पर दस्तावेजों की जांच कर रहे मुसाफिरों को सेनेटाइजर उपलब्ध कराया जाएगा। सोशल डिस्टें सिंग के पहलू को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट पर हर एयरलाइंस के लिए अलग गेट और चेक-इन काउंटर का निर्धारण किया गया है, जिसमें तहत विस्तांरा और इंडिगो एयरलाइंस के मुसाफिर गेट संख्या 1 और 2 से टर्मिनल बिल्डिंग में प्रवेश कर सकेंगे। स्पाइस जेट और गो एयरलाइंस सहित अन्य घरेलू उड़ानों के मुसाफिर टर्मिनल में दाखिल होने के लिए गेट नंबर 5 का इस्तेमाल करेंगे। चेक-इन हॉल के एंट्री गेट,चेक-इन वे में सोशल डिस्टें सिंग के साथ मुसाफिरों के आवागमन के लिए मार्किंग की गई है। सभी कियोस्क मशीन के पास सेनेटाइजर रखा जा रह हैं। इसके अलावा, चेक-इन हॉल के हर टच पॉइंट पर सेनेटाइजर उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी इमीग्रेशन और सीआईएसएफ के जवानों को पीपीई किट उपलब्ध कराई जा रही हैं। हैंड बैगेज एक्स-रे के लिए इस्तेमाल होने वाली सभी ट्रे को हर इस्तेमाल के बाद सेनेटाइज करने की व्यवस्था की गई है। इसी तरह, सिक्योरिटी होल्ड? एरिया में सोशल डिस्टें सिंग को ध्या न में रखते हुए फूड कोर्ट, लिफ्ट और सीटों के इस्तेमाल को लेकर नई रणनीति बनाई गई है। फूड कोर्ट में इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए गए हैं। इतना ही नहीं, एयरपोर्ट पर सभी मुसाफिरों के लिए एचओआई एप्लिकेशन को अनिवार्य किया जा रहा है। इसके अलावा, एयरोब्रिज पर पर्याप्त दूरी पर मार्किंग की गई है जिससे विमान में प्रवेश करने वाले मुसाफिरों के बीच उचित दूरी बनी रहे। इन सभी जगहों पर सेनेटाइजर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे टर्मिनल से एग्जिट करने से पहले सभी मुसाफिर खुद को सेनेटाइज कर सकें। इसके अलावा, हवाई यात्रा के बाद दूसरे एयरपोर्ट पहुंचने वाले मुसाफिरों के बैग को सेनेटाइज करने के बाद ही एयरपोर्ट टर्मिनल में दाखिल होने दिया जाएगा। इसके लिए, डायल ने एयर साइट पर एक डिसइनफेक्टेंट टनल बनाई है। इसके साथ ही विजिटर पास भी नहीं दिए जाएंगे।

'कॉमन सर्विस...

दिनों में कुछ स्टेशनों में काउंटरों पर भी बुकिंग शुरू होगी। गोयल ने कहा कि हमें भारत को सामान्य स्थिति की ओर ले जाना है। हम उन स्टेशनों की पहचान करने का प्रोटोकॉल बना रहे हैं जहां काउंटरों को खोला जा सकता है।

गुजर गया...

चक्रवाती तूफान ने मिट्टी के घरों को ताश के पत्तों की तरह उड़ा दिया, फसलों को नष्ट कर दिया और पेड़ों तथा बिजली के खंभों को भी उखाड़ फेंका है। ओडिशा के तटीय जिलों में भी विद्युत और दूरसंचार से जुड़ा आधारभूत ढांचा नष्ट हो गया है। ओडिशा के अधिकारियों के आकलन के अनुसार, चक्रवात से लगभग 44.8 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसके बाद संवाददाताओं से कहा कि चक्रवाती तूफान अम्फान के चलते 72 लोगों की मौत हुई है। दो जिले-उत्तर और दक्षिण 24 परगना पूरी तरह तबाह हो गए हैं। हमें उन जिलों का पुनर्निर्माण करना होगा। इस मौके पर उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य के लिए सहायता पैकेज की मांग की है। उन्होंने कहा कि वह बहुत जल्द प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगीं। बचाव और राहत कार्य जल्द शुरू होंगे। उत्तर और दक्षिण 24 परगना तथा कोलकाता के एक बड़े हिस्से में बुधवार शाम से बिजली गुल है। यहां तक कि टेलीफोन और मोबाइल फोन सेवाएं भी ठप हैं। बनर्जी ने कहा कि मैंने अपने जीवन में ऐसा भीषण चक्रवात और नुकसान कभी नहीं देखा। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो से ढाई-ढाई लाख रुपए तक का मुआवजा देने की भी घोषणा की। उत्तर और दक्षिण 24 परगना तथा कोलकाता के अतिरिक्त पूर्वी मिदनापुर और हावड़ा जिले भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं जहां कई जगहों पर इमारतें नष्ट हो गई हैं। पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि मृतकों की सही संख्या बता पाना या संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन कर पाना अभी संभव नहीं है क्योंकि सर्वाधिक प्रभावित इलाकों तक पहुंचना अभी मुश्किल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि चक्रवात से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। मोदी ने अपने ट्वीट में कहा कि मैंने चक्रवाती तूफान अम्फान के कारण पश्चिम बंगाल में नुकसान के दृश्य को देखा है। यह चुनौतीपूर्ण समय है, पूरा देश पश्चिम बंगाल के साथ एकजुट होकर खड़ा है। राज्य के लोगों की भलाई के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। स्थिति सामान्य करने के लिए प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि शीर्ष अधिकारी स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं और पश्चिम बंगाल सरकार के साथ करीबी समन्वय में काम भी कर रहे हैं। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बात की और उन्हें स्थिति से निपटने के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि भयंकर चक्रवाती तूफान कमजोर हो गया है और बुधवार को रात साढ़े 11 बजे बांग्लादेश की ओर चला गया है। अब पश्चिम बंगाल में चक्रवात का कोई प्रभाव नहीं रह गया है। इससे राहत एवं बचाव कार्य में सहायता मिलेगी।

प्रधानमंत्री का...

बिजली और टेलिकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर को बहुत नुकसान हुआ है। दोनों राज्यों में दर्जनों लोगों की मौत भी हुई है। प्रधानमंत्री कार्यालय के ट्वीट के मुताबिक पीएम मोदी ओडिशा में हुए नुकसान का भी एरियल सर्वे से जायजा लेंगे। मालूम हो कि गुरुवार को दिन में ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की थी कि वह अम्फान प्रभावित पष्चिम बंगाल का दौरा करें। अम्फान के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ममता बनर्जी ने कहा था कि अम्फान ने बंगाल में बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा था कि 72 लोगों की मौत हो चुकी है। मैंने आज तक ऐसी तबाही नहीं देखी है। मैं प्रधानमंत्री से अपील करूंगी कि वह बंगाल आएं और हालात देखें।

चीन ने...

(लद्दाख) अथवा सिक्किम सेक्टर में एलएसी के पार गतिविधियों को अंजाम दिया, यह बात सरासर गलत है। भारतीय सैनिक भारत-चीन सीमा क्षेत्र में स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से भली भांति परिचित हैं और पूरी जिम्मेदारी से सीमा प्रबंधन नियमों का पालन करते हैं। उन्होंने इसके पार जाकर कोई गतिविधि नहीं की। सच तो यह है कि हाल में चीन की तरफ से ऐसी गतिविधियों का अंजाम देकर भारतीय सेना की नियमित पेट्रोलिंग में रुकावट पैदा की। लेकिन, इस बात में भी कोई संदेह नहीं कि भारतीय सेना भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिलोजान से प्रतिबद्ध है। प्रवक्ता के अनुसार, वास्तविक नियंत्रण रेखा की अवधारणा को लेकर किसी मतभेद के चलते पैदा हुई स्थिति से निबटने के लिए विभिन्न द्विपक्षीय समझौतों में तय की गईं प्रक्रिया-पद्धतियों एवं प्रोटोकोल का भारतीय सेना कठोरता से पालन करती आई है। दोनों पक्षों ने सहमति से ऐसी किसी समस्या का हल वार्ता के जरिये शांतिपूर्वक करने का तंत्र भी विकसित किया है। दोनों पक्ष किसी तात्कालिक मुद्दे का समाधान ढूंढने के लिए परस्पर बातचीत करते रहे हैं। चेन्नई में बनी आम सहमति के मुताबिक, भारतीय पक्ष सीमावर्ती इलाकों में शांति और सौहार्द बनाने रखने के साझा मकसद के लिए काम करने को पूरी तरह प्रतिबद्ध है, यह कहते श्रीवास्तव ने दोहराया कि भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए यह अनिवार्य शर्त है। भारत की तरफ से कड़ा पलटवार चीन के विदेश मंत्री के बुधवार को जारी उस बयान के एक दिन बाद किया गया है जिसमें आरोप लगाया गया था कि भारतीय सेना उसके इलाके में घुसी और उसके जवानों को पेट्रोलिंग से रोका। ऐसा करके उसने सिक्किम और लद्दाख में दोनों देशों के बीच बनी एलएसी की अवधारणा में एकतरफा बदलाव किया। चीन का आधिकारिक बयान हाल में नाकू ला (सिक्किम) में पैदा हुई टकराव की स्थिति के बारे में था जिसमें कहा गया कि भारतीय सेना ने चीन के भू भाग में प्रवेश करने के लिए सिक्किम सेक्टर में चीन-भारत सीमा के पश्चिमी सेक्टर को पार किया। इसमें यह भी कहा गया कि चीन ने इस मुद्दे को भारत के सामने उठाया है और कहा है कि वह एलएसी पार से अपने जवानों को तत्काल वापस बुलाकर पूर्व स्थिति बहाल करे।

अलर्टः प्रवासी...

सिद्धार्थ नगर (51), गाजीपुर (49), सीतापुर (37), फर्रुखाबाद (20), हरदोई (20), झांसी (30), बिजनौर (58), संभल (57), प्रतापगढ़ (56), लखीमपुर खीरी (40), देवरिया (25) चंदौली (15), औरैया (20), मैनपुरी (24), बलिया (13), उन्नाव (11), कुशी नगर (7), सोनभद्र (3) और हाथरस (20) मामले मिले हैं। ये सभी जिले अधिक ग्रामीण आबादी वाले हैं। खास यह कि मार्च के मध्य तक इनमें से अधिकांश जिले कोरोना वायरस से मुक्त थे। उदाहरण के लिए बाराबंकी प्रवासियों की वापसी तक कोरोनो वायरस से मुक्त था। अब यहां 95 नए केस आए हैं, जो राज्य के किसी भी जिले में एक दिन में सबसे अधिक वृद्धि है। उनमें से, 49 प्रवासी श्रमिक हैं जो पिछले कुछ दिनों में जिले में वापस आए हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में 13 नए मामले सामने आए हैं। इनमें डिगरास 4, इसापुर 3, रुई तलाव 1, पुसद 4 और मलकनी गाँव में 1 केस आया है। खास यह कि ये सभी मुम्बई से अपने-अपने गांव वापस पहुंचे हैं। अंतरराज्यीय सार्वजनिक परिवहन चलने से कोरोना वायरस फैलने की चिंता और बढ़ गई है, क्योंकि इन बसों से आने वाले प्रवासी मजदूर अपने साथ कोरोना ले जा रहे हैं। दिलचस्प यह है कि देश के अन्य हिस्सों से अपने राज्य वापस आने वाले लोगों को गांवों में सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों में, बिहार में आए पॉजिटिव मामलों में से 65-70 प्रतिशत तक ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से हैं। मई के पहले सप्ताह तक 1607 में से 410 मामले ग्रामीण और उपनगरीय क्षेत्रों में मिले हैं। जो लोग दिल्ली और अन्य राज्यों से लौटे, उनमें अधिकतर पॉजिटिव मिल रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, सीतामढ़ी, बेगूसराय, नवादा, सीवान, गोपालगंज, मुंगेर, भागलपुर, औरंगाबाद, जहानाबाद, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, सुपौल, शेखपुरा, समस्तीपुर, कटिहार, मधेपुरा, अररिया और श्योहर जैसे जिले 25 अप्रैल तक कोरोना वायरस से मुक्त थे। अब इन जिलों के कई गाँव कोरोनो हॉटस्पॉट बन गए हैं। ओडिशा के 11 जिलों से 51 नए कोरोनो वायरस मामले सामने आए हैं। इनमें कालाहांडी और नयागढ़ जिले में 11 मामले हैं, जबकि कटक में 9, जाजपुर में 5, गंजम में 4, मयूरभंज में 3, अंगुल और जगतसिंहपुर में दो-दो तथा संबलपुर, मलकानगिरी और पुरी जिलों से एक-एक केस आया है। इसी तरह मध्य प्रदेश में, आठ नए जिलों में 1 मई के बाद कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज किए गए हैं। इनमें नीमच 50, मुरैना 49, झाबुआ 11, अनूपपुर 3, सतना 10, भिंड 38, गुना 1, पन्ना 1 सीहोर 5, सिवनी 1, मंडला 1 और सीधी 5 मामलों के गवाह बने हैं। ये सभी मुख्यत: ग्रामीण जिले हैं। राजस्थान की सीमा से लगे नीमच जिले में सबसे खराब स्थिति है। यहां पहला मामला 3 मई को सामने आया था। राजस्थान के दो और अधिक ग्रामीण आबादी वाले जिलों जालोर और सिरोही में कोविड-19 संक्रमण के मामले मिले हैं। प्रवासियों में पॉजिटिव मामलों की सबसे अधिक संख्या 217 पाली जिले में सामने आई है। राजसमंद दूसरा सबसे अधिक 73 मामलों वाला जिला है। इसके बाद सिरोही में 70, जालोर में 108, चूरू में 52 मामले हैं। झारखंड में भी हाल के दिनों में लगभग 75 प्रतिषत पॉजिटिव केस ग्रामीण इलाकों से सामने आए हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में स्पष्ट कहा था कि अब ग्रामीण इलाकों में कोरोना वायरस के मामले रोकने के प्रयास तेज करने होंगे।

सीआरपीएफ एएसआई...

ली। वह जम्मू स्थित बल की 84 वीं बटालियन से थे। वह लीवर कैंसर से ग्रसित थे। कुछ समय पहले वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे। इससे पहले, बल की 31 वीं बटालियन के 55 वर्षीय उप निरीक्षक की कोविड-19 से मौत हो गई थी। कुल 10 लाख कर्मियों वाले सीएपीएफ के तहत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) आते हैं।

बीबीएल खेलने पर फैसला अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर देखकर : वार्नर

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि बिग बैश लीग में खेलने को लेकर फैसला वह अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर देखकर लेगे क्योंकि अलग अलग प्रारूपों में लगातार एक साथ खेलकर वह दिमाग को अव्यवस्थित नही करना चाहते। वार्नर ने कहा कि 2013-14 मे टेस्ट क्रिकेट के बीच लगातार टी20 टूर्नामेंट खेलने का असर उनके प्रदर्शन पर पड़ा।

मेक्सिको में आठ फुटबॉलर पॉजिटिव, लीग की बहाली अधर में

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के शीर्ष क्लब सांतोस लागुना के आठ फुटबाल कोरोना वायरस टेस्ट मे पॉजिटिव पाए गए है जिससे दो महीने के निलंबन के बाद लीग की बहाली अधर मे लटक गई है। मेक्सिको लीग द लीगा एमएक्स की बहाली पर फैसला इस सप्ताह के आखिर में आना था। इसी के मद्देनजर कोरोना जांच की गई थी। क्लब के मालिक अलेजांद्रो इरारागोरी ने स्थानीय टीवी चैनल से कहा , इस नतीजे ने लीग की बहाली का मामला और पेचीदा कर दिया है। उन्होंने बताया कि कुल 48 खिलाड़ियो और कोचो के टेस्ट किए गए जिनमे से 22 के ही नतीजे आए है।

जैकब इंगेब्राइटसन ने अपने भाई को पछाड़कर खिताब जीता

पेरिस। जैकब इंगेब्राइटसन ने नॉर्वे मे कोरोना वायरस के ब्रेक के बाद दोबारा शुरू हुई एथलेटिक्स स्पर्धा में अपने भाई हेनरिक को पछाड़कर राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ पांच किमी रोड रेस का खिताब जीत लिया। जैकब ने स्टेवेंगर में हुई रेस में 13 मिनट 29 सेकेंड का समय लिया जबकि हेनरिक उनसे दो सेकेंड पीछे रहे। दोनो ही भाइयो ने 13 मिनट 37 सेकेंड के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। जैकब और हेनरिक के पिता और कोच गर्ट इंगेब्राइटसन ने नॉर्वे के प्रसारणकर्ता एनआरके से कहा, लड़कों के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज यह रही कि उन्हे सत्र की शुरुआत मे अच्छा अनुभव मिला।

हैमलिन ने वर्षा से प्रभावित डार्लिंगटन रेसवे में सत्र की दूसरी जीत दर्ज की

डार्लिंगटन। डेनी हैमलिन ने डार्लिंगटन रेसवे मे वर्षा से प्रभावित रेस 20 लैप शेष रहते जीत ली जो उनकी सत्र की दूसरी जीत है। नैसकार की यह 1984 के बाद पहली रेस है जिसे बारिश के कारण 20 लैप पहले समाप्त किया गया। हैमलिन बुधवार को शीर्ष पर चल रहे थे लेकिन उनके पास नए टायर नही थे और ऐसे मे उन्हे जो गिब्स रेसिंग टीम के अपने साथी काइल बुश से मदद मिली जिन्होंने गलती से आठ लैप पहले चेज इलियट को टक्कर मार दी और वह रेस से बाहर हो गए।

बीसीसीआई की निगाहें मानसून के बाद वापसी पर

भाषा। नई दिल्ली

अगस्त में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाने की प्रतिबद्धता और उसके बाद अक्टूबर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आयोजन की संभावना से लगता है भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोविड-19 की स्थिति में सुधार के बाद खेल की बहाली की अपनी योजना तैयार कर ली है और मानसून के बाद गंभीर क्रिकेट गतिविधियां शुरू हो सकती है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने गुरुवार को खुलासा किया कि बीसीसीआई ने अगस्त के आखिर में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की इच्छा जताई है। इससे पहले बोर्ड के सीईओ राहुल जोहरी ने मानसून के बाद खेल शुरू होने की उम्मीद व्यक्त की थी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच श्रृंखला का कार्यक्रम अगस्त के आखिर में तय है लेकिन क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी जॉक फॉल ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड और सीएसए को बाद की तिथियों में भी इसके आयोजन में आपत्ति नहीं है। फॉल ने गुरुवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत अपने समझौते का सम्मान करना चाहता है। अगर यह श्रृंखला स्थगित होती है तो इसे बाद में आयोजित किया जा सकता है। हमारी उनके (बीसीसीआई) बातचीत बहुत अच्छी रही। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा कि सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ही इस श्रृंखला की संभावना है। उन्होंने कहा, पहले हमें खिलाड़ियों को ग्रीन जोन में अनुकूलन शिविर में रखना होगा। निश्चित तौर पर अगर चीजें सही रास्ते पर आगे बढ़ती हैं तो हम दक्षिण अफ्रीका में खेलेंगे। बीसीसीआई का इस द्विपक्षीय श्रृंखला पर सहमत होने के का मतलब है कि अगर अक्टूबर नवंबर में टी20 विश्व कप के बजाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आयोजन करने के प्रयास किए जाते हैं तो उसे सीएसए का समर्थन मिलेगा। सीएसए ने कहा कि यह श्रृंखला भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों देशों की सरकार की मंजूरी पर निर्भर होगी। फॉल ने कहा कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी सरकार से मंजूरी लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

● महामारी का असर कम होने पर अगस्त में तीन टी2० खेल सकते हैं भारत और दक्षिण अफ्रीका

● आईपीएल के आयोजन को लेकर आशावान: जोहरी

सीएसए के क्रिकेट निदेशक ग्रीम स्मिथ ने कहा कि दर्शकों के बिना श्रृंखला आयोजित करने में परेशानी नहीं आनी चाहिए। स्मिथ ने कहा, हम उनसे बात कर रहे हैं और तीन टी20 मैचों की श्रृंखला के लिए वे प्रतिबद्ध है। अगस्त के आखिर में परिस्थितियां कैसी होंगी अभी कुछ कहा नहीं जा सकता लेकिन हमारा खेल सामाजिक दूरी वाला है और हम दर्शकों के बिना खेल सकते हैं। इससे पहले जोहरी ने बुधवार को आयोजित वेबिनार के दौरान बीसीसीआई की भविष्य की योजनाओं के बारे में कुछ जानकारी दी। जोहरी ने कहा, इस पूरे मामले में भारत सरकार हमारा मार्गदर्शन करेगी, हम सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करेंगे... व्यावहारिक रूप से गंभीर क्रिकेट गतिविधियां मानसून के बाद ही शुरू हो पाएंगी। भारत में मानसून जून से सितंबर तक रहता है। इस तरह की अटकलें हैं कि अगर आस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप को स्थगित किया जाता है तो आईपीएल का आयोजन अक्टूबर-नवंबर में किया जा सकता है। उम्मीद करते हैं कि चीजों में सुधार होगा तथा और अधिक विकल्प मिलेंगे जो हमारे नियंत्रण में होंगे और हम इसके अनुसार फैसले करेंगे।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका चाहता है गांगुली बने आईसीसी चेयरमैन : ग्रीम स्मिथ

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट निदेशक ग्रीम स्मिथ ने आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के चेयरमैन के पद के लिए बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के नाम का समर्थन किया है। शशाक मनोहर का आईसीसी चेयरमैन के तौर पर कार्यकाल इस महीने समाप्त हो जाएगा। स्मिथ की इस बात का समर्थन उनके मुख्य कार्यकारी अधिकारी जाक फॉल ने भी किया, जिन्होंने कहा कि उन्हें इस भारतीय के आईसीसी प्रमुख पद पर आने से कोई परेशानी नही है, हालांकि उन्हें अपने शीर्ष अधिकारियो से इसकी मंजूरी की जरूरत होगी। मौजूदा हालात मे ऐसा भी हो सकता है कि मनोहर का कार्यकाल दो महीने के लिए बढ़ा दिया जाए लेकिन स्मिथ का खुले तौर पर गांगुली का समर्थन करना नया मोड़ है क्योंकि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कोलिन ग्रेव्स अब तक प्रबल दावेदार के तौर पर चल रहे थे। स्मिथ ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा, हमारे लिए सौरव गांगुली जैसे क्रिकेटर को आईसीसी के अध्यक्ष पद की भूमिका में देखना शानदार होगा।

कई व्यावहारिक कारणों से आईपीएल में खेलने को लेकर उत्सुक हूं: कमिंस

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज पैट कमिंस का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) कोरोना वायरस के बाद क्रिकेट को दोबारा शुरू करने का शानदार तरीका होगा और इस बेहद प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट से इस साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी में भी मदद मिलेगी। कमिंस को आईपीएल की नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 15 करोड़ 50 लाख रुपए में खरीदा था जिससे वह आईपीएल के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने थे। इस 27 वर्षीय तेज गेंदबाज ने कहा कि वह टीम के मालिको के संपर्क मे है और उन्हे इस साल टूर्नामेंट मे खेलने की उम्मीद है। कमिंस ने गुरुवार को एसईएन नेटवर्क से कहा, मै जब भी वहां टीम के मालिको या स्टाफ से बात करता हूं तो उन्हें अब भी विश्वास है कि इस साल टूर्नामेंट का आयोजन हो पाएगा। उन्होंने कहा, कई व्यावहारिक कारणो से मै इसमे खेलने के लिए उत्सुक हूं, उम्मीद करता हूं कि इसका आयोजन होगा। कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया भर मे तीन लाख से अधिक लोगो की जान गई है और क्रिकेट सहित लगभग सभी खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी है। यह (आईपीएल) क्रिकेट मे वापसी (कोविड-19 के कारण रुकावट के बाद) का शानदार तरीका हो सकता है। यह टी20 है, आपके शरीर के लिए कठोर भी नही है।

अभी भी जानने की कोशिश कर रहा हूं कि यह उतार था या चढ़ाव : विश्व कप फाइनल पर बोले विलियमसन

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन अभी तक यह नही समझ पाए है कि पिछले साल विश्व कप फाइनल मे इंग्लैंड के हाथो नाटकीय ढंग से मिली हार को वह कैरियर की उपलब्धियो मे गिने या नाकामियो में। पिछले साल विश्व कप फाइनल मे निर्धारित ओवरो और सुपर ओवर के बाद भी मैच टाई रहने के बाद चौको छक्को की गिनती के आधार पर इंग्लैंड को विजई घोषित किया गया था। विलियमसन ने क्रिकबज के एक शो पर कहा , यह समझ नही पा रहा हूं कि वह उतार था या चढाव। मै अभी भी पता करने की कोशिश कर रहा हूं कि वह क्या था। कई बार इसका पता करना मुश्किल हो जाता है। आपको स्वीकार करना होता है कि यह जिंदगी का हिस्सा है। यह काफी शानदार मैच था और इसे समझना कठिन था क्योंकि मै खेल का हिस्सा था।

अगर सिर्फ हार्दिक से अपनी तुलना के बारे में सोचूंगा तो अपना स्वाभाविक खेल नहीं दिखा सकूंगा : शंकर

नई दिल्ली। विजय शंकर इस सोच मे अपना सिर नही खपाना चाहते कि भारतीय टीम के लिए सफेद गेद के प्रारूप मे हरफनमौला के रूप मे पहली पसंद हार्दिक पंड्या है वह नही बल्कि वह पूरा फोकस अच्छा प्रदर्शन करके दौड़ मे बने रहने पर रखना चाहते है। शंकर भारत की विश्व कप टीम का हिस्सा थे लेकिन टखने की चोट के कारण पूरा टूर्नामेंट नही खेल सके थे। उसके बाद से वह सीनियर टीम का हिस्सा नही है क्योंकि चोटिल पंड्या की जगह शिवम दुबे ने ली। अब पंड्या फिट होकर टीम मे वापसी के लिए तैयार है। विजय ने एक इंटरव्यू मे कहा , यदि मुझ पर इसका फर्क पड़ने लगे तो मै अच्छा प्रदर्शन नही कर सकूंगा। मेरा फोकस सिर्फ अपने मैचो और प्रदर्शन पर होना चाहिए। मै अच्छा खेलूंगा तो लोग मेरे बारे मे बात करेंगे। मै भारतीय टीम में चुना जाऊंगा। मै इस बारे मे ही सोचता नही रहूंगा कि दूसरे खिलाड़ी क्या कर रहे है। मै लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना चाहता हूं। अच्छा प्रदर्शन करने पर ही यह संभव हो सकेगा। विजय ने घर की छत पर एस्ट्रोटर्फ विकेट लगा रखी है लेकिन लॉकडाउन के दौरान वह अभ्यास नही कर रहे। आम तौर पर मै गेंद या थ्रोडाउन डालने के लिए दो या तीन लोगो को बुलाता हूं। लॉकडाउन के कारण मै ऐसा नही कर पा रहा। शायद अब अभ्यास शुरू कर सकूं।

ट्रेनिंग दोबारा शुरू करने को लेकर आईओए को खिलाड़ियों की जोरदार प्रतिक्रिया, एनएसएफ ने दिखाई नीरसता

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के बीच राष्ट्रीय शिविरो को दोबारा शुरू करने को लेकर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को मिली प्रतिक्रिया मे खिलाड़ियो का दबदबा रहा लेकिन कई राष्ट्रीय खेल महासंघ समयसीमा के भीतर जवाब देने मे विफल रहे जिससे आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा निराश है। आईओए ने पांच मई को स्वीकार किया था कि मौजूदा लॉकडाउन के बीच खिलाड़ियो के प्रेरणा खोने का खतरा वास्तविक है और आउटडोर ट्रेनिंग कैसे दोबारा शुरू की जाए इसे लेकर खिलाड़ियों के अलावा कोचो और अन्य हितधारको की प्रतिक्रिया मांगी थी। देश मे आईओए से मान्यता प्राप्त लगभग 40 राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) और 35 राज्य ओलंपिक संघ संघ है। इनमे से 18 ओलंपिक खेलो को 20 मई तक जवाब देने को कहा गया था लेकिन आइओए के अनुसार इनमे से सिर्फ सात ने समय सीमा से पहले जवाब दिया है जिसमे तीरंदाजी, हॉकी, रोइंग, स्क्वाश, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन और याटिंग शामिल है। बत्रा ने कहा, ओलंपिक मे खेले जाने वाले खेलो मे गंभीरता की कमी से निजी तौर पर निराश हूं जिन्हें 20 मई तक जवाब देना था लेकिन उन्होंने ऐसा नही किया। जो एनएसएफ और राज्य ओलंपिक संघ 30 मई तक जवाब देंगे वे इसे गंभीरता से ले रहे है और 20 मई की समयसीमा से चूकने वाले जल्द जवाब देंगे। सोलह राज्य ओलंपिक संघो को खिलाड़ियो और अन्य हितधारको की सामूहिक प्रतिक्रिया 20 मई से पहले भेजने को कहा गया था जिससे कि बत्रा के मार्गदर्शन मे श्वेत पत्र तैयार किया जा सके। बाकी बचे एनएसएफ को अब अपना जवाब देना है जिससे कि जून मे श्वेत पत्र तैयार किया जा सके। आईओए के पास अब तक जो 430 प्रतिक्रियाएं आई है उनमें 40 प्रतिशत से अधिक खिलाड़ियों की है।

अभ्यास की मानक संचालन प्रक्रिया जारी

● साइ ने नही बताया प्रैक्टिस कब शुरू होगी

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने अभ्यास के लिए मानक संचालन प्रक्रिया की घोषणा कर दी जिसके तहत रिले अभ्यास में बेटन एक दूसरे के हाथ में नहीं सौप सकेंगे, मुक्केबाज रिंग में नहीं उतरेंगे और इंडोर बैडमिंटन कोर्ट पर सिर्फ एकल खिलाड़ी अभ्यास करेंगे लेकिन अभ्यास कब शुरू होगा, यह स्पष्ट नहीं है। एथलेटिक्स, हॉकी, बैडमिंटन, मुक्केबाजी और निशानेबाजी समेत 11 खेलों में आउटडोर अभ्यास की अनुमति दे दी गई है। भारोत्तोलक, तीरंदाज, साइकिलिस्ट, तलवारबाज, पहलवान और टेबल टेनिस खिलाड़ी भी सुरक्षा उपायों के साथ अभ्यास कर सकते हैं। इसके साथ ही संपर्क खेलों में स्पारिंग (अभ्यास के साथी) के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है जबकि तरणताल का इस्तेमाल भी अभी नहीं कर सकेंगे। गृह मंत्रालय ने लॉकडाउन के चौथे चरण में खेल परिसरों और स्टेडियमों के इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। लेकिन यह नहीं बताया कि कोरोना वायरस महामारी के बीच अभ्यास कब बहाल होगा। साइ सचिव रोहित भारद्वाज ने आनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में कहा , अभ्यास की बहाली स्थानीय प्रशासन की सहमति पर निर्भर करेगी। हर इस्तेमाल के बाद अभ्यास के उपकरणों को संक्रमण रहित किया जाएगा , अभ्यास के साथी के इस्तेमाल पर रोक रहेगी और जिम का प्रयोग बारी बारी से किया जाएगा। गृह और खेल मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद यह एसओपी जारी किया गया। भारद्वाज की अगुवाई में छह सदस्ईय समिति ने प्रोटोकॉल की अध्यक्षता की। इसके तहत सभी खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए आरोग्य सेतु का इस्तेमाल जरूरी रहेगा। इसके साथ ही सामाजिक दूरी के नियम का कड़ाई से पालन करना होगा। खिलाड़ियों की सेहत को ध्यान में रखकर सफाई के चाक चौबंद उपाय किए जाएंगे।

तोक्यो ओलंपिक के लिए 2021 आखिरी विकल्प : आईओसी प्रमुख

तोक्यो। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रमुख थामस बाक ने कहा है कि तोक्यो ओलंपिक आयोजित कराने के लिए 2021 आखिरी विकल्प है क्योंकि इसे बार बार स्थगित नहीं किया जा सकता। बाक ने बीबीसी से कहा कि वह जापान की इस बात से सहमत है कि अगर अगले

साल तक कोरोना वायरस महामारी पर नियंत्रण नहीं पाया जा सकता है तो खेलों को रद्द करना पड़ेगा। मार्च में तोक्यो 2020 खेलों को 23 जुलाई 2021 तक स्थगित कर दिया गया था। ईमानदारी से कहूं तो मैं जापान की स्थिति समझता हूं क्योंकि आप आयोजन समिति में तीन या पांच हजार लोगों को लगातार नियुक्ति पर नहीं रख सकते। आप हर साल पूरी दुनिया का खेल कैलेंडर नहीं बदल सकते। खिलाड़ियों को अनिश्चितता की स्थिति में नहीं रख सकते।

कोहली से बेहतर कप्तान रहे सचिन : गंभीर

भाषा। मुंबई

● लंबे कैरियर, नियमों में बदलाव के कारण वनडे क्रिकेट में तेंदुलकर को तरजीह दी

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने लंबे कैरियर और खेल के नियमों में बदलाव का हवाला देकर एक दिवसीय प्रारूप में मौजूदा कप्तान विराट कोहली पर सचिन तेंदुलकर को तरजीह दी है। तेंदुलकर ने 463 वनडे खेलकर 49 शतक समेत 18426 रन बनाए। उन्होंने 2013 में वनडे क्रिकेट से संन्यास लिया था। दूसरी ओर कोहली ने 248 वनडे में 11867 रन बना लिए हैं जिनमें 43 शतक शामिल हैं। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड पर कहा , सचिन तेंदुलकर क्योंकि उन्होंने एक सफेद गेंद से खेला जब सर्कल के भीतर चार फील्डर होते थे। अब पांच रहते हैं। मैं तेंदुलकर को चुनूंगा। आजकल वनडे क्रिकेट में दो सफेद गेंद ली जाती है जबकि तीन पावरप्ले होते हैं। भारत की विश्व कप 2011 में खिताबी जीत के सूत्रधारों में रहे गंभीर का मानना है कि नियमों में बदलाव का बल्लेबाजों को फायदा मिला। विराट कोहली का प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन मेरा मानना है कि नियमों में बदलाव का भी बल्लेबाजों को फायदा मिला है। नई पीढ़ी को दो नई गेंद खेलने को मिल रही है। रिवर्स स्विंग नहीं है और ना ही ऊंगलियों की स्पिन। पचास ओवर तक पांच फील्डर अंदर रहते हैं जिससे बल्लेबाजी आसान हो गई है। लंबे कैरियर को देखते हुए भी वह तेंदुलकर को चुनेंगे।

जी-7 शिखर सम्मेलन को पुनर्निधारित किया गया तो जापान इसमें शामिल होने पर करेगा विचार

टोक्यो। जापान सरकार के शीर्ष प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि यदि अमेरिका जी-7 देशों के रद्द हो चुके शिखर सम्मेलन को नए कार्यक्रम के अनुसार आयोजित करता है, तो उनका देश इसमें शामिल होने पर विचार करेगा। मुख्य कैबिनेट सचिव योशीहिदे सुगा ने एक सवाल के जवाब में यह बात कही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ट्वीट किया था कि वह जी-7 देशों के रद्द हो चुके शिखर सम्मेलन को अमेरिका में नए कार्यक्रम के अनुसार आयोजित करने पर विचार कर रहे हैं। ट्रंप ने कैंप डेविड में 10-12 जून के दौरान जी-7 शिखर सम्मेलन को फिर से निर्धारित किया है। इससे पहले कोरोना वायरस महामारी के कारण इस सम्मेलन को मार्च में रद्द कर दिया गया था। सुगा ने कहा कि उनके मुताबिक ट्रंप का ट्वीट वैश्विक अर्थव्यवस्था को सामान्य बनाने की उनकी मंशा को व्यक्त करता है।

वित्त मंत्री की सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों के साथ आज बैठक, कर्ज स्थिति का लेंगी जायजा

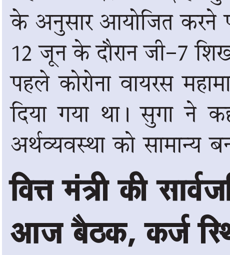

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ कर्ज वितरण समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिसे समीक्षा बैठक करेंगी। यह बैठक कोविड-19 के प्रभाव से अर्थव्यवस्था को राहत देने और उसे फिर से पटरी पर लाने के प्रयासों का हिस्सा है। बैठक पहले 11 मई को होने वाली थी, लेकिन आर्थिक पैकेज की घोषणाओं के कारण इसे टाल दिया गया।वित्त मंत्री ने पिछले सप्ताह पांच किस्तों में 21 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की घोषणा की है जिसमें कई योजनाएं बैंकों के जरिए ही आगे बढ़ेंगी। इस लिहाज से यह बैठक महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज के तहत घोषित योजनाओं में से कई को बुधवार को मंजूरी दे दी। वीडियो-कांफ्रेन्सिंग के जरिए होने वाली इस बैठक में कर्जदारों को ब्याज दर में कटौती का लाभ देने और कर्ज लौटाने के लिए दी गई मोहलत की स्थिति का भी जायजा लिया जाएगा।

कोविड-19 का प्रकोप खत्म होने के बाद भारत को बाजार के अनुकूल नजरिया अपनाना होगा: अमेरिकी राजनयिक

वाशिंगटन। एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक ने बुधवार को कहा है कि कोरोना वायरस संकट से पैदा हुई संभावनाओं का फायदा उठाने के लिए भारत को आर्थिक सुधार करने होंगे। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विदेश विभाग की कार्यवाहक सहायक मंत्री एलिस वेल्स ने कहा कि अमेरिका व्यापार समझौता चाहता है, लेकिन भारत ऐसा नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाना चाहेंगी और ए वास्तव में भारत के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिसका बाजार के अनुकूल नजरिए के साथ फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका कारोबारी माहौल में सुधार के लिए भारत के साथ मिलकर काम करना चाहता है।

शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन तेजी

एफएमसीजी, वाहन कंपनियों के शेयर चढ़े

भाषा। मुंबई

अर्थव्यवस्था के धीरे-धीरे खुलने के बीच एफएमसीजी और वाहन कंपनियों के शेयरों में निवेशकों की लिवाली से बृहस्पतिवार को बीएसई सेंसेक्स 114 अंक चढ़ गया। यह लगातार तीसरा सत्र रहा जब बाजार में तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में एक समय 370 अंक तक चढ़ गया था। अंत में यह 114.29 अंक या 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 30,932.90 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 39.70 अंक या 0.44 प्रतिशत लाभ के साथ 9,106.25 अंक पर बंद हुआ।

कारोबारियों ने कहा कि अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोला जा रहा है। अब रेल और हवाई सेवाएं भी शुरू हो रही हैं। इससे निवेशकों में

उत्साह है। हालांकि, कोरोना वायरस महामारी की वजह से निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी का शेयर सबसे अधिक 7.48 प्रतिशत चढ़ा। एशियन पेंट्स, हीरो मोटोकॉर्प, मारुति, बजाज ऑटो, सनफार्मा, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी और एलएंडटी के शेयर 2.91 प्रतिशत तक टूट गए।

आनंद राठी के प्रमुख इक्विटी रिसर्च (फंडामेंटल) नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोला जा रहा है। इससे वाहन, आईटी, धातु और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में लिवाली देखने को मिली। सोलंकी ने कहा कि कारोबार के अंतिम घंटे में नकारात्मक वैश्विक रुख की वजह से निवेशकों ने कुछ मुनाफा काटा। विश्लेषकों ने कहा कि कोविड-19 के दीर्घावधि प्रभाव को लेकर चिंता तथा अमेरिका-चीन संबंध खराब होने से निवेशकों में बेचैनी है। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 0.76 प्रतिशत तक चढ़ गए। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की नुकसान में रहे। दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में लाभ रहा। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में थे। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 1.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 36.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ 75.61 (अस्थाई) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे मजबूत

मुंबई। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे की तेजी के साथ 75.61 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख से रुपए को मजबूती मिली। विदेशी मुद्रा व्यापारियो ने कहा कि कारोबार के दौरान रुपए में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया क्योंकि घरेलू शेयर बाजार में तेजी से इसे समर्थन मिला, जबकि विदेशी कोष के बाहर जाने और कोरोना वायरस महामारी के चलते चिंताएं भी बनी हुई है। अंतरबैक विदेशी मुद्रा बाजार मे रुपया 75.70 पर मजबूती के साथ खुला और आगे बढ़त दर्ज करते हुए 75.61 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद के मुकाबले 19 पैसे की बढ़त को दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 75.80 पर बंद हुआ था।

लॉकडाउन से कंपनियों के राजस्व में 25 प्रतिशत कमी, स्थिति सामान्य होने में लगेगा एक साल से अधिक समय

नई दिल्ली। लॉकडाउन के कारण कंपनियो के राजस्व मे 25 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है और व्यवसायो को सामान्य स्थिति मे लौटने मे अब एक साल से अधिक का समय लग सकता है। एक सर्वेक्षण मे यह कहा गया है। ऑनलाइन निवेश जुटाने मे मदद करने वाली कंपनी स्क्रिप्बॉक्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण कोविड-19 एवं आपकी संपत्ति के तहत कंपनियो के राजस्व और रोजगार पर लॉकडाउन के असर की जानकारी मिली है। सर्वेक्षण मे शामिल शीर्ष कॉरपोरेट अधिकारियों, व्यवसाय मालिको और संस्थापको मे से लगभग 67 प्रतिशत ने कहा कि कंपनियो के राजस्व मे लॉकडाउन के दौरान पहले से 25 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है। इसके अलावा, सभी उत्तरदाताओ का मानना है कि व्यापार 2021 तक ही सामान्य रूप मे वापस आ सकेगा, जबकि 22 प्रतिशत लोगों का मानना है कि व्यापार जगत मे सामान्य स्थिति के लौटने मे लॉकडाउन समाप्त होने के बाद एक साल से अधिक समय लग सकता है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Mrs. Titixa Tomar and Kishore Kumar Rajora "Mortgagor" who are in the process to avail the credit facility against Flat No. E-304, on Third Floor, Rafi Ahmed Kidwai CGHS Ltd., Plot No. 12A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-75 have agreed to create mortgage of the said Property in favour of HDFC Bank Ltd. According to them they are the absolute owners of the said Property on the basis of:-

1. Sale Deed dated 04.12.2008. executed by Mrs. Kaushalya Singh in favour of Mrs. Titixa Tomar.

2. Gift Deed dated 25.01.2020. executed by Mrs. Titixa Tomar in favour of Mr. Kishor Kumar Rajora.

Whereas as per them IDBI (earlier loan was running with IDBI) Have lost all the previous chain of docs including Sale Deed dated 4/12/2008 in respect of the aforesaid property in lieu of that IDBI / SHCIL Also lodged an FIR On dated 19/12/2017. All persons having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan for purchase of the said Property and subsequent creation of mortgage in respect thereof.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Shop No. 5 & 6, Pkt-E, CSC, Mayur Vihar- II,
Delhi-91 011-43052822, 09810063351

डिफाल्टर कंपनी की स्थिति में सुधार आने पर रेटिंग में बदलाव के लिए 9० दिन इंतजार की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को डिफाल्टर कंपनियों की रेटिंग के मामले में साख निर्धारण एजेंसियों को कुछ राहत दी है। उसने कहा कि साख निर्धारण करने वाली एजेंसियों के लिए जरूरी नहीं है कि वे स्थिति में सुधार के बाद भी इकाई की रेटिंग में सुधार के लिए जरूरी 90 दिन की अवधि का इंतजार करती रहें। रेटिंग में बदलाव के लिए डिफाल्ट से चीजें ठीक होने को लेकर 90 दिन की मोहलत का प्रावधान है। किसी कंपनी के डिफाल्टर स्तर से उबरने के बाद उसे गैर-निवेश स्तर (जोखिम) तथा सामान्य रूप से 365 दिन में निवेश स्तर की रेटिंग में लाया जाता है।

सरकार के आर्थिक पैकेज का तुरंत असर कम

भाषा। नई दिल्ली

● दीर्घकाल में दिखेगा ज्यादा, बढ़ेगी महंगाई: अर्थशास्त्री

सरकार के 21 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज को लेकर अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इसका तुरंत कोई असर नहीं दिखेगा लेकिन आने वाले दो-तीन साल में इसका अर्थव्यवस्था पर प्रभाव दिख सकता है। उनका कहना है कि आर्थिक गतिविधियों को गति पकड़ने में समय लगेगा और यही वजह है कि चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चार प्रतिशत तक गिर सकता है। हां, यदि सरकार प्रोत्साहन पैकेज नहीं देती तो यह गिरावट कहीं बड़ी होती। अर्थशास्त्रियों ने यह भी कहा है कि जिस प्रकार से मजदूरों का पलायन हो रहा है और बड़ी संख्या में कामगार काम धंधे वाले राज्यों से निकलकर अपने गृह राज्यों में जा रहे हैं, उससे आने वाले समय में आपूर्ति श्रृंखला गड़बड़ा सकती है और महंगाई बढ़ सकती है। नेशनल काउंसिल आफ एपलायड इकोनोमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के प्रोफेसर सुदीप्तो मंडल ने कहा, जहां तक मेरा अनुमान है सरकार पहले ही अर्थव्यवस्था को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 10 से 12 प्रतिशत तक का प्रोत्साहन दे चुकी है, केन्द्र सरकार और रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था में नकदी डालने के कई कदम उठाए हैं।

अमेजन भी अब खाना आपूर्ति बाजार में उतरी

नई दिल्ली। ऑनलाइन वस्तुओ की आपूर्ति के लिए मंच उपलब्ध कराने वाली अमेजन इंडिया अब स्वीगी और जोमैटो जैसी कंपनियो को टक्कर देने की तैयारी में है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह बेंगलुरू के कुछ इलाको मे खाने के सामान की आपूर्ति के लिए परिचालन शुरू कर रही है।

मिहान इंडिया ने जीएमआर का अनुबंध रद्द किया

नागपुर। मिहान इंडिया लि. ने जीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर को नागपुर हवाईअड्डे के विकास के लिए दिया गया अनुबंध रद्द कर दिया है। जीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर ने पिछले साल शेयर बाजारो को भेजी सूचना मे कहा था कि उसकी अनुषंगी जीएमआर एयरपोर्ट्स लि. (जीएएल) को मिहान इंडिया लि. से डॉ बाबा साहेब अम्बेडर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे नागपुर के विकास, परिचालन और प्रबंधन का ठेका मिला है।मिहान इंडिया, नागपुर हवाईअड्डे के लिए रियायती प्राधिकरण है।

पहचान की अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति का शव **नाम** : मालूम नही, पुत्र मालूम नही, **निवास** : मालूम नही, **उम्र** : 45 वर्ष, **कद** : 5' 5", **रंग**: सांवला, **चेहरा** : लम्बा, **बाल** : काले, **पहनावा** : नीले रंग की कमीज और ग्रे रंग की पैन्ट पहने है जो आजादपुर फल मंडी शेड नं. 9, दिल्ली में मृत पाया गया था। इस बाबत **DD No. 6A दिनांक 16.05.2020 थाना महेन्द्रा पार्क, दिल्ली** में दर्ज है।

इस मृत व्यक्ति के बारे में या इसके परिवार के बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी/सुराग मिले तो निम्नलिखित पते या फोन नम्बरों पर सूचित करें।

हस्ता/- थानाध्यक्ष
थाना : महेन्द्रा पार्क, दिल्ली
फोन : 011-27632501

DP/174/NW/2020(UIDB)

कोरोना वायरस पर चीन दुष्प्रचार अभियान चला रहा है: डोनाल्ड ट्रंप

भाषा। वाशिंगटन

● चीन की अक्षमता की वजह से दुनिया भर में बड़े पैमाने पर लोगों की जान गई है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना वायरस को लेकर एक बार फिर चीन को निशाने पर लिया है। ट्रंप ने कहा है कि चीन ने दुनिया भर में जो ' दर्द और नरसंहार ' का प्रसार किया है, वह उससे ध्यान हटाने की कोशिश के तहत व्यापक दुष्प्रचार अभियान चला रहा है।

ट्रंप ने चीन द्वारा कोविड-19 महामारी से निपटने को लेकर निराशा जताई और दावा किया कि चीन की अक्षमता की वजह से दुनिया भर में बड़े पैमाने पर लोगों की जान गई है। ट्रंप ने बुधवार को ट्वीट किया कि चीन बड़े पैमाने पर दुष्प्रचार अभियान चला रहा है, क्योंकि वह चाहता है कि सुस्त जो बाइडेन राष्ट्रपति पद की दौड़ में जीत जाएं ताकि वह अमेरिका का शोषण करना जारी रख सके जैसा वह मेरे आने तक दशकों तक कर रहा था।

उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि चीन की तरफ से प्रवक्ता मूर्खतापूर्ण बातें करते हैं और उस दर्द और नरसंहार से ध्यान हटाने की कोशिश करते हैं जो उनके देश ने दुनिया भर में फैलाया है। उसका दुष्प्रचार और अमेरिका तथा यूरोप पर दुष्प्रचार हमला एक अपमान है...यह सब शीर्ष से हो रहा है। वह मुसीबत को आसानी से रोक सकते थे, लेकिन उन्होंने नहीं किया। ट्रंप ने दुनिया भर में कोरोना वायरस के प्रसार के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया और उस पर अक्षमता का आरोप लगाया।राष्ट्रपति ने कहा कि चीन में कुछ नासमझ लोग बयान जारी कर चीन के अलावा वायरस के लिए सबको जिम्मेदार ठहराते हैं, जो हजारो लोगों की जा ले चुका है। कृपया इस मुर्ख व्यक्ति को समझाइए कि यह चीन की अक्षमता थी, जिससे दुनिया भर में बड़े पैमाने पर लोगों की जान गई। इसके अलावा कुछ नहीं।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिआन ने पिछले महीने कहा था कि विश्व स्वास्थ्य संगठन को कोविड-19 के बारे में बताने वाला चीन पहला देश था। इसका मतलब यह नहीं है कि वायरस की उत्पत्ति वुहान से हुई है... कभी कुछ नहीं छुपाया गया है और न हम छुपाएंगे। कोरोना वायरस पिछले साल दिसंबर में सबसे पहले चीन के वुहान में सामने आया था। यह वायरस 328,120 लोगों की जान ले चुका है और करीब 50 लाख लोगों को संक्रमित कर चुका है।

बांग्लादेश में आये अम्फान चक्रवाती तूफान के बाद श्यामनगर में फंसे लोगों को एक नाव से तट पर पहुचाते नाविक।

भारतीय कारोबारी ने दुबई में जीती दस लाख डॉलर की लॉटरी

दुबई। भारत के 43 वर्षीय एक कारोबारी ने दुबई में दस लाख डॉलर की लॉटरी जीती है। राजन कुरियन ने ड्यूटी फ्री ड्रॉ में यह राशि जीती है। केरल में निर्माण व्यवसाय चलाने वाले कुरियन ने इस लॉटरी का ऑनलाइन टिकट खरीदा था। समाचार पत्र खलीज टाइम्स ने बुधवार को यह जानकारी दी।

कुरियन ने इस जीत के लिए आभार जताते हुए कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण पूरी दुनिया विपरीत परिस्थितियों का सामना कर रही है। उन्होंने समाचार पत्र गल्फ न्यूज से केरल में अपने गृहनगर से फोन पर कहा कि वह जीती गई राशि का एक हिस्सा जरूरतमंदों की मदद में खर्च करेंगे। इसके अलावा कुछ राशि अपने व्यवसाय को बढ़ाने में लगाएंगे। बुधवार को निकाले गए लकी ड्रा में एक भारतीय प्रवासी ने बीएमडब्ल्यू मोटरसाइकिल जीती है।सैयद अब्दुल्ला (57) पिछले 30 साल से दुबई में रहते हैं। वह एक पेय कंपनी में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में काम करते हैं। उन्होंने भी ऑनलाइन टिकट खरीदा था।

पाकिस्तान के साथ संबंध चट्टान की तरह मजबूत बने रहे : चीन

भाषा। बीजिंग

चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भी उसके संबंध पाकिस्तान के साथ चट्टान की तरह मजबूत बने हुए हैं। दोनों पड़ोसी मित्र देशों के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 69 वर्ष पूरे हुए हैं। पाकिस्तान ने 1951 में चीन को मान्यता दी थी। भारत ने उससे एक साल पहले ही चीन को मान्यता प्रदान कर दी थी। भारत एशिया का पहला गैर-कम्युनिस्ट देश था जिसने 1950 में चीन के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए थे।

इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान के राजनयिक संबंध भले ही देर से स्थापित हुए लेकिन बाद में वह कम्युनिस्ट चीन का सबसे करीबी सहयोगी बन गया। हाल के वर्षों में 60 अरब अमेरिकी डालर के साथ चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के साथ दोनों देशों के संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। यह चीन द्वारा विदेश में किया गया सबसे बड़ा निवेश है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, आज चीन और पाकिस्तान के राजनयिक संबंधों की 69 वीं वर्षगांठ है। मैं बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, हमारे बीच सहयोगात्मक सामरिक भागीदारी है। पिछले 69 वर्षों में बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्यों में भी यह संबंध कायम रहा और चट्टान की तरह मजबूत बना रहा। झाओ पहले इस्लामाबाद में चीन के उप राजदूत के रूप में काम कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि मुझे पाकिस्तान में काम करने का सौभाग्य मिला। देश छोड़ने से पहले, मैंने कहा था कि पाकिस्तान ने मेरा दिल चुरा लिया है। मेरा मानना है कि यह दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता को दर्शाता है। झाओ ने कहा, भविष्य में, हमें द्विपक्षीय संबंधों के और बढ़ने का पूरा भरोसा है। हम पाकिस्तान को अपनी पड़ोस कूटनीति में प्राथमिकता देना जारी रखेंगे और उच्च गुणवत्ता वाले सीपीईसी विकास के लिए साथ मिलकर काम करते रहेंगे। भारत ने सीपीईसी को लेकर चीन से विरोध जताया था क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से गुजरता है।

महिलाओं को उनके वजन को लेकर नीचा दिखाते हैं ट्रंप: पेलोसी

भाषा। वाशिंगटन

प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने बुधवार को कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अस्वस्थ मोटा इसलिए करार दिया क्योंकि वह महिलाओं को उनके वजन के लिए नीचा दिखाते हैं। इसके साथ ही पेलोसी ने राष्ट्रपति को राष्ट्रीय राजधानी में फैले कोरोना वायरस के प्रकोप के दौरान थोड़ा वजन कम करने की भी सलाह दी। उन्होंने अपनी साप्ताहिक प्रेसवार्ता में संवाददाताओं से कहा, मैंने उन्हें उन्हीं की दवा की एक खुराक दी। उन्होंने समय-समय पर महिलाओं पर टिप्पणी की और मुझे लगता है कि वह सोचते हैं कि मजाक उड़ाना किसी निश्चित परंपरा का हिस्सा है। पेलोसी ने ट्रंप के बारे में कहा, मैं केवल उस बात का ही हवाला दे रही थी जो डॉक्टरों ने उनके बारे में कही इसलिए मैं बहुत ही सहानुभूतिपूर्ण तरीके से तथ्यात्मक थी। राष्ट्रपति मोटे हैं लेकिन वह अस्वस्थ नहीं हैं। पेलोसी ने सोमवार को कहा था कि ट्रंप को कोरोना वायरस से बचाव के लिए हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन दवा का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि वह मोटे हैं और उनमें बीमारियों का खतरा ज्यादा है। वहीं, ट्रंप ने पेलोसी की सलाह को समय की बर्बादी करार दिया था। इस समय अमेरिका एक तरफ कोरोना वायरस से जबकि दूसरी तरफ बिगड़ती अर्थव्यवस्था से जूझ रहा है और इस समय में भी राष्ट्रपति ट्रंप और सदन की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के बीच लगातार जुबानी जंग जारी है।

आबे के करीबी जापानी अभियोजक पर जुआ स्कैंडल का आरोप

भाषा। तोक्यो

जापान के न्याय मंत्रालय के अधिकारी, प्रधानमंत्री शिंजो आबे के करीबी माने जाने वाले एक शीर्ष अभियोजक के खिलाफ कोरोना वायरस लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन कर जुआ खेलने के मामले में जांच कर रहे हैं।

उनके खिलाफ जांच तब शुरू हुई जब एक पत्रिका ने खबर प्रकाशित की कि इस अभियोजक ने माहजोंग खेलने के लिए घर पर रहने के आग्रह का उल्लंघन किया। तोक्यो उच्च अभियोजक कार्यालय के प्रमुख हिरोमू कुरोकावा के खिलाफ बुधवार को आरोप तब आया जब साप्ताहिक पत्रिका शुकान बुंशुन ने कहा कि उन्होंने मई महीने में धन के लिए एक अखबार के एक रिपोर्टर के घर पर दो बार माहजोंग (जुआ) खेला। जापानी मीडिया ने खबर दी है कि कुरोकावा ने जुआ खेलने की बात स्वीकार की है और पद से इस्तीफा देने की इच्छा जताई है। कुरोकावा को जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के करीबी के रूप में देखा जाता है। हालांकि, आबे उनके साथ किसी तरह के व्यक्तिगत संबंध होने या उनका कोई पक्ष लेने से इनकार करते रहे हैं। आबे ने गुरुवार को कहा कि न्याय मंत्रालय कुरोकावा से संबंधित घटना की जांच कर रहा है और वह इस पर टिप्पणी नहीं कर सकते।

तोक्यो में कोरोना वायरस के चलते आपात स्थिति के नियम लागू हैं और लोगों से घर में रहने तथा भौतिक दूरी के नियमों का पालन करने को कहा गया है। न्याय मंत्री मसाको मोरी ने गुरुवार को कहा कि पत्रिका में प्रकाशित खबर अगर सही है तो यह अत्यंत खेदजनक है।

जापान ने तीन प्रांतों में आपातकाल किया खत्म

तोक्यो। जापान के वित्त मंत्री ने कहा है कि सरकार ने ओसाका और इसके बगल के दो प्रांतों में कोरोना वायरस महामारी के कारण लगाए गए आपातकाल को खत्म करने का फैसला किया है। हालांकि, तोक्यो और होक्काइदो में पाबंदी लागू रहेगी। वित्त मंत्री यासूतोशी निशिमुरा ने संवाददाताओं को बताया कि बैठक में विशेषज्ञों ने ओसाका, क्योटो और हायोगो में पाबंदी को खत्म करने की मंजूरी दी। तोक्यो और पड़ोस के तीन अन्य प्रांतों तथा होक्काइदो में प्रावधान लागू रहेंगे जहां संक्रमण के मामले कम हुए हैं, लेकिन आगे और सुधार की जरूरत है। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने पिछले सप्ताह आठ प्रांतों को छोड़कर सभी 39 प्रांतों में आपातकाल खत्म करने की घोषणा की थी। आबे ने सात अप्रैल को तोक्यो सहित कुछ हिस्सों में आपातकाल लगाने की घोषणा की थी। बाद में देश स्तर पर आपातकाल लगाने की घोषणा की गई।

रावलपिंडी में ईद-उल-फितर के मौके पर बाजारों में खरीददारी करते लोग।

नेपाल में कोरोना के मामले बढ़कर 453 हुए

काठमांडू। नेपाल में कोरोना वायरस संक्रमण के 17 नए मामले सामने आने के साथ ही देश में संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 453 तक पहुंच गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नेपाल में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन लागू है। नेपाल उन देशों में से एक है जहां कोरोना वायरस के कम मामले सामने आए हैं। नेपाल के नए मामले झापा, धनकुटा और सुनसरी जिलों से सामने आए हैं। मंत्रालय के अनुसार बुधवार को नेपाल में कोरोना वायरस के 25 नए मामले सामने आए थे। यह रोग देश के 77 जिलों में से 38 जिलों में फैल गया है। मंत्रालय के अनुसार करीब 36,000 लोगों की कोरोना वायरस जांच की गई है। अब तक 45 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी मिल चुकी है और अभी 397 लोगों का इलाज चल रहा है। नेपाल में इस घातक बीमारी के कारण अब तक दो लोगों की मौत हुई है।

चीन में कोराना वायरस के 33 नए मामले सामने आए

बीजिंग। चीन में कोरोना वायरस के 33 नए मामले सामने आए, जिनमें 31 बिना लक्षण वाले मामले हैं। इनमें से ज्यादातर मामले वुहान शहर में सामने आए हैं, जो कोविड-19 महामारी का केंद्र रहा है। 1.1 करोड़ की आबादी वाले वुहान शहर में घातक वायरस संक्रमण की दूसरी लहर को रोकने के लिए सभी लोगों की जांच की जा रही है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) के अनुसार, देश में लक्षण वाले दो मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें एक मामला बाहर से आया हुआ है, जिसकी पुष्टि गुरुवार को ग्वांगदोंग प्रांत में हुई और एक मामला बुधवार को शंघाई में सामने आया, जो संक्रमण के स्थानीय प्रसार का मामला है। एनएचसी ने कहा कि लेकिन बिना लक्षण वाले मामलों में काफी बढ़ोत्तरी हो रही है। देश में बिना लक्षण वाले 31 मामले सामने आए, जिनमें से 28 मामले वुहान में सामने आए हैं। एनएचसी के आंकड़ों के मुताबिक, इन नए मामलों के साथ बुधवार को देश में बिना लक्षण वाले मामलों की संख्या 375 तक पहुंच गई। स्थानीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि वुहान में बिना लक्षण वाले 281 मामले सामने आए हैं, जिनके संपर्क में आए 861 लोगों को पृथकवास में रखा गया है। ऐसे मामलों में रोगी का पता लगाने में समस्या आती है क्योंकि व्यक्ति को कोविड-19 से संक्रमित पाया जाता है, लेकिन उसमें बुखार, खांसी या गले में खराश जैसे कोई लक्षण नहीं होते हैं। हालांकि, इनसे बीमारी दूसरों तक फैलने का खतरा रहता है। वुहान में इस साल जनवरी से मार्च तक 50,340 मामले आए थे और 3,869 मौतें हुई थीं, जहां इस संक्रमण की दूसरी लहर को रोकने के लिए सभी 1.12 करोड़ लोगों की जांच करने के लिए बड़े पैमाने एक विशाल अभियान चलाया जा रहा है। चीन में कोविड-19 से अब तक कुल 4,634 लोगों की मौत हुई है।एनएचसी ने बताया कि बुधवार तक, चीन में अब तक संक्रमण के मामले 82,967 तक पहुंच चुके हैं, जिनमें 84 रोगियों का इलाज अभी चल रहा है।

अमेरिका में भारतीय मूल के एक चिकित्सक की कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मृत्यु

न्यूयॉर्क। अमेरिका में भारतीय मूल के एक चिकित्सक की कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मृत्यु हो गई। अमेरिकन फिजिशियन्स ऑफ इंडियन-ओरिजिन (एएपीआई) ने यह जानकारी दी। एएपीआई के मीडिया समन्वयक अजय घोष ने बुधवार को एक बयान में कहा कि सुधीर एस चौहान को कोविड-19 से संक्रमित पाया गया था और पिछले कुछ हफ्तों से वह अपने जीवन के लिए जूझ रहे थे। 19 मई को बीमारी से उनकी मृत्यु हो गई। चौहान न्यूयॉर्क के जमैका अस्पताल में एक इंटरनल मेडिसिन फिजिशियन और आईएम रेजीडेंसी प्रोग्राम के एसोसिएट प्रोग्राम डाइरेक्टर थे। चौहान ने 1972 में जीएसयूएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर विश्वविद्यालय (भारत) से एमबीबीएस किया था।

अमेरिका में कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित न्यूयॉर्क राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण से 28,636 मौतें हुई हैं और संक्रमण के 76,410 मामले हैं। अमेरिका में अब तक कोविड-19 के 15,51,853 मामले सामने आए हैं और 93,439 मौतें हुई हैं। दुनिया में संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले और उससे सर्वाधिक मौत के मामले अमेरिका में हैं। इस महीने की शुरुआत में, न्यू जर्सी में एक भारतीय मूल के डॉक्टर पिता-डॉक्टर बेटी की कोविड-19 के कारण मृत्यु हो गई थी। लगभग 80,000 भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक अमेरिका में कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम मोर्चे पर डटे हुए हैं। इसके अलावा करीब 40,000 मेडिकल छात्र विभिन्न अस्पतालों में सहायता कर रहे हैं।

अमेरिकी दूत अफगानिस्तान में लड़खड़ाते शांति समझौते में जान फूंकने पहुंचे

भाषा। काबुल

अफगानिस्तान में राजनीतिक लड़ाई के सत्ता साझेदारी समझौते पर पहुंचने के बाद पहली बार अमेरिकी के शांति दूत काबुल पहुंचे हैं और उनकी यात्रा देश में हिंसा बढ़ जाने के बीच हो रही है। इस हिंसा के लिए मौटे तौर पर इस्लामिक स्टेट को जिम्मेदार ठहराया गया है और अमेरिका के बढ़े हुए बम हमलों में यही संगठन निशाने पर है।अमेरिका के शांतिदूत जलमय खलीलजाद ने बृहस्पतिवार को अपने ट्वीटों में सप्ताह के प्रारंभ में दोहा में तालिबान प्रतिनिधियों के साथ तथा बुधवार को अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी एवं साथी नेता अब्दुला अब्दुला के साथ हुई बैठकों का जिक्र किया। इन सभी का लक्ष्य फरवरी में हुई अमेरिका-तालिबान संधि में जान फूंकना है। खलीलजाद ने अफगानिस्तान के लंबे संघर्ष के सभी पक्षों से हिंसा में कमी लाए जाने की अपील की। अमेरिका की सेना 19 सालों से इस संघर्ष में उलझी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति समझौते के दूसरे और अहम चरण को शुरू करने में पहले ही बहुत सारा वक्त बर्बाद हो चुका है। इस संधि में तालिबान और अफगानिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व के बीच वार्ता का आह्वान है। अब्दुला ने पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति चुनाव जीत चुके गनी के साथ कई महीनों तक चले विवाद का अंत करने के लिए उनके साथ समझौता किया था और अब वही इन प्रयासों की अगुवाई करेंगे। अब्दुला ने सत्ता साझेदारी के तहत गनी की जीत स्वीकार की थी। डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह एक बार फिर कहा था कि अमेरिकी सैनिकों पर देश की पुलिस व्यवस्था का गलत जिम्मा डाला गया है और अफगानिस्तान को यह काम संभालना चाहिए। अमेरिका के रक्षा विभाग के अधिकारियों ने कहा कि उनकी बड़ी चिंता अफगानिस्तान में आईएस से जुड़े संगठन की बढ़ती सक्रियता है।

चीन अपने बुरे बर्ताव से बाज नहीं आ रहा है: अमेरिकी राजनयिक

भाषा। वाशिंगटन

● बीजिंग अपने अतिसक्रिय और परेशान करने वाले व्यवहार से यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा

चीन से लगी भारत की सीमा पर तनाव के बीच अमेरिका ने नई दिल्ली का समर्थन किया है। एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने बीजिंग पर आरोप लगाया कि वह अपने अतिसक्रिय और परेशान करने वाले व्यवहार से यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है।

दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक एलिस जी वेल्स ने कहा कि भारत-चीन सीमा पर तनाव और विवादित दक्षिण चीन सागर में बीजिंग के बढ़ते आक्रामक व्यवहार का कुछ-न-कुछ संबंध जरूर है। अमेरिकी विदेश विभाग में दक्षिण एवं मध्य एशिया ब्यूरो की निवर्तमान प्रमुख वेल्स ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है कि सीमा पर जो तनाव है वह इस बात को याद दिलाता है कि चीन आक्रामक रुख जारी रखे हुए है। चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, या भारत से लगी सीमा, हम चीन द्वारा उकसाने वाला और परेशान करने वाला व्यवहार लगातार देख रहे हैं। यह इस बारे में सवाल खड़े करता है कि चीन अपनी बढ़ती शक्ति का इस्तेमाल किस तरह से करना चाहता है। वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक ने एक अलग कार्यक्रम में अटलांटिक काउंसिल थिंक टैंक से बुधवार को कहा, चीनी गतिविधियों की एक पद्धति है और यह निरंतर ही आक्रामक रही है, नियमों को धता बताने की निरंतर कोशिश, यथास्थिति को बदलने की कोशिश की जाती रही है। इसका प्रतिरोध करना होगा।

उन्होंने भारत-चीन सीमा पर हालिया तनाव के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही। वेल्स 31 साल के लंबे करियर के बाद विदेश विभाग से 22 मई को सेवानिवृत्त हो रही हैं। उन्होंने रणनीतिक महत्व के दक्षिण चीन सागर में चीन के आक्रामक व्यवहार के बारे में भी बातें की। उल्लेखनीय है कि चीन समूचे दक्षिण चीन सागर में अपनी संप्रभुता का दावा करता है। वहीं, वियतनाम, मलेशिया, फिलीपीन, ब्रूनेई और ताईवान भी इस समुद्री क्षेत्र पर अपना-अपना दावा करते हैं। दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर, दोनों क्षेत्रों में चीन क्षेत्रीय विवाद में शामिल है।

चीन ने क्षेत्र में कई द्वीपों पर अपना सैन्य अड्डा बनाया है। ए दोनों क्षेत्र खनिज, तेल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न हैं और वैश्विक व्यापार का अहम समुद्री मार्ग भी हैं। उन्होंने कहा, यही कारण है आपने देखा कि समान विचारों वाले देशों को लामबंद किया जा रहा है... आसियान या अन्य कूटनीतिक समूहों के जरिए, अमेरिका, जापान और भागीदारी वाले त्रिपक्षीय समूह, या आस्ट्रेलिया की भी भागीदारी वाले चतुष्कोणीय समूह के जरिए...वैश्विक रूप से इस बारे में बातचीत हो रही है कि किस तरह से हम द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की आर्थिक व्यवस्था के सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं, जो मुक्त एवं खुले व्यापारिक मार्ग का समर्थन करते है। शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने कहा, हम एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था देखना चाहते हैं जो हर किसी को फायदा पहुंचाए और कोई ऐसी प्रणाली नहीं हो जिसमें चीन का अधिपत्य हो।

मुझे लगता है कि इस दृष्टांत में, सीमा विवाद चीन द्वारा पेश किए गए खतरे की याद दिलाता है। गौरतलब है कि पांच मई को पूर्वी लद्दाख के पेंगोंग त्सो झील इलाके में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच सरिए, डंडे और पत्थरों से झड़प हुई थी। इसमें दोनों ओर के सैनिकों को चोटें आई थीं। सूत्रों के मुताबिक नौ मई को एक अन्य घटना के तहत सिक्किम सेक्टर में नाकु ला पास के पास दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। इस घटना में दोनों ओर के कम से कम 10 सैनिकों को चोटें आई थीं।

अमेरिका चाहता है, भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए देश में आए: वेल्स

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका की एक वरिष्ठ राजनयिक ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 ने चिंता और अनिश्चितता की स्थिति पैदा की है लेकिन अमेरिकी प्रशासन चाहता है कि भारतीय छात्र पढ़ने के लिए देश में आएं। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों की निवर्तमान प्रधान उप सहायक विदेश मंत्री एलिस वेल्स ने वाशिंगटन डीसी स्थित थिंक टैंक से कहा कि हालांकि महामारी के कारण अभी वीजा प्रक्रिया चालू नहीं है।

उन्होंने अटलांटिक काउंसिल द्वारा हुई ऑनलाइन चर्चा में भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत रिचर्ड वर्मा से कहा, मुझे लगता है कि यह एक मुद्दा होने जा रहा है। भारत के 200,000 से अधिक छात्र अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ते हैं और चीन के बाद अमेरिका में विदेशी छात्रों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण लगभग सभी शैक्षणिक संस्थान बंद हैं।

वेल्स ने कहा, कोविड-19 ने अमेरिकी और विदेशी दोनों छात्रों के लिए भारी चिंता और अनिश्चितता की स्थिति पैदा की है। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि जब स्थिति सामान्य होगी तब हम अमेरिका में भारतीय छात्रों के आगमन को बढ़ाने के लिए हरसंभव कदम उठाएं। पिछले साल अमेरिका में भारत के 200,000 से अधिक छात्र पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने कहा, हम खुले दिल से इस ओर आगे बढ़ने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि छात्र देशों के बीच राजदूतों की तरह काम करते हैं और उनका लक्ष्य अमेरिका में भारतीय छात्रों को लाना है।

शाहरुख ने लॉकडाउन अनुभव किये साझा

सुपरस्टार शाहरुख खान ने कोविड 19 महामारी संबंधी लॉकडाउन अर्थात बंदी के बारे में अभी तक हुए अनुभवों को साझा किया है। इस अवधि में घर पर बिताए गए अपने अनुभवों को उन्होंने सोषल मीडिया पर साझा किया है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी एक छवि भी साझा की है। उन्होंने लिखा, 'लॉकडाउन लेसन्स... हम अपनी आवश्यकताओं को जरूरत से काफी बढ़ा रखा है। हमें उनकी इतनी आवश्यकता नहीं होती जितना हम समझते हैं। हमें घर में सीमित रहते हुए अपने चारों ओर आवश्यकता से अधिक लोगों के होने की कोई आवश्यकता नहीं होती। हमें घड़ी को कुछ क्षणों तक रोक कर अपने जीवन में झूठी सुरक्षा के विचार से मुक्ति पाने का प्रयास करना चाहिये।'

सायनी गुप्ता को विश्वास नहीं होता

अभिनेत्री सायनी गुप्ता कहना है कि मुझे सहसा ये विश्वास नहीं होता कि घर में काम करने वाली नौकरानियों तथा अन्य कर्मचारियों को लोग भुगतान नहीं कर रहे हैं मैं अपने चालक और घरेलू सेविका का इस संकट की घड़ी में मदद का वादा करती हूं। कृपया आप इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में मेरी मदद करें। इसके लिए आप सोशल मीडिया पर लिखें और अपने मित्रों से भी ये करने को कहें। कृपया आप सब भी उनके वेतन देने की शपथ लें।

अक्षय ओबरॉय को है दर्शकों पर विश्वास

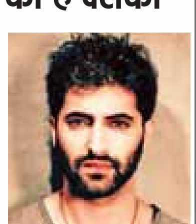

अभिनेता अक्षय ओबरॉय उस दिन की प्रतीक्षा कर रहे हैं जिसदिन लोग उनके नाम से ही थियेटर जा पहुंचेंगे। अक्षय ने कहा, 'एक दिन मैं भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्म को सफल होते देखना चाहता हूं और लोग मेरा नाम सुनते ही थियेटरों की ओर चलने लगें ऐसी मेरी भी इच्छा है। इस सब से अलग मैं उनसे सम्मान की अपेक्षा करता हूं। अपने कॅरियर के प्रारंभ में मैं अच्छा अभिनेता बनना चाहता था। मुझे लोगों से सम्मान की अपेक्षा थी मै अधिक लोकप्रिय होना नहीं चाहता था। मेरी इच्छा ये थी कि लोग मुझे एक गंभीर अभिनेता माने। समय के साथ मुझे लगता है कि मैंने ये लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। मेरा सौभाग्य है कि लोगों को मेरा काम अच्छा लगता है।' हम उन्हें अगली फिल्म 'मैडम चीफमिनिस्टर' में में देख सकेंगे।

क्रिस इवांस ने की रॉबर्ट डाउनी की प्रशंसा

हॉलिवुड अभिनेता क्रिस इवांस को अपनी फिल्म अवेंजर्स : एंडगेम, के सहकलाकार रॉबर्ट डाउनी बहुत प्यारे लगते हैं। उन्होंने कहा, 'डाउनी के लिए सब अच्छा है। वो बहुत प्यारा है। मुझे लगता है कि उसने ऐसी फिल्मों के दायित्वों को भली भांति समझ लिया हैं। उसे पता है कि जब एक व्यक्ति सफल होता है तो टीम के सभी लोग सफल होते हैं।' उन्होंने आगे बताया, 'उसने आवश्यकता से आगे आकर हमारी मदद की। केवल अवेंजर्स में ही नहीं बल्कि हमें अपनी निजी फिल्मों में भी फिर चाहे वो सेट पर न भी हो। लेकिन उसकी मदद को हम अनुभव कर सकते हैं।'

लॉकडाउन काल को बनाएं सार्थक, किचेन में करें नए प्रयोग

हर पदार्थ की एक गुणवत्ता होती है और आज के कोरोना काल में हमें हर प्रकार के पदार्थ और वस्तुओं को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के बारे में जानकारी होनी चाहिये ताकि हमें अनावश्यक बाहर जाने और इस प्रकार कोरोना संक्रमण के जोखिम से भी बच सकें।

कोविड 19 विषाणु जनित रोग के कारण पिछले कई महीनों से हम घर तक सीमित होकर रह गए हैं। इस दौरान हालांकि खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति को सुनिष्चित किया गया था लेकिन इस बीच लोग घबराहट में आवष्यकता से अधिक वस्तुओं का क्रय करने लगे और फिर जमा करने की प्रवृत्ति के चलते और कठिनाई उत्पन्न हो गई। कई किराना स्टोर्स में वस्तुएं अचानक गायब हो गईं और खाद्य और सब्जी आदि के मूल्य अचानक से ही बढ़ गए।

किसी भी वस्तु का आवश्यकता से अधिक स्टॉक अनुचित है लेकिन यदि आप बार बार बाहर निकलने से बचना चाहते हैं तो आपको वस्तुओं का समुचित रख-रखाव आना चाहिये ताकि आप लंबे समय तक आप उनका उपयोग कर सकें। खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक उपयोग योग्य बनाए रखने की कला हम सभी को पता होनी चाहिये ताकि इनके सुरक्षित उपयोग के साथ-साथ अनावश्यक बर्बादी से भी बचा जा सके।

असाही कसेई प्राइवेट लि. के विपणन प्रबंधक लव ओबरॉय का कहना है, 'हर प्रकार के खाद्य पदार्थ के सही अवस्था में बने रहने की एक सीमा होती है। कुछ वस्तुएं लंबे समय तक ताजी बनी रह सकती हैं जबकि कुछ शीघ्र ही सड़ने-गलने लगती हैं।' उन्होंने ऐसे कुछ सुझाव दिये हैं जिन्हें अपनाने के बाद आप अपनी खाद्य वस्तुओं को लंबे समय तक सुरक्षित बनाए रख सकते हैं-

प्रीमियम प्लास्टिक की शीट का उपयोग खाद्य वस्तुओं को सुरक्षित बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन्हें विभिन्न पदार्थों से मिलाकर बनाया जाता है और ये विविध प्रकार की पीवीडीसी क्लिंग फिल्म, पीवीसी या पीई क्लिंग फिल्म में उपलब्ध हैं। इनका प्रथम उपयोग 20वीं शताब्दी के मध्य मे किया गया था अैर खाद्य पदार्थों को अधिक टिकाऊ बनाए रखने में इनकी उपयोगिता के कारण अत्यंत लोकप्रिय साबित हुई है।

लेकिन पीवीडीसी क्लिंग ही इनमें सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। इन प्लास्टिक शीट के उपयोग से नमी और सड़न से खाद्य पदार्थों को बचाते हुए अधिक समय तक सुरक्षित बनाए रखा जा सकता है। इनका उपयोग सब्जियों, फलों, पोल्ट्री उत्पाद, सीफूड, रोटी आटा आदि को रंग बदलने और उनके ऑक्सीकरण से सुरक्षित रखते हुए सड़ने गलने से बचाया जा सकता हैं।

फल और सब्जियों को पृथक-पृथक रखें

हर प्रकार के खाद्य पदार्थ की कुछ अंतर्निहित विशेषताएं होती हैं। हमें फल और सब्जियों को एक साथ रखने से बचना चाहिये क्योंकि कुछ फल ऐसे होते हैं जो पकने की अवस्था में आने के बाद एथिलीन ग्लाइकोल नामक गैस का उत्सर्जन करने लगते हैं। इसी के कारण फल के पकने की प्रक्रिया तेज हो जाती है और साथ में रखी गई सब्जियों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है और वे भी शीघ्र नष्ट होने लगती हैं। यही कारण है कि साथ रखे जाने से फल और सब्जियां दोनों ही नष्ट होने लगते हैं।

इसके अलावा कुछ फलों में सब्जियों की गंध प्रविष्ट होने के कारण उनके स्वाद में भी अंतर आ जाता है। निष्कर्षत: फलों और सब्जियों को कभी एक साथ नहीं रखा जाना चाहिये।

रचनात्मक अभिरुचि अपनाएं और खाद्य वस्तुओं में नए प्रयोग को प्रोत्साहित करें

आप इस लॉकडाउन के समय का सदुपयोग पाककला में सिद्धहस्त होने हेतु भी कर सकते हैं और कुछ नया बनाने का प्रयास करें। हम अधिकांशत: यूट्यूब पर वीडियो देखकर ढेरों पदार्थ एकत्र कर लेते हैं और समुचित उपयोग न कर पाने में ये व्यर्थ ही होते हैं। लेकिन ऐसे समयकाल में हमें बचे हुए खाद्यपदार्थों से ही कुछ नया और स्वादिष्ट बनाने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिये। इस दिशा में काफी कुछ किया जा सकता हैं। उदाहरण के लिए चावल का उपयोग अनेक प्रकार से किया जा सकता है। यदि आपने सामान्य श्वेत चावल मध्यान्ह भोजन में लिया है और इसकी कुछ मात्रा बच जाती है तो आप इसमें प्याज, कुछ मसाले आदि डालकर एक नया रूप देकर रात के खाने में एक अतिरिक्त व्यंजन के रूप में रख सकते हैं।

रसोई में खाद्य पदार्थों पर उपयोग की अवधि लगाएं

हम प्राय: घरों में देखते हैं कि रसोई में वस्तु होती तो है लेकिन ये पता नहीं होता कि इसकी उपयोग अवधि शेष है या समाप्त हो चुकी है। हमें किसी भी वस्तु की उपयोग की अवधि का पता होना ही चाहिये ताकि हम उसका सुरक्षित उपयोग कर सकें। इसके साथ ही पदार्थ के उपयोग के बारे में किसी भी भ्रम से भी बचा जा सकता है।

फ्रिज के हर खाने का भिन्न वस्तु हेतु प्रयोग करें

आपका फ्रिज खाद्य पदार्थों के सहेजने में अत्यधिक उपयोगी होता है। इसमें आप दुग्ध पदार्थ, विविध प्रकार के मांसाहार, पोल्ट्री आइटम, फिश सलाद और फल तथा सब्जियां आदि लंबे समय तक सहेजी जाती हैं। खाने की हर वस्तु की अलग अलग विशेषताएं होती हैं अत: हमें उन्हें अलग अलग खाने में संभालकर रखना चाहिये।

मीट, फिश तथा सीफूड आदि को सही अवस्था में बनाए रखने के लिए एक निष्चित तापमान की आवश्यकता होती है अन्यथा उनमें बैक्टीरिया बनने की प्रक्रिया प्रारंभ हो सकती है। इन्हें फ्रिज के चिलर सेक्षन में रखा जाना उपयुक्त होगा क्योंकि इसे इन्हीं वस्तुओं के लिए डिजाइन किया जाता है।

मक्खन और पनीर कुछ अधिक समय तक खराब नहीं होते। अत: इन्हें भी इनके लिए डिजाइन किये गए विशिष्ट खानों मे ही रखा जाना उपयुक्त रहता है।

रमजान में जरूरतमंदों की मदद करेंगे सलमान

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान ने रमजान पर जरूरतमंद लोगों की मदद करने का निर्णय किया है जिससे उनकी ईद फीकी नहीं पड़े। सलमान खान लॉकडाउन पीरियड में ज्याद से ज्यादा प्रभावित लोगों को मदद पहुंचा रहे हैं। अब रमजान के महीने में सलमान ने और ज्यादा लोगों को मदद पहुंचाने का फैसला किया है। इसके लिए सलमान ने अपनी टीम से भी बात की है और मदद पर अपनी नजर बनाए हुए हैं।रमजान के महीने में सलमान ज्यादा से ज्यादा लोगों तक मदद पहुंचाना चाहते हैं। सलमान इन दिनों अपने पनवेल फार्म हाउस पर हैं। मुंबई में सलमान की गैरमौजूदगी में उनके पिता सलीम खान गरीबों तक खाना पहुंचाने के काम की देखरेख कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि सलमान ने अपनी टीम से कहा है कि रमजान के महीने में जहां तक संभव हो, हर जरूरतमंद को खाना पहुंचाया जाए। सलमान ने अपने फार्महाउस के आसपास के गावों में भी खाने-पीने की व्यवस्था की है जिससे लगभग 2500 परिवारों की जरूरतें पूरी हुई हैं।

बॉलीवुड हस्तियों ने अम्फान चक्रवात से प्रभावित लोगों की सुरक्षा की कामना की

● लोग मिलजुल कर इस स्थिति का मजबूती से सामना करेंगे : तापसी

मुंबई। फिल्मकार शूजित सरकार और कलाकारों ताप्सी पन्नू तथा राजकुमार राव समेत बॉलीवुड की विभिन्न हस्तियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे पश्चिम बंगाल और ओडिशा में चक्रवात अम्फान से प्रभावित लोगों को लिए प्रार्थना कर रहे हैं। इस प्रचंड चक्रवाती तूफान से कम से कम 12 लोगों मौत हो चुकी है तथा कोलकाता और पश्चिम बंगाल के कई हिस्से तबाह हो गए हैं। चक्रवात के चलते बड़ी तादाद में पेड़ उखड़ गए हैं, हजारों घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। राज्य के निचले इलाकों को काफी नुकसान हुआ है। फिलहाल कोलकाता में ही मौजूद शूजित ने ट्विटर पर लिखा कि उन्होंने कभी भी इतनी ठंडी और विनाशकारी हवाएं महसूस नहीं की। उन्होंने लिखा, बंगाल को इस तबाही से बाहर निकलने के लिए बहुत सहयोग की जरूरत पड़ेगी। उखड़े हुए पेड़ और तबाह हो चुके घर...कुछ इलाकों में हालात सामान्य होने में सालों लग सकते हैं। अभिनेत्री तापसी पन्नू ने शूजित के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि लोग मिलजुल कर इस स्थिति का मजबूती से सामना करेंगे। तापसी पन्नू ने लिखा, इन हालात का भी मिलकर सामना करेंगे। यह दशक हमारी परीक्षा ले रहा है। हम सबको मिलकर इससे निपटने होगा। मैं यही उम्मीद रखती हूं। वहीं अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने भी शूजित की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, सर, हम सभी देश के पूर्वी तट के नजदीक रह रहे लोगों की सुरक्षा की कामना कर रहे हैं। यह बहुत दुखद है। सभी सुरक्षित रहें। फिल्मकार करण जौहर ने ट्वीट किया, क्या इस साल कुछ और बुरा होना बाकी है। बंगाल सुरक्षित रहे....हम सभी आपकी सुरक्षा की कामना कर रहे हैं। अभिनेता राजकुमार राव चक्रवात के चलते हुए मौतों को लेकर बेहद दुखी हैं। उन्होंने ट्वीट किया, अम्फान चक्रवात से प्रभावित लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं और कामनाएं है। इसमें जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि। पश्चिम बंगाल और ओडिशा के लिए प्रार्थना करें। मौसम विभाग के मुताबिक अम्फान राज्य में बीते 100 साल में आया सबसे भीषण चक्रवाती तूफान है।

हर दिन ऋषि कपूर को मिस कर रहे हैं रणधीर कपूर

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता और फिल्मकार रणधीर कपूर का कहना है कि उनका परिवार हर दिन ऋषि कपूर को मिस कर रहा है।

ऋषि कपूर के निधन के काफी दिन बीत चुके हैं लेकिन उनका परिवार उन्हें अब भी रोज़ याद करता है। ऋषि का निधन 30 अप्रैल को हुआ था। ऋषि के भाई रणधीर कपूर ने बताया है कि ऋषि के जाने के बाद उनका परिवार खुद को कैसे संभाल रहा है। रणधीर कपूर ने बताया कि, ल्लपरिवार ऋषि कपूर के जाने के

ग़म से उबर रहा है। भगवान की हम पर कृपा है वो हमे इस दुख से लड़ने की ताक़त दे रहा है। हम उसे हर रोज़ मिस करते हैं। दोस्तों के मामले में, खाने के मामले में, फिल्मों के मामले में, परिवार के मामले में हम दोनों एक ही जैसे थे। रणधीर कपूर ने लोगों का शुक्रियाअदा करते हुए कहा कि यहां से लेकर विदेश तक के लोगों ने हमें खूब प्यार दिया। हमारे पास मैसेजों की बाढ़ आ गई थी। कुछ लोगों ने तो ऋषि कपूर के साथ अपना एक्सपीरियंस भी शेयर किया। सबको रिप्लाई करना हमारे लिए मुमकिन नहीं था, लेकिन मैं अब सबका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, और उनके फैंस से कहना चाहता हूं कि ऋषि को उनकी फिल्मों के लिए, उनकी मुस्कान के लिए और उनकी भजदादिली के लिए याद रखें।

ऋषि कपूर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर कमाल आर. खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

भाषा। मुम्बई

दिवंगत अभिनेताओं-ऋषि कपूर और इरफान खान के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर अभिनेता कमाल आर खान के खिलाफ यहां उपनगरीय क्षेत्र बांद्रा में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि युवा सेना की कोर समिति के सदस्य राहुल कनाल ने अभिनेता के अपमानजनक ट्वीटों को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी जिसके आधार पर बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल को खान ने ट्विटर पर

ऋषि कपूर के अस्पताल में भर्ती होने की कथित रूप से घोषणा की और कहा कि अभिनेता को नहीं मरना चाहिए क्योंकि शराब की दुकानें शीघ्र ही खुलने वाली हैं। अधिकारी ने कहा कि कमाल आर खान ने 28 अप्रैल को इरफान खान को निशाना बनाया था, अगले दिन इरफान खान चल बसे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने दोनों दिवंगत अभिनेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर भादसं की संबंधित धाराओं के तहत कमाल आर खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में अभी गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले की जांच चल रही है। ऋषिपकूर 30 अप्रैल को ल्यूकेमिया से चल बसे थे। उनसे एक दिन पहले 29 अप्रैल ही को इरफान खान गुजर गए थे।